ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 25 अगस्त, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-235

।। श्री हरिः ।। ।। श्री हरिः ।। ।। श्री हरिः ।। ।। श्री हरिः ।। ।। श्री हरिः ।। ।। श्री हरिः ।। ।। श्री हरिः ।। ।। श्री हरिः ।। ।। श्री हरिः ।। ।। श्री हरिः ।।

उठावना

।। श्री हरिः ।। ।। श्री हरिः ।।

श्री गोपालजी अग्रवाल (गोपी भाई)

(सुपुत्र : स्व. श्री नथमल जी बसईवाले)

स्वर्गवास : शुक्रवार दि.22-8-2025

उठावना महिलाओं एवं पुरुषों के लिए
आज सोमवार दि.25-8-2025 को दोपहर 12:00 से 1:00 बजे तक
बांठिया गार्डन, सिख विलेज, सिकन्दराबाद पर होगा ।

– शोकाकुल –

सुरेश कुमार (भ्राता), रमेश कुमार, नंदलाल (अनुज), मयूर, पियूष, मृदुल (पुत्र),
नरेश, बजरंग, रवि, दिलीप, अनिल, अनूप, मोहित, लोकेश, प्रतियोध, प्रियांक (भतीजे),
कमल, नयन, रचित, आरुष, विहान, निश्चय, हृदय, पनव (पौत्र) एवं समस्त प्राणसुख बसईवाला परिवार

फर्म : **BASAI STEEL & POWER Pvt. Ltd.**
RN METALS Pvt. Ltd.
DAILY SHUBH LABH (Hindi Daily)

बैठक – रविवार दि. 31-8-2025 को दोपहर 3:00 से 5:00 बजे तक (निवास स्थान पर)

निवास स्थान : मोती कुंज प्लॉट नं. 22, रोड नं. 5, महेन्द्रा हिल्स, सत्यनारायण मंदिर के समीप,
नेहरु नगर, ईस्ट मारेडपल्ली, सिकन्दराबाद 98490 30471,77993 33333

माता-पिता का विनय करना मनुष्य का सदैव कर्तव्य: आचार्यश्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पर्युषण पर्व के पाँचवें दिन श्रद्धा और उल्लास से भरे वातावरण में श्री कल्पसूत्र वाचन के अंतर्गत भगवान महावीर स्वामी का जन्मोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे और प्रभु के जन्म प्रसंग का श्रवण कर भाव-विभोर हो उठे।

प्रातःकालीन प्रवचन में आचार्य श्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी ने माता त्रिशला को प्राप्त चौदह स्वप्नों का गहन विश्लेषण किया। उन्होंने बताया कि पुष्पमाला, चंद्र, सूर्य, ध्वज, पूर्णकलश, पद्मसरोवर, रत्नाकर, देवविमान, रत्नराशि और निर्धूम अग्नि जैसे स्वप्न भविष्य के महान व्यक्तित्व का संकेत करते हैं। इन स्वप्नों का केवल दार्शनिक महत्व ही नहीं, बल्कि इनके माध्यम से प्राचीन परंपरा, कुलाचार और जीवन-दर्शन की अनेक गुण शिक्षाएँ भी प्राप्त होती हैं। आचार्य श्री ने स्पष्ट किया कि प्रभु महावीर ने गर्भावस्था में ही माता-पिता के प्रति विनय और आज्ञापालन का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। जब माता त्रिशला ने गर्भस्थ शिशु की गतिविधियों के न होने से चिंता व्यक्त की, तब प्रभु ने संकल्प लिया कि जब तक मेरे माता-पिता जीवित हैं, तब तक मैं संयम नहीं ग्रहण करूंगा। यह केवल मातृ-पितृ भक्ति का प्रतीक नहीं था, बल्कि समाज को यह शिक्षा देने का सशक्त माध्यम था कि संतान का प्रथम धर्म अपने माता-पिता के प्रति सम्मान और कर्तव्य-पालन है।

आचार्य श्री ने भ्रांतियों का निवारण करते हुए कहा कुछ लोग कहते हैं कि स्वयं प्रभु ने माता-पिता की उपस्थिति में संसार त्याग नहीं किया, तो अन्य लोग कैसे कर सकते हैं? परंतु यह दृष्टिकोण भ्रामक है। प्रभु सर्वज्ञानी थे, उनका प्रत्येक निर्णय विश्व के लिए आदर्श है। त्याग का विरोध करने वाले लोग क्या वास्तव में माता-पिता के प्रति विनयी हैं, या केवल संयम-जीवन से अरुचि रखते हैं? आचार्य श्री ने आर्य परंपरा की झलक प्रस्तुत करते हुए कहा कि प्राचीन भारत में माता-पिता को त्रिकाल प्रणाम करने की परंपरा थी। संतान उनकी प्रत्येक उचित आज्ञा को हाथ जोड़कर स्वीकार करती थी। ऐसी मान्यता थी कि यदि संतान चमड़े के जूते बनाकर भी माता-पिता को पहनाए, तो भी उनका ऋण पूरा नहीं कर सकती। क्या आपके घरों में ऐसी परंपरा रही है? क्या आपने स्वयं अपने माता-पिता का विनय किया है? ध्यान रखिए आपके बच्चे वही सीखेंगे, जो आप आचरण करेंगे।

अंतरराष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। वनबंधु परिषद, महिला समिति बेंगलूरु द्वारा लैवेल रोड स्थित रोटरी क्लब में अंतरराष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस मनाया गया। हमारी पहचान हमारे वरिष्ठजन की सोच को केंद्र में रखते हुए, इस वर्ष समिति द्वारा ऐसे जोड़ों को आमंत्रित किया गया, जिनके विवाह को 60 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ ब्रह्मनाद से हुआ तथा पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर विधिवत आरंभ किया गया।

अध्यक्ष कांता काबरा ने स्वागत भाषण में कहा कि वरिष्ठजन हमारे समाज की नींव हैं, और उनके अनुभवों को अगली पीढ़ी तक पहुँचाना हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। राष्ट्रीय महिला समिति से आईं सरिता भंसाली ने इस दिवस को मनाने के उद्देश्य तथा विगत तीन वर्षों से हो रहे आयोजन की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में पधारे सभी 10 वृद्ध जोड़ों का दुपट्टा-शाल ओढ़ाकर, एकल हल्दी एवं दीयों के हैंपर के साथ सम्मान किया गया। उनसे पूर्व में लिए गए साक्षात्कारों पर आधारित वीडियो भी प्रदर्शित किए गए। बाद में, उनके अनुभवों को संवाद के माध्यम से सभी के साथ साझा किया गया। इसके पश्चात सभी ने मिलकर हाऊजी खेल का आनंद उठाया। कार्यक्रम का संचालन सरोज डागा ने किया। सचिव अनीता जैन ने आभार जताया। कार्यक्रम का समापन स्वादिष्ट भोजन और कल्याण मंत्र के साथ हुआ।

जीवन को प्रकाशमय बनाएं, अणुव्रत को अपनाएं : साध्वी पुण्ययशा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी पुण्ययशाजी के सान्निध्य में पर्युषण का पाँचवा दिन अणुव्रत चेतना दिवस के रूप में मनाया गया। साध्वी पुण्ययशा जी ने अपने मंगल उद्बोधन में भगवान महावीर की भव श्रृंखला में त्रिपृष्ठ वासुदेव के भव पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस तरह क्रूर हिंसा के कारण उसके सातवीं नरक का बंध होता है। अणुव्रत के नियमों का महत्व बताते हुए कहा कि व्रत के द्वारा आने वाले कर्मों को रोका जा सकता है। जिससे आत्मा उज्ज्वल बनती है तथा हम वीतराग पथ पर अग्रसर होते हैं। अणुव्रत जीवन के छोटे-छोटे नियम है, जिससे व्यक्ति जीवन जीने की कला सीखता है। अणुव्रत के माध्यम से जीवन को संयममय बनाया जा सकता है।

साध्वी विनीतयशा जी ने कविता के माध्यम से अणुव्रत की महिमा को उजागर किया। साध्वी वर्धमानयशा जी ने अणुव्रत के माध्यम से हमारा जीवन किस प्रकार त्यागमय हो एवं हमारी जीवनशैली संयमित हो, व्रतों का हमारे जीवन में क्या महत्व है, के बारे में बताया। साध्वी बोधिप्रभाजी ने अणुव्रत है सोया संसार गीत की प्रस्तुति दी। कन्या मण्डल की बहनों द्वारा मंगला-चरण किया गया। साध्वी की प्रेरणा से पचरंगी तपस्या में एक से पांच तक की तपस्या करने वाले तपस्वियों को प्रत्याख्यान कराया गया। जिसमें पांच की तपस्या के तेरह प्रत्याख्यान हुए। हर्षिता गोटावट ने 11 दिनों की तपस्या सुखसाता पूर्वक संपन्न हुई। सभा अध्यक्ष राकेश छाजेड़, तेयूप अध्यक्ष विक्रम महेर, महिला मंडल अध्यक्ष मंजू बोथरा व सभी संस्थाओं के पदाधिकारीगण एवं काफी संख्या में श्रावक श्राविकाओं की उपस्थिति रही। सभा मंत्री गुलाब बाँठिया ने आगे के कार्यकम की विस्तृत जानकारी दी। अणुव्रत समिति के उपाध्यक्ष बी.वी चन्द्रशेखरय्या ने अणुव्रत गीत कन्नड़ भाषा में प्रस्तुत किया एवं मंत्री लाभेश कांसवा ने अणुव्रत की जानकारी दी। 14 व्यक्तियों ने अणुव्रत के संकल्प की सदस्यता ग्रहण की। साध्वी के मंगलपाठ से कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

मनुष्य को गुमान करने से बचना चाहिए: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि पर्वाधिराज के पावन समय में सभी आगम वाणी का स्वादन कर रहे हैं।

इन आठ दिनों में जिन्होंने संसार का अंत कर दिया उनके जीवन के बारे में हम सुन रहे हैं। आगम में जीवन क्या है, तत्व क्या है, संसार क्या है के बारे में बताया गया है। कभी कभी जीवन में एक खराबी आ जाती है तो पूरा जीवन नष्ट हो जाता है। इसी कारण से द्वारिका नगरी का विनाश हुआ। शराब समेत कई गलत कार्यों में लाखों घर डूब गए। यह जीवन के साथ सभी चीजों को नष्ट कर देती हैं। पाप छोटा हो या बड़ा हो पाप पाप होता है। एक छोटा पाप भी मनुष्य के पूरे परिवार को तबाह कर सकता है। जैसी करनी होगी वैसी ही भरनी होगी। मनुष्य पता नहीं किस चीज का अभिमान करता है।

पैसों और सुंदरता समेत कई चीजों पर अभियान करता रहता है। लेकिन एक क्षण में सभी चीजें मिट्टी में मिल सकती हैं। यह जानने के बावजूद अभिमान कर मनुष्य नीच गति में बढता जा रहा है। जीवन में किसी को भी किसी चीज के लिए गुमान नहीं करना चाहिए। जो आज है वह कल नहीं होगा। जो अपना है ही नहीं उसको लेकर गुमान कर के अपने कर्मों को बांधने का कार्य करने से बचें।

गुरुदेव ने फरमाया कि गुमान करने वाला मनुष्य को नीच गति में ही जाना होगा। मनुष्य धन देख कर मन ही मन फुल जाता है। उसको गुमान हो जाता है कि अब उसको किसी की जरूरत नहीं है। लेकिन कर्मों का उदय होगा तो धन भी साथ छोड़ देगा। कुछ रहने वाला नहीं है। मनुष्य कुछ लेकर भी नहीं आया था और कुछ लेकर भी नहीं जाएगा। इस लिए किस बात का गुमान करना किस बात का अभिमान करना है। जब काल आएगा तो धन दौलत, सुंदरता सभी धरी रह जाएगी। पर्युषण का यह पर्व मनुष्य को यही शिक्षा देने के लिए आता है कि किसी चीज को लेकर गुमान नहीं करना चाहिए। अगर कुछ साथ जाएगा तो वह मनुष्य का तप, त्याग, तपष्या और धर्म ध्यान है। इसलिए धर्म ध्यान में ध्यान केंद्रीत करने का प्रयास करना चाहिए। गुमान करके मनुष्य अपनी गति को नीच गति में परिवर्तित कर रहा है। इसलिए नीच गति में जाने से बचने के लिए गुमान करने से बचना चाहिए। इस दुनिया में कोई किसी का नहीं है। सभी मतलब के यार हैं। बिना मतलब के कोई किसी का नहीं होता है। जब तक मतलब है तब तक सभी अपने हैं। मतलब निकलने के बाद मनुष्य को कोई पूछता भी नहीं है। मंगलवार को प्रवचन में पूज्य प्रवर्तक गुरुदेव श्री पन्नालालजी की जन्म जयंती मनाई जाएगी। सभा में 6 उपवास का पच्चखान श्रुति लोढ़ा, वसंताबाई बोरुन्दिया, करण कुमार नाहर व 5 उपवास का पच्चखान विभा विनायकिया, संगीता तलेसरा, सविता पालरेचा, संतोष खीवेंसरा, रिया धारीवाल, तेजल श्रीश्रीमाल, विजय खीवेंसरा ने लिए। रतनीबाई मेहता, पारसमल नाहर, किशनलाल पगारिया और सुरेन्द्र आंचलिया की विशेष उपस्थिति रही। सभी का स्वागत अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी ने किया। संचालन महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने किया।

बाबा के भक्तों ने की पैदल यात्रा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्रीरामपुरम बाबा रामदेव, चामराज पेट गुरदल्ली के भक्त हर साल की तरह इस साल भी रविवार सुबह जल्दी दर्शन के लिए पैदल देवरचिकहल्ली धाम पहुंचे। हाथ में ध्वजा और बाबा रामदेवजी के घोड़े के साथ बाबा रामदेव के आस्था के जयकारों से भक्तों का मनमोहन नजरा दिखाई दिया। पैदल यात्रा संघ में बड़ी संख्या में युवाओं और महिलाओं के साथ बच्चे भी शामिल थे। देवरेचिकहल्ली में संत थानारामजी ने सभी भक्तों को प्रसाद वितरण कर आशीर्वाद दिया। इस मौके पर रमेश लिम्बा, लादुराम मावर, मंगल चंद सिंदड़, देवाराम कुमावत, चेनाराम जकिया, बगदाराम, नेमाराम, बस्तिमल, मनीष सोहनलाल आदि लोगों ने दर्शन किए।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** कर्नाटक कैलाश मानस सरोवर यात्रा संघ द्वारा हनुमंत नगर स्थित विवेकानंद शिक्षण संस्थान के सभागार में कर्नाटक कैलाश मानस सरोवर यात्रियों के लिए स्वागत एवं अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। समारोह अध्यक्ष प्रभाकर आर एवं महेंद्र मुणोत ने पुष्प वृष्टि कर यात्रियों का स्वागत किया। यात्रियों ने कैलाश मानस सरोवर यात्रा के अनुभव साझा किये। आयोजकों ने 2025 में नामांकन करने वाले यात्रियों को दिशा निर्देश दिए एवं कहा दृढसंकल्प एकाग्रता श्रद्धा एवं धन आपको कैलाश मानस सरोवर की यात्रा कराएगा। आयोजकों ने मुख्य अतिथि को सम्मानित किया।*

त्यागी तपस्वियों को सर्वोच्च सम्मान और स्थान मिलना चाहिए: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्व-ावधान में पर्युषण पर्व के पांचवें दिन आयोजित प्रवचन में साध्वी इंदुप्रभा जी ने कहा कि धार्मिक आयोजन और धर्म स्थानों में त्यागी तपस्वियों को सर्वोच्च सम्मान और स्थान मिलना चाहिए। ऐसे व्यक्तियों को स्थान प्रदान करना भी त्याग है। धर्म के प्रत्येक कार्य में अपना समर्थन और सहयोग होना चाहिए। आगम में श्रीकृष्ण का वर्णन आता है कि उन्होंने दीक्षा लेने वालों के परिवारों की पूरी जिम्मेदारी ली। धर्म के कार्य में हम भी विलंब न करें और अपने संकल्प को और मजबूत करें। धर्म के फल की चाह करना भी अनुचित है। चाह करना स्वार्थ है। भक्ति में माया झूठ कुछ नहीं होना चाहिए। मात्र समर्पण होना चाहिए। प्रवचन सभा में आचार्य श्री शुभचंद्र जी के सातवें पुण्य स्मृति दिवस पर गुणानुवाद करते हुए साध्वी वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि श्रद्धा सुमन तभी सार्थक होते हैं जब हम अपने जीवन में कुछ सकारात्मक परिवर्तन लाते हैं। आज हमारे सामाजिक समारोह में खान पान की शुद्धता संशय के दायरे में आ गई हैं। जैसा अन्न खाएंगे, हमारा मन और चिंतन भी वैसा होगा। हम संकल्प लें कि खाना बनाने और परोसने वाले सात्विक हो। आचार्य शुभचंद्र जी भक्तों के लिए भगवान सम थे। उनका जीवन सजगता, सरलता और संयम का परिचय था। लंबे समय से वे समाधि यात्रा को समर्पित थे। जीवन काल में ही उन्होंने अपने को पद मुक्त कर लिया था और शरीर की व्याधियों को समभाव से सहन किया था। 58 वर्ष पूर्व उनका चातुर्मास अलसूर में भी हुआ था।

इस अवसर पर करीब एक सौ बच्चों सहित अनेको ने एकासन तप किया। हिताशा मुथा, रविन्द्र चोरड़िया, राजेंद्र जांगड़ा ने भी श्रद्धा सुमन व्यक्त किए। जयमल महिला मंडल ने गीत प्रस्तुत किया। 35 से ज्यादा जनो ने 5 से ज्यादा उपवास के प्रत्याख्यान लिए। संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन करते हुए सूचना दी कि आगामी 7 सितंबर को आचार्य जयमल जयंती मनाई जाएगी। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। दोपहर को महावीर जन्म वाचन हुआ। महिला मंडल एवं नवकार बहु मंडल ने 14 स्वप्नों की प्रस्तुति की।

पर्युषण तप और त्याग का पर्व: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने भगवान महावीर जन्म वांचन समारोह के अवसर पर कहा कि पर्युषण तप और त्याग का पर्व है। इस दौरान आत्मा की अज्ञानता दूर करना यही सच्चा धर्म है। पर्युषण पर्व के दौरान आठ कर्मों का दहन करना तथा जीवमात्र के प्रति दया रखना यही सभी का परम कर्तव्य है। श्वेतांबर जैन समाज के पर्युषण महापर्व के तहत आज भगवान महावीर का जन्मवांचन समारोह धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर अचिंत्य चिंतामणि कल्पसूत्र शास्त्र में उल्लेखित महावीर जन्म के वृत्तांत का वाचन साध्वी भव्यगुणा के मुखारविंद से सुनाया गया। माता त्रिशला ने भगवान के जन्म के पूर्व जो 14 महास्वप्न देखे थे, वे 14 रजत स्वप्न आकाश मार्ग से उतारे गये। साध्वीवृंद ने भगवान महावीर के जन्म उत्सव का विवरण व माता त्रिशला को आए 14 सपनों एवं अष्ट मंगल के महत्व को प्रतिपादित कर अपने विचार व्यक्त किये। जन्मोत्सव के दौरान माता त्रिशला को आए 14 स्वप्नों की बोलियां लगाकर उन्हें प्रतिष्ठित किया गया। जन्म की खुशी में श्रद्धालुजन ने एक-दूसरे को केशरिया छापे भी लगाए व प्रभावना भी वितरित की गयी। स्वामीवात्सल्य भी रखा गया। बाल प्रभु महावीर को पालने में झुलाया गया तथा रात्रि जागरण हुआ। शाम को भगवान महावीर की 108 दीपकों से आरती हुई। पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व के 5 वें दिन देश-विदेश में भी भगवान महावीर का जन्म वाचन समारोह (महोत्सव) मनाया गया। नाटय प्रस्तुति के माध्यम से राजा सिद्धार्थ को पुत्र रत्न की प्राप्ति पर बधाई कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। प्रत्येक स्वप्न भगवान महावीर के जीवन के एक विशिष्ट गुण, महत्व और दिव्य स्वभाव का प्रतिनिधित्व करता है। इन स्वप्नों को भगवान महावीर के जन्म की शुभता और उनके आगामी दिव्य जीवन की सूचना के रूप में देखा जाता है। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ उपाध्यक्ष राजेन्द्र पोरवाल ने बताया कि शंखेश्वर पार्श्व-राजेन्द्र गुरुमंदिर में प्रथम बार महावीर जन्म वांचन समारोह हर्षोल्लास से हुआ।

यातायात उल्लंघन के 1.48 लाख मामले निपटाए गए, पहले दिन 4.18 करोड़ वसूले

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ दर्ज मामलों का निपटारा 50 प्रतिशत छूट पर करने की नई सुविधा के पहले दिन, शहर की यातायात पुलिस ने कुल 1,48,747 मामलों का निपटारा किया और विभिन्न भुगतान विधियों के माध्यम से 4.18 करोड़ एकत्र किए। सरकार ने पुलिस विभाग की मोबाइल ई-चालान प्रणाली के माध्यम से दर्ज लंबित मामलों के लिए जुर्माने में एकमुश्त 50 प्रतिशत की छूट की घोषणा की थी, जिससे यह योजना 23 अगस्त से 12 सितंबर तक लागू रही।

फर्जीवाड़ा करने के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो। शिवमोग्गा पुलिस ने मैसूरु में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया, जिसने कथित तौर पर खुद को स्कूली शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा का निजी सहायक बताकर लोगों को ठगा। शिवमोग्गा के पुलिस अधीक्षक जी.के. मिथुन कुमार ने शनिवार को मीडियाकर्मियों को बताया कि आरोपी, जिसकी पहचान एक सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारी के बेटे रघुनाथ के रूप में हुई है, ने कथित तौर पर कई लोगों को सरकारी नौकरी और तबादलों का झूठा वादा करके ठगा। रघुनाथ ने कथित तौर पर खुद को बंगारप्पा का निजी सहायक बताया।

जयनगर पुलिस ने शिवमोग्गा में युवा कांग्रेस कार्यकर्ता जी. गिरीश की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया था। आरोपी को शनिवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कृषि मंत्री ने बीमार सुपारी उत्पादकों को शीघ्र राहत देने का किया है वादा @ नम्मा बेंगलूर

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 25 अगस्त, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-235

जमात-ए-इस्लामी ने की खुली घोषणा, रहना है तो देना होगा

बांग्लादेश में हिंदुओं पर लागू हुआ जजिया-कर

बांग्लादेश के हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों पर इस्लामिक उत्पीड़न की इंतिहा करते हुए मुस्लिम ब्रदरहुड की बांग्लादेशी शाखा जमात-ए-इस्लामी ने मध्ययुगीन जजिया कर वसूलना शुरू कर दिया है। जमाते इस्लामी ने देश के धर्मनिरपेक्ष ढांचे को शरिया कानून से बदलने की अपनी मंशा का खुलेआम ऐलान कर दिया है। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई द्वारा समर्थित और अल-कायदा सहित वैश्विक जेहादी नेटवर्क से जुड़ी जमाते इस्लामी का यह कदम नोबेल

ट्रंप ने फरार आतंकी पर 50 लाख डॉलर इनाम की घोषणा वापस ली

पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के सत्ता में आने का प्रतिफल है। यूनुस के संरक्षण में कट्टरपंथी इस्लामी प्रभाव में तेजी से बढ़ोत्तरी हो रही है। हिंदुओं पर हिंसा, बलात्कार, लूटपाट, तोड़फोड़ और विध्वंस के बाद

जजिया कर वसूलने का ऐलान न केवल बांग्लादेश बल्कि दक्षिण एशिया और व्यापक विश्व के लिए एक सुरक्षा जोखिम पैदा करने वाला है।

अल-कायदा से जुड़े कुख्यात आतंकवादी और अमेरिकी विदेश विभाग के सबसे वांछित

वही आतंकी बांग्लादेश में खोलेगा भारत विरोधी संगठनों का दफ्तर

भगोड़ों में से एक मेजर (बर्खास्त) जियाउल हक जिया ने पिछले ही हफ्ते मणिपुर के विद्रोहियों, खालिस्तानियों और कश्मीर के अलगाववादियों का समर्थन करने की सार्वजनिक घोषणा की और बांग्लादेश में इनके आंदोलन को गति देने के लिए दफ्तर और शाखाएं खोलने का ऐलान किया। जिया पिछले साल जेहादी समर्थित तख्तापलट के बाद गुप्त रूप से बांग्लादेश लौट आया था, उसने यह खुला बयान देकर न केवल भारत बल्कि अमेरिकी खुफिया तंत्र को भी चौंकाया। लेकिन अमेरिका की सरकार कुछ और ही षडयंत्रों में मुब्तिला है। सब जानते हैं कि बांग्लादेश में सत्ता-पलट के पीछे अमेरिकी डीप स्टेट ही मुख्य षडयंत्रकारी ताकत था। ▶10 पर

शुभ-लाभ सरोकार

ढाका में क्या कर रहे हैं पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री?

ढाका, 24 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के खुलेआम समर्थन से हिंदुओं और अल्पसंख्यकों पर लादे गए जजिया कर के कारण बढ़े तनाव के बीच पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री सह विदेश मंत्री इशाक अहमद डार का बांग्लादेश दौरा खुफिया एजेंसियों को चौंका रहा है। इशाक डार तीन दिनों की बांग्लादेश यात्रा पर हैं। इशाक डार बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के शीर्ष नेताओं के अलावा कई कट्टरपंथी संगठनों के नेताओं से भी मुलाकात करने वाले हैं। इशाक डार बांग्लादेश से सक्रिय तमाम भारत विरोधी संगठनों के नेताओं और प्रतिनिधियों से मिलने वाले हैं। भारत के लिए यह स्थिति चिंता का विषय मानी जा रही है। ▶10 पर

प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी और फलाह-ए-आम ट्रस्ट पर कार्रवाई

संगठन के स्कूलों का सरकार ने किया अधिग्रहण

श्रीनगर, 24 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर सरकार ने प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी और उसके सहयोगी फलाह-ए-आम ट्रस्ट से जुड़े 215 स्कूलों का अधिग्रहण कर लिया है। यह कदम छात्रों के भविष्य की सुरक्षा के लिए उठाया गया है। इन स्कूलों में छात्रों को मूल शिक्षा देने के बजाय धार्मिक कट्टरता का पाठ पढ़ाया जा रहा था। शुक्रवार 22 अगस्त 2025 को जारी औपचारिक आदेश में स्कूल शिक्षा विभाग ने कहा कि अब इन स्कूलों का प्रबंधन संबंधित जिला मजिस्ट्रेटों के अधीन होगा। वे सत्यापन के बाद नई प्रबंधन समितियों का गठन करेंगे।

आदेश के अनुसार, खुफिया एजेंसियों ने पाया कि ये स्कूल प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पहले 28 फरवरी 2019 और फिर 27 फरवरी 2024 को जमात-ए-

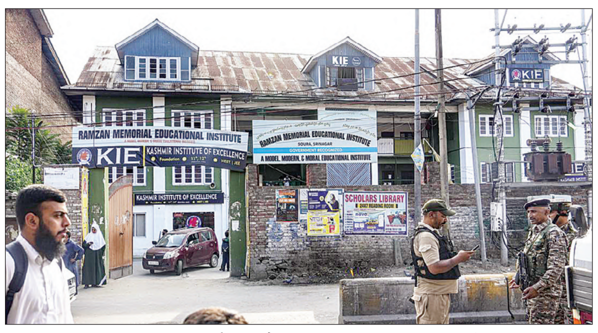

इस्लामी को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत प्रतिबंधित संगठन घोषित किया था। इसी आधार पर

छात्रों को पढ़ा रहे थे धार्मिक कट्टरता का पाठ

इन स्कूलों की मौजूदा प्रबंधन समितियों की वैधता समाप्त कर दी गई। सरकार ने स्पष्ट किया कि इस कार्रवाई से छात्रों की पढ़ाई प्रभावित नहीं होगी। जिला मजिस्ट्रेट शिक्षा विभाग के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करेंगे कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अनुरूप गुण-वत्तापूर्ण शिक्षा जारी रहे। स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव राम निवास शर्मा ने कहा कि बच्चों का शैक्षणिक जीवन किसी भी स्थिति में बाधित नहीं होने दिया जाएगा। फलाह-ए-आम ट्रस्ट जमात-ए-इस्लामी जम्मू-कश्मीर द्वारा बनाया गया था। 1972 से पहले जमात-ए-इस्लामी खुद स्कूल चलाता था, लेकिन बाद में इन स्कूलों को फलाह-ए-आम ट्रस्ट के हवाले कर दिया। जमात-ए-इस्लामी को भारत सरकार ने पहले से ही गैर-कानूनी संगठन घोषित कर रखा है। साल 2019 में इस संगठन पर प्रतिबंध लगाया गया था और 2024 में यह बैन दोबारा बढ़ा दिया गया। प्रतिबंध को ठेंगा दिखाते हुए यह संगठन फलाह-ए-आम ट्रस्ट के जरिए अपना काम करता रहा। ▶10 पर

जयशंकर ने अमेरिका को गिरेबान में झांकने की सलाह दी

तो लादेन को पाकिस्तान में घुसकर क्यों मारा था!

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने अमेरिका को अपनी गिरेबान में झांकने की सलाह दी है। जयशंकर ने कहा, अमेरिका और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से संबंध रहे हैं। लेकिन सच यह भी है कि दोनों ने कई बार उस पुराने इतिहास को नजरअंदाज भी किया है। डॉ. जयशंकर ने वर्ष 2011 में पाकिस्तान के अंदर इस्लामाबाद के पास अमेरिकी सेना की कार्रवाई में अल-कायदा आतंकी सरगना ओसामा बिन लादेन के मारे जाने की भी अमेरिका को याद दिलाई।

ओसामा बिन लादेन को 2 मई 2011 को अमेरिकी नौसेना के कमांडो दल ने पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद के पास स्थित एबटाबाद में मार गिराया था। अमेरिका ने इस अति-गोपनीय ऑपरेशन को अंजाम देने से पहले पाकिस्तान को सूचित नहीं किया था। ओसामा बिन लादेन जैसे अमेरिका विरोधी आतंकी सरगना को शरण देने वाले उसी पाकिस्तान के मौजूदा सेना प्रमुख आसिम

मुनीर का व्हाइट-हाउस में स्वागत करने में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने ओहदे का प्रोटोकॉलिक ध्यान भी नहीं रखते।

यूरोप भी रूस से कर रहा व्यापार फिर भारत से चिढ़ क्यों?

बहरहाल, विदेश मंत्री का यह बयान अमेरिका और पाकिस्तान के बीच बढ़ती करीबी पर आया। उन्होंने कहा कि समस्या यह है कि जब देश सुविधा की राजनीति पर बहुत ज्यादा केंद्रित होते हैं, तो वे ऐसा करने की कोशिश करते रहते हैं। इसमें कुछ सामरिक हो सकता है, कुछ के कुछ अन्य लाभ या गणनाएं हो सकती हैं। जयशंकर ने भारत-अमेरिका संबंधों की मजबूती का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, मैं मौजूदा हालात या चुनौती के हिसाब से प्रतिक्रिया देता हूं। लेकिन मैं ऐसा हमेशा रिश्तों की व्यापक संरचनात्मक मजबूती और उससे मिलने वाले विश्वास को ध्यान में रखते हुए करता हूं।

जयशंकर ने रूस से तेल खरीद को लेकर भारत को निशाना बनाने के लिए अमेरिका की आलोचना की। उन्होंने कहा कि यही पैमाना रूसी कच्चे तेल और रूसी एलएनजी के सबसे बड़े आयातक चीन और यूरोपीय संघ पर लागू क्यों नहीं किए गए। उन्होंने कहा कि जब लोग कहते हैं कि हम जंग को वित्तपोषित कर रहे हैं या राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खजाने में पैसा डाल रहे हैं तो यह क्यों नहीं कहते कि यूरोपीय संघ भी पुतिन के खजाने में पैसा डाल रहा है? ▶10 पर

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने किया आगाह

खतरनाक रास्ते पर जा रहे हैं राहुल गांधी

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी भारत विरोधी शक्तियों के साथ मिल कर देश में अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने बड़ी गंभीरता से कहा, राहुल गांधी बहुत खतरनाक रास्ते पर जा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि राहुल गांधी कुछ बोलते हैं तो कांग्रेस पार्टी उनके सारे सांसद बहुत असहज हो जाते हैं। वो डरते हैं। उन्हें यह आभास होता है कि उनके नेता की अनाप-शनाप बातों का नुकसान पार्टी को ही भुगतना पड़ेगा। किरेन रिजिजू ने भारत विरोधी अमेरिकी धनपशु जॉर्ज सोरोस

का हवाला देते हुए कहा कि राहुल गांधी बहुत खतरनाक रास्ते पर जा रहे हैं। जॉर्ज सोरोस की घोषणा है कि भारत सरकार को अस्थिर करने के लिए एक ट्रिलियन डॉलर रखे गए हैं। कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन और कई वामपंथी संगठनों में घुसे भारत विरोधी तत्व और खालिस्तानी ताकतें देश के खिलाफ साजिश कर रही हैं और भारत को कमजोर करने की अपनी गतिविधियां चला रही हैं। राहुल गांधी उनके साथ मिलकर काम कर रहे हैं और देश को कमजोर कर रहे हैं। यह बहुत चिंताजनक है। केंद्रीय मंत्री ने साथ-साथ यह भी कहा, कोई भी देश को अस्थिर नहीं कर सकता। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश सुरक्षित है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, जब कांग्रेस चुनाव नहीं जीत पाती, तो वह और भारत विरोधी ताकतें मिलकर सरकार और संस्थाओं पर हमला करना शुरू कर देती हैं, ताकि जनता का इस देश की संस्थाओं से विश्वास उठ जाए। वे बार-बार कहते रहे हैं कि न्यायपालिका और चुनाव आयोग बिक चुके हैं। जब वे देश और सरकार की विश्वसनीयता कमजोर करने की साजिश रचते हैं, तो उसका नतीजा आंदोलन के रूप में निकलता है। वे वामपंथी मानसिकता के साथ काम कर रहे हैं। राहुल गांधी अत्यंत खतरनाक रास्ते पर चल रहे हैं। रिजिजू ने कहा, राहुल गांधी विपक्ष के नेता हैं। मैं उनकी आलोचना नहीं करना चाहता। लेकिन उन्हें उनके खतरनाक रास्ते पर चलने के बारे में आगाह तो करना होगा। ▶10 पर

गगनयान मिशन की तैयारी तेज

इसरो ने किया पहला सफल एयर-ड्रॉप टेस्ट

बेंगलुरु, 24 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (इसरो) ने गगनयान मिशन की तैयारी तेज कर दी है। इसरो ने रविवार को पैराशूट आधारित डीसेलेरेशन सिस्टम का प्रदर्शन किया। इसके तहत एयर ड्रॉप सिस्टम का सफल परीक्षण किया गया। इसमें सशस्त्र बलों ने भी इसरो की मदद की।

इसरो ने बताया कि गगनयान मिशन के लिए पैराशूट आधारित डीसेलेशन सिस्टम के संपूर्ण प्रदर्शन के लिए पहला एकीकृत एयर ड्रॉप टेस्ट सफलतापूर्वक पूरा किया। यह परीक्षण इसरो, भारतीय वायु सेना, डीआरडीओ,

भारतीय नौसेना और भारतीय तटरक्षक बल का संयुक्त प्रयास से सम्पन्न हुआ। उल्लेखनीय है कि गगनयान देश का पहला मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन है जिसके तहत चार ▶10 पर

आर्द्रभूमि (वेटलैंड) को लेकर सुप्रीम कोर्ट का सख्त निर्देश

देश की आर्द्रभूमि का दो महीने में निर्धारण करें

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों की लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए आर्द्रभूमि की सीमा तय करने का आदेश दो महीने में पूरा करने को कहा है। अदालत ने चेतावनी दी कि पालन न करने पर राज्य सचिवों को व्यक्तिगत रूप से पेश होना होगा। छोटे आर्द्रभूमि की सुरक्षा पर भी जोर दिया गया। कोर्ट ने कहा कि सभी आर्द्रभूमि की जानकारी राज्यों की वेबसाइट पर सार्वजनिक की जाए। सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों में आर्द्रभूमियों की सीमा तय करने और उसकी जमीनी हकीकत की प्रक्रिया पर गंभीर नाराजगी जताई है। ▶10 पर

ऑपरेशन सिंदूर में तबाह आतंकी संगठन फिर खड़े हो रहे

डिजिटल हवाला के जरिए जुटा रहे हैं धन

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान में तबाह हुए आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद समेत कुछ अन्य आतंकी संगठन फिर से उठने की कोशिश कर रहे हैं। इसके लिए पूरी दुनिया के कट्टरपंथी इस्लामिक देशों, संगठनों और हस्तियों से जैश ए मोहम्मद को तेजी से धन मिलना शुरू हुआ है। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों को इसके कई महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं। खुफिया एजेंसियों को पता लगा है कि जैश का सरगना मसूद अजहर 300 से अधिक मरकज बनाने के लिए 390 करोड़ रुपए जुटाने में लगा है। एफएटीएफ से बचने के लिए मसूद अजहर डिजिटल वॉलेट्स का इस्तेमाल कर रहा है। यानि, डिजिटल हवाला के जरिए जैश ए मोहम्मद के पास विदेशों से धन पहुंच रहा है।

उल्लेखनीय है कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान में कई आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया था। इनमें आतंकी मसूद अजहर के संगठन जैश-ए-मोहम्मद के ठिकाने भी शामिल थे। अब मसूद अजहर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के साथ मिलकर फिर से आतंकी ठिकाने को

आतंकी ठिकाने बनाने की फिराक में मसूद अजहर

खड़ा करने में लगा है। इसके लिए 3.9 बिलियन (390 करोड़) पाकिस्तानी रुपए इकट्ठा करने का योजना पर काम चल रहा है। इस बार इन आतंकियों और उनके आकाओं ने अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों की पकड़ में आने से बचने के लिए पैसे इकट्ठा करने का नया तरीका खोजा है। आतंकी इस बार किसी बैंक खाते में नहीं बल्कि डिजिटल वॉलेट में पैसा जुटा रहे हैं। डिजिटल वॉलेट्स परंपरागत बैंकिंग से अलग वॉलेट-टू-वॉलेट और वॉलेट-टू-कैश ट्रांसफर की सुविधा देते हैं। खुफिया एजेंसी ने गृह मंत्रालय को रिपोर्ट दी है कि जैश ए मोहम्मद धन जुटाने के लिए ईजीपैसा और साडापे जैसे पाकिस्तानी डिजिटल वॉलेट्स का इस्तेमाल कर रहा है।

पाकिस्तान आतंकियों की फंडिंग के लिए दुनिया भर में कुख्यात है। इसके चलते वह लंबे समय तक फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की ग्रे लिस्ट में था। इससे बचने के लिए पाकिस्तान ने जो योजना पेश की उसमें जैश-ए-मोहम्मद पर लगाम लगाना शामिल था। पाकिस्तान ने दावा किया कि वह आतंकियों को पैसे नहीं देता है और इसके लिए उसने मसूद अजहर, उसके भाई रऊफ असगर और उसके सबसे छोटे भाई तल्हा अल सैफ के बैंक खातों पर निगरानी रखने की बात कही थी। पाकिस्तान को इन चालों के जरिए 2022 में एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट से निकलने में तो सफलता मिली लेकिन उसकी चालें ▶10 पर

अनीश दयाल सिंह बने देश के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)।

सीआरपीएफ और आईटीबीपी के पूर्व महानिदेशक अनीश दयाल सिंह को देश का नया उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (डिप्टी एनएसए) नियुक्त किया गया है। उन्हें आंतरिक मामलों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मणिपुर कैडर के 1988 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी अनीश दयाल सिंह दिसंबर 2024 में सेवानिवृत्त हुए थे।

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) और हाल ही में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का नेतृत्व करने से पहले उन्होंने इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) में लगभग 30 वर्षों तक सेवा की है। ▶10 पर

कृषि मंत्री ने बीमार सुपारी उत्पादकों को शीघ्र राहत देने का किया है वादा: सांसद

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण कन्नड़ सांसद कैप्टन बृजेश चौटा ने कहा है कि केंद्रीय कृषि मंत्री ने कर्नाटक भर में सुपारी के बागानों को प्रभावित कर रहे पीली पत्ती रोग के बढ़ते खतरे के मद्देनजर तत्काल कार्रवाई का आश्वासन दिया है। यह आश्वासन नई दिल्ली में एक उच्च-स्तरीय बैठक के बाद आया, जहाँ सुपारी उत्पादक क्षेत्रों के सांसदों और संबंधित संगठनों के नेताओं ने सुपारी उत्पादकों के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। संसद सत्र के समापन के बाद मेंगलूरु में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, सांसद चौटा ने कहा हमने केंद्रीय कृषि मंत्री से मुलाकात की और उनसे व्यक्तिगत रूप से प्रभावित सुपारी के बागानों का दौरा करने और तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने का अनुरोध किया। हमने सरकार से एम्स और आईसीएआर में अनुसंधान में तेजी लाने का भी आग्रह किया ताकि यह निश्चित रूप से पता लगाया जा सके कि सुपारी कैंसरकारी है या नहीं। मंत्री

ने हमारी सभी अपीलों का सकारात्मक जवाब दिया। चौटा ने कहा कि बैठक के दौरान तीन प्रमुख अपीलें की गईं, जिसमें पीली पत्ती रोग से प्रभावित सुपारी किसानों के लिए शीघ्र मुआवजा, प्रभावित क्षेत्रों में वैकल्पिक फसलों के लिए कार्य योजनाएँ तैयार करना और कृषि मंत्री के नेतृत्व में प्रत्यक्ष केंद्रीय हस्तक्षेप करना शामिल है। चौटा ने कुद्रेमुख में खनन गतिविधियाँ बंद होने के बाद कुद्रेमुख आयरन और कंपनी लिमिटेड (केआईओसीएल) के सामने आने वाली परिचालन चुनौतियों पर भी चिंता जताई।

कच्चे माल (लौह अयस्क) की कमी के कारण, केआईओसीएल संयंत्र संघर्ष कर रहा है। मैंने केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से बातचीत की और राज्य सरकार से केआईओसीएल को लौह अयस्क की आपूर्ति करने का आग्रह किया। उन्होंने आगे बताया कि कंपनी ने कर्नाटक सरकार को आवश्यक अयस्क के लिए पहले ही भुगतान कर दिया है और अनुरोध किया है कि राज्य अब आपूर्ति की सुविधा प्रदान करे ताकि कारखाने का संचालन बिना किसी देरी के फिर से शुरू हो सके। संसद के नवीनतम सत्र की अपनी गतिविधियों को साझा करते हुए, सांसद चौटा ने कहा कि उन्होंने सदन में 34 प्रश्न उठाए, जिनमें तटीय कर्नाटक की मादक पदार्थों की तस्करी की समस्या, चरमपंथी समूहों की गतिविधियाँ और क्षेत्रीय बुनियादी ढाँचे के विकास जैसे प्रमुख मुद्दे शामिल थे। उन्होंने कहा मैंने बंदरगाह-आधारित विकास के लिए एक समुद्री विश्वविद्यालय और मेंगलूरु में एक डेटा सेंटर की स्थापना की मांग की है ताकि आईटी हब के रूप में इसकी क्षमता को बढ़ाया जा सके।

इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री ने इस प्रस्ताव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। चौटा ने अल्प विकसित देशों (एलडीसी) के माध्यम से सुपारी के आयात को रोकने के लिए सख्त कार्रवाई की आवश्यकता पर भी जोर दिया, जो एक ऐसी खामी है जो स्थानीय सुपारी उत्पादकों को प्रभावित करती है।

उन्होंने कहा मैंने केंद्र सरकार से ऐसे आयातों पर अंकुश लगाने के लिए प्रभावी कदम उठाने का अनुरोध किया है जो भारतीय किसानों के हितों को नुकसान पहुँचाते हैं।

धर्मस्थल में चल रहे घटनाक्रम के बारे में पूछे जाने पर, चौटा ने दृढ़ता से जवाब देते हुए कहा धर्मस्थल लाखों हिंदुओं की गहरी आस्था का स्थान है। किसी एक घटना के आधार पर इसकी प्रतिष्ठा को धूमिल करने का कोई भी प्रयास अस्वीकार्य है। भाजपा ने सबसे पहले एक विशेष जाँच दल (एसआईटी) के गठन का स्वागत किया था, और हम चाहते हैं कि सच्चाई चाहे वह कुछ भी होसामने आए।

एसआईटी सुजाता भट से घर पर करेगी पूछताछ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एसआईटी की विशेष टीम ने अनन्या भट के लापता होने के मामले में हर दिन भ्रामक बयान देकर जनता को गुमराह करने वाली सुजाता भट से जल्द ही उनके घर पर पूछताछ करने का फैसला किया है। विशेष टीम के सूत्रों के अनुसार, सुजाता भट के बनशंकरी स्थित आवास, जहाँ वह रहती हैं, को पर्याप्त पुलिस सुरक्षा प्रदान की गई है और उनसे कुछ दिनों में पूछताछ करने का निर्णय लिया गया है। जब एसआईटी उस नकाबपोश व्यक्ति द्वारा बताए गए 17 इलाकों की तलाशी ले रही थी, जिसने धर्मस्थल के आसपास सैकड़ों शवों के दफनाए जाने की बात कहकर हलचल मचा दी थी, उसी समय सुजाता भट ने अचानक यह कहकर हलचल मचा दी कि उनकी बेटी अनन्या भट की हत्या कर उसे धर्मस्थल में दफना दिया गया है। इतना ही नहीं, उन्होंने एसआईटी पुलिस से शिकायत की

थी कि अगर उन्हें मेरी बेटी का कंकाल मिलता है, तो उसका हिंदू रीति-रिवाज से अंतिम संस्कार किया जाना चाहिए, इसलिए कंकाल ढूंढो। जब तक धर्मस्थल मामला उनके बयान से नया मोड़ ले रहा था, तब तक यह पता चल चुका था कि सुजाता के कोई संतान नहीं है। एक मीडिया संस्थान को दिए साक्षात्कार में सुजाता भट ने कहा कि उनके दादा की मणिपाल में एक संपत्ति थी। हमारे परिवार ने वह संपत्ति धर्मस्थल के धार्मिक अधिकारियों को दे दी थी। उस समय, दस्तावेज पर मेरे हस्ताक्षर नहीं लिए गए थे। इसलिए मुझे ऐसा झूठ बोलना पड़ा। उनके इस बयान के अगले ही दिन, एक अन्य मीडिया संस्थान ने यह कहकर सनसनी फैला दी कि मेरा साक्षात्कार झूठ था और एक चैनल ने मुझसे जबरन ऐसा बयान हासिल किया था। सुजाता भट के भ्रामक बयान के कारण, कंगलाडा एसआईटी पुलिस ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से पूछताछ के लिए उपस्थित होने और घटना का पूरा विवरण देने के लिए नोटिस जारी किया था। हालाँकि, भट ने उस नोटिस का जवाब नहीं दिया। इसलिए, जब उन्हें एक और नोटिस दिया गया, तो उन्होंने जवाब दिया कि वह पूछताछ के लिए एसआईटी कार्यालय नहीं आ सकती क्योंकि उनकी उम्र बहुत ज्यादा है और उनकी जान को खतरा है। इसलिए, उनके बयान को गंभीरता से लेते हुए, बनशंकरी स्थित उनके आवास पर पुलिस सुरक्षा प्रदान की गई है। इसके अलावा, एसआईटी पुलिस ने एक-दो दिन में सुजाता भट के घर जाकर उनके बयानों की सत्यता की जाँच करने का फैसला किया है। एसआईटी की जाँच के बाद ही पता चलेगा कि अनन्या भट लापता हुई हैं या यह मनगढ़ंत कहानी है।

एसआईटी धर्मस्थल के खिलाफ मनगढ़ंत कहानियों के पीछे के मास्टरमाइंड को नोटिस जारी करेगी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एसआईटी उन मास्टरमाइंडों को नोटिस जारी करने की तैयारी कर रही है जिन्होंने धर्मस्थल के आसपास शवों के दफन होने की झूठी कहानी गढ़ी थी। नकाबपोश चिन्नैया से पूछताछ के दौरान, उसने एसआईटी अधिकारियों को बताया कि वह इस मामले में सिर्फ एक किरदार है। मास्टरमाइंड अलग-अलग थे। इसी संदर्भ में, पता चला है कि एसआईटी ने उन सभी को पूछताछ के लिए पेश होने के लिए नोटिस जारी करने का फैसला किया है। सच्चाई तब सामने आई जब पिछले एक हफ्ते से खुदाई रोके बैठी एसआईटी ने चिन्नैया से विभिन्न पहलुओं पर

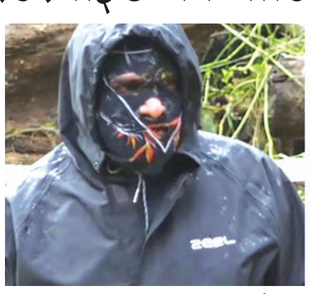

पूछताछ की। जब एसआईटी प्रमुख, डीजीपी प्रणव मोहंती ने खुद उनसे गहन पूछताछ की, तो और भी बातें सामने आईं। बाद में, शनिवार सुबह एसआईटी अधिकारियों ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया और बाद में अदालत में पेश किया। अदालत ने उन्हें दस दिनों की एसआईटी हिरासत में भेज दिया। अधिकारी उन्हें कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच बेल्टांगडी स्थित एसआईटी कार्यालय ले गए। मामले के संबंध में उनसे अभी भी पूछताछ की जा रही है और जानकारी जुटाई जा रही है। पता चला है कि चिन्नैया के भाई और उसके साथ काम करने वाले कुछ लोगों को भी एसआईटी अधिकारियों ने बुलाया है और उनसे पूछताछ की है।

सिद्धरामैया देश के तीसरे सबसे अमीर मुख्यमंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया देश के तीसरे सबसे अमीर मुख्यमंत्री बनकर उभरे हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने एक रिपोर्ट जारी की है जिसमें बताया गया है कि देश के सबसे अमीर मुख्यमंत्रियों की सूची में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया तीसरे स्थान पर हैं। देश के 30 मुख्यमंत्रियों की सूची जारी की गई है और इन 30 मुख्यमंत्रियों की कुल संपत्ति 1,632 करोड़ रुपये है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू 931 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ पहले स्थान पर हैं। वहीं, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू 332 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति के साथ दूसरे स्थान पर हैं। सिद्धरामैया 51 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ तीसरे स्थान पर हैं। चुनाव के दौरान उम्मीदवारों द्वारा दायर हलफनामों के आधार पर, एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) और नेशनल इलेक्शन वॉच ने भारत के सबसे अमीर मुख्यमंत्रियों पर एक रिपोर्ट जारी की है।

इसके अलावा, देश के 30 मुख्यमंत्रियों (राष्ट्रपति शासन के कारण मणिपुर को सूची से बाहर रखा गया है) के पास कुल 1,600 करोड़ रुपये की संपत्ति है। खास बात यह है कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के पास इन 30 मुख्यमंत्रियों की कुल संपत्ति का आधे से ज्यादा हिस्सा है। तीसरे स्थान पर मौजूद मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के पास कुल 51

करोड़ रुपये की संपत्ति है, जिसमें 21 करोड़ रुपये की चल संपत्ति और 30 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति है।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी 30 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ सातवें स्थान पर हैं, जबकि राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा (1.46 करोड़ रुपये), उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ (1.54 करोड़ रुपये), बिहार के नीतीश कुमार (1.64 करोड़ रुपये), पंजाब के भगवंत मान (1.97 करोड़ रुपये), ओडिशा के मोहन चरण माझी (1.97 करोड़ रुपये) और छत्तीसगढ़ के विष्णु देव साईं (3.80 करोड़ रुपये) सबसे कम संपत्ति वाले अन्य मुख्यमंत्री हैं। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के पास 1.18 करोड़ रुपये की संपत्ति है, केंद्र शासित प्रदेश के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के पास 55.24 लाख रुपये की संपत्ति है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी 15.38 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति के साथ देश की सबसे गरीब मुख्यमंत्री हैं। ममता बनर्जी देश की सबसे गरीब मुख्यमंत्री हैं उनकी कुल घोषित संपत्ति 15.38 लाख रुपये है। खास बात यह है कि उनके पास कोई अचल संपत्ति नहीं है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी सबसे कम संपत्ति वालों की सूची में हैं। उनके पास कुल 55.24 लाख रुपये की चल संपत्ति है। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के पास 1.18 करोड़ रुपये की संपत्ति है। 11 मुख्यमंत्रियों ने 1 करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज घोषित किया है। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू पर 180 करोड़ रुपये का कर्ज है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया पर 23 करोड़ रुपये का कर्ज है। अगर कर्ज की बात करें तो आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने 10 करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज घोषित किया है।

परमेश्वर ने गोल्डन बुक रिकॉर्ड धारक यशवंत एम जी को सम्मानित किया

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने हिंदुस्तानी गायक और रियलिटी शो स्टार विद्वान यशवंत एम जी को सम्मानित किया, जिन्होंने हाल ही में गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज कराया है। यह सम्मान समारोह उडुपी के डॉ. जी शंकर महिला महाविद्यालय में आयोजित किया गया था। यशवंत ने 4 जून को एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए, महान पार्श्व गायक डॉ. एसपी बालासुब्रमण्यम के 270 गीतों को 24 घंटे तक बिना रुके गाकर विश्व रिकॉर्ड बनाया। बालगाना यशोयना नामक यह कार्यक्रम 3 जून को दोपहर 3 बजे टाउन हॉल, मेंगलूरु में शुरू

हुआ और अगले दिन दोपहर 3 बजे, डॉ. एसपी बालासुब्रमण्यम की जयंती के अवसर पर, संपन्न हुआ। 2006 में ईटीवी के 'येदे तुम्बी हादुवेणु' जीतने के बाद यशवंत ने प्रसिद्धि हासिल की और जी कन्नड़ के 'सा रे गा मा पा' और उदय टीवी के 'संगीत महायुद्ध' जैसे लोकप्रिय कार्यक्रमों के माध्यम से दर्शकों का मनोरंजन किया, जहाँ वे 2010 में विजेता बने। हिंदुस्तानी संगीत में विद्वत होने के साथ, उन्होंने कीर्तिशेष माधव आचार्य और पंडित महाबलेश्वर जैसे प्रतिष्ठित गुरुओं से प्रशिक्षण लिया। उनके पुरस्कारों में कर्नाटक सरकार की युवा गायक प्रशस्ति (2005) और कई राष्ट्रीय सम्मान शामिल हैं। उन्हें सम्मानित करते हुए, डॉ. परमेश्वर ने भारतीय संगीत और संस्कृति में यशवंत के योगदान की सराहना की। पूर्व विधायक के. रघुपति भट, कर्नाटक एथलेटिक एसोसिएशन के उपाध्यक्ष महेश ठाकुर और कांग्रेस नेता मुनियाल उदय शेट्टी भी उपस्थित थे।

अदालत ने महेश शेट्टी को जमानत दी, जज ने कड़ी चेतावनी दी

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। उडुपी स्थित प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट (जेएमएफसी) की अदालत ने शनिवार शाम को महेश शेट्टी को जमानत दे दी, जिन्हें भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव बी एल संतोष के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक और भड़काऊ टिप्पणी करने के आरोप में न्यायिक हिरासत में लिया गया था। उडुपी ग्रामीण भाजपा इकाई के अध्यक्ष राजीव कुलाल द्वारा ब्रह्मवर पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई शिकायत के बाद शेट्टी को उनके आवास से गिरफ्तार किया गया। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि उन्होंने वरिष्ठ भाजपा नेता के खिलाफ भड़काऊ बयान दिए थे। जमानत देते हुए,

पीठासीन न्यायाधीश नागेश एन ए ने उनको कड़ी चेतावनी दी और उन्हें ऐसी टिप्पणियों को दोहराने से मना किया और इस बात पर जोर दिया कि ऐसी घटनाएं दोबारा नहीं होनी चाहिए।

जमानत मिलने के बाद मीडिया से बात करते हुए महेश ने कहा हमारा संघर्ष जारी रहेगा और मैं सहयोग करने वाले वकीलों की सराहना करता हूँ। हमें कल ही जमानत मिल जानी चाहिए थी। धर्मस्थल मामले में उन्होंने कहा मुझे नहीं पता था कि उस गुमनाम व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। एक उचित जाँच होनी चाहिए। मैं सुजाता भट पर कोई टिप्पणी नहीं करूँगा। अन्नप्पा मंजूनाथ के अलावा कोई भी हमें गुमराह नहीं कर सकता।

आज सब कुछ ठीक हो गया है। सुजाता भट हमारे संघर्ष का हिस्सा नहीं हैं। हम उन लोगों पर भरोसा नहीं करते जो अन्याय का दावा करते हैं। हम एक विनम्र और न्यायसंगत संघर्ष पर भरोसा करते हैं।

मीडिया जो दिखाना चाहता है, उस पर हमें प्रतिक्रिया क्यों देनी चाहिए? अदालत का यह निर्देश ब्रह्मवर पुलिस स्टेशन में औपचारिक रूप से मामला दर्ज होने के बाद आया, जिसके कारण इस हफ्ते की शुरुआत में उनकी गिरफ्तारी हुई।

कर्नाटक में 30 अगस्त तक भारी बारिश का अनुमान, आईएमडी ने अलर्ट जारी किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 30 अगस्त तक पूरे कर्नाटक में तटीय, मलनाड और आंतरिक जिलों में व्यापक भारी वर्षा की चेतावनी जारी की है। लगातार हो रही बारिश के कारण बेलगावी और चिक्कोडी के कुछ हिस्सों में बाढ़ की आशंका पहले ही जताई जा चुकी है। आईएमडी के अनुसार, हालाँकि कई क्षेत्रों में पहले से ही लगातार

बारिश हो रही है, लेकिन राज्य में अगले छह दिनों तक व्यापक वर्षा होने की संभावना है। 25 अगस्त तक तटीय और मलनाड जिलों में छिटपुट से लेकर व्यापक मध्यम वर्षा होने की संभावना है, जबकि आंतरिक जिलों में हल्की, छिटपुट वर्षा हो सकती है। 26 अगस्त से तटीय और आसपास के मलनाड क्षेत्रों में भारी वर्षा तेज होने की संभावना है। 26 अगस्त को विशेष रूप से दक्षिण कन्नड़, उडुपी और उत्तर कन्नड़ में भारी बारिश की संभावना है। इसी तरह, बीदर, कलबुर्गी और यादगीर में 40-50 किमी प्रति घंटे की गति से हवा के साथ गरज के साथ छींटे पड़ सकते हैं। आईएमडी की रिपोर्ट में धारवाड़, गदग, दावणगेरे, हावेरी और उत्तर कन्नड़ में भारी बारिश का जिक्र है, जिससे घरों और कृषि भूमि को नुकसान पहुँचा है। इस बीच, महाराष्ट्र में लगातार बारिश ने बेलगावी, खासकर चिक्कोडी में स्थिति और खराब कर दी है, जहाँ जलाशयों के उफान पर होने से पुल डूब गए हैं और सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। नदी किनारे रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है, जबकि बाढ़ के खतरे के चलते कई परिवार अपने पशुओं के साथ सुरक्षित स्थानों पर जाने लगे हैं।

सड़क हादसे में महिला की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। देवनहल्ली यातायात पुलिस स्टेशन क्षेत्र में एक हृदयविदारक घटना घटी है, जहाँ एक तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से बाइक की पिछली सीट पर बैठी एक महिला की पुल से गिरने से मौत हो गई। कार चालक की लापरवाही से गाड़ी चलाने के कारण जान गंवाने वाली निर्दोष महिला की पहचान बानसवाड़ी निवासी नेत्रवती (31) के रूप में हुई है। नेत्रवती अपने पति शिवू के साथ बानसवाड़ी से

चिक्कबल्लापुर की ओर जा रही थीं। दोपहर लगभग 12:30 बजे जब वह बछल्ली पुल पर यात्रा कर रही थीं, तभी एक तेज रफ्तार कार ने एकतरफा सड़क पर उनकी बाइक को टक्कर मार दी। पुलिस ने बताया कि कार की टक्कर से नेत्रवती पुल से गिर गईं और उनकी मौत हो गई। इस घटना में उनके पति शिवू को मामूली चोटें आईं और उनका स्थानीय अस्पताल में इलाज चल रहा है। बाइक को टक्कर मारने वाली कार का चालक बिना रुके भाग गया और पुलिस उसे गिरफ्तार करने के लिए उसकी तलाश कर रही है।

राहुल गांधी की यात्रा देश तोड़ने की साजिश: सांसद रवि किशन

जनता देगी करारा जवाब

गोरखपुर, 24 अगस्त (एजेंसियां)। भाजपा सांसद रवि किशन रविवार को गोरखपुर के गुरुद्वारा पहुंचे। इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने राहुल गांधी की यात्रा पर तीखा प्रहार किया। भाजपा सासंद रवि किशन ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की यह यात्रा देश को तोड़ने की यात्रा है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी दावा किया कि इसमें विदेशी साजिशें शामिल हैं।

सांसद रवि किशन ने आरोप लगाया कि यह पूरी तरह जातीय तुष्टीकरण की राजनीति है, जिसे देश की जनता भलीभांति समझ चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी की यह यात्रा विदेशी साजिश का हिस्सा है। हमारे दुश्मन देश इससे प्रसन्न हो रहे हैं। विपक्ष ने संसद चलने नहीं दी, झूठ की

राजनीति की, जो देश के लिए बेहद खतरनाक और घातक है।

पहले रस्सी से बांधा फफफफिर घसीटा, बेटे ने सीने पर बैठकर पीटा, पत्नी भी दे रही थी साथ, रिटायर्ड ऊडझ के साथ पैसों के लिए मारपीट

रवि किशन ने आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी को लगातार जनता का समर्थन मिल रहा है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर कोई दाग नहीं है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि विपक्ष झूठे आरोप लगाकर मोदी जी की छवि खराब करना चाहता है, लेकिन देश की जनता सच जानती है। उन्होंने कहा कि अगर वोट चोरी जैसी कोई बात होती, तो भाजपा कैसे साढ़े तीन सौ से अधिक सीटें जीतकर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाती?

यह सब निराधार आरोप हैं। मोदी जी एक निस्वार्थ संत की तरह देश की सेवा कर रहे हैं, उन पर झूठे आरोप लगाना केवल विरोधियों की हताशा है।

भाजपा सांसद ने विश्वास जताया कि आने वाले चुनावों में जनता राहुल गांधी और विपक्ष को करारा जवाब देगी। उन्होंने कहा कि देश केयुवा और माताएं-बहनें मोदी जी की नीतियों और सेवाभाव को समझती हैं, इसलिए विपक्ष को हर बार हार का सामना करना पड़ता है। अगले चुनाव में विरोधी दलों को जनता इतनी बुरी तरह हराएगी कि वे याद रखेंगे। देश अब झूठ की राजनीति नहीं, विकास और स्थिरता चाहता है।

झांसी-मिर्जापुर राष्ट्रीय राजमार्ग में स्कॉर्पियो पर गिरा पेड़, बांदा के दंपति की दर्दनाक मौत

चित्रकूट, 24 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के चित्रकूट जनपद में दर्दनाक हादसे में दंपति की मौत हो गई। झांसी-मिर्जापुर राष्ट्रीय राजमार्ग में कालूपुर पाही गांव के सुखनंदनपुर के पास प्रयागराज की ओर से चित्रकूट आ रहीं स्कॉर्पियो के ऊपर एक महुआ का पेड़ टूटकर गिर गया। स्कॉर्पियो में सवार बुजुर्ग दंपति की इस हादसे में दर्दनाक मौत हो गई है। स्कॉर्पियो में सवार दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए है। उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसमें से एक की हालत ज्यादा गंभीर होने पर उसे इलाज के लिए प्रयागराज मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया।

बांदा जिले के रहने वाले अभिनव द्विवेदी और अंश द्विवेदी अपनी स्कॉर्पियो गाड़ी से ड्राइवर बबलू के साथ मुंबई से मानिकपुर स्टेशन आ रहे दादा दुर्गा प्रसाद द्विवेदी और दादी मधु द्विवेदी को स्टेशन से लेने पहुंचे थे। जहां से उनको लेने के बाद वापस बांदा जा रहे थे। चित्रकूट के कालूपुर पाही गांव के पास महुआ का पेड़ अचानक स्कॉर्पियो गाड़ी के ऊपर गिर गया। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची केतवाली पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से जेसीबी से रेस्क्यू कर सभी को बाहर निकाला। इसमें दबकर दादा दुर्गा प्रसाद द्विवेदी और दादी मधु की मौत हो गई और अन्य दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए है। गाड़ी का ड्राइवर सुरक्षित बच गया। दोनों घायलों को आनन-फानन में इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे की सूचना पर जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन और पुलिस अधीक्षक अरूण कुमार सिंह ने घटना स्थल पर जायजा लिया। इसके बाद जिला अस्पताल पहुंचकर घायलों का समुचित इलाज कराने के सीएमएस को निर्देशित किया।

यूपी में धर्मांतरण की साजिश

गांव के लोगों को हिंदू से बनाया जा रहा था ईसाई, बिक्की पास्टर गेम का मास्टरमाइंड

इस्लामनगर , 24 अगस्त (एजेंसियां)। एक घर में ही चर्च बनाकर लोगों का ईसाई धर्म में परिवर्तन कराया जा रहा था। रविवार को शिकायत पर पुलिस ने छापा मारा तो इसका खुलासा हुआ। जांच में पाया गया कि पैसों का लालच देकर लोगों को बरगलाया जा रहा था। ग्रामीणों की सूचना पर डायल 112 पुलिस ने मौके पर चार लोगों हिरासत में लेकर थाने पहुंचाया है। पुलिस पूछताछ कर रही है। जांच के बाद कार्रवाई करने की बात पुलिस कह रही है।

यूपी के बदायूं स्थित इस्लामनगर थाना क्षेत्र के गांव कुंदावली निवासी अंजू के घर पर कासगंज व बिसौली के कुछ लोग ईसाई धर्म को मानने वाले रविवार को आ गए। उन्होंने गांव के करीब 30 लोगों को एकत्र किया और ईसाई धर्म अपनाने के लिए लोगों को राजी कर लिया। भनक लगते ही ग्रामीणों ने डायल 112 पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस ने मौके से चार लोगों को हिरासत में लिया है। चारों से थाने पर पूछताछ की जा रही है।

अंजू ने बताया कि उसके घर पर प्रार्थना सभा चल रही थी। इसमें बड़ों के साथ बड़ी संख्या में बच्चे शामिल थे। गांव के किसी व्यक्ति ने पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस को देखकर प्रार्थना सभा में मौजूद लोग भाग निकले। इंस्पेक्टर नरेश पाल सिंह ने बताया कि सूचना पर पुलिस चार लोगों को थाने लेकर आई है। पूछताछ की जा रही है। पकड़े गए लोगों ने अपना नाम ह्देश व उसकी पत्नी नीतू बताया। दोनों ही कासगंज के रहने वाले हैं। इसी के साथ ही बॉबी ने बताया कि वह बिसौली का रहने वाला है। इसी के साथ ही कुंदावली निवासी अंजू शामिल है।

कुछ महीने पहले कादरचौक क्षेत्र के एक गांव में भी इसी तरह से प्रार्थना सभा करते लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। बाद में उनको बिना कार्रवाई के ही छोड़ दिया था। अब देखना यह है कि पुलिस इन लोगों पर कार्रवाई करती है या फिर समझाकर उनको छोड़ दिया जाएगा।

गांव निवासी अंजू के मुताबिक मुख्य आरोपी ह्देश कासगंज में रहता था। कुछ साल पहले उसने अपनी पत्नी नीतू के साथ ईसाई धर्म अपना लिया है। उसकी अंजू से रिश्तेदारी है। उसने अंजू को रुपये का लालच देकर गांव परिवार के लोगों को ईसाई धर्म अपनाने की बात कही जिसके बाद यह लोग कई महीनों से गांव में आकर चुपचाप प्रार्थना कराते हैं और ईसाई धर्म के बारे में लोगों को बताकर उनको धर्म परिर्वतन करने को उकसाते हैं। ह्देश ने अपना नाम बिक्की पास्टर रख लिया है। इसी तरह से बिसौली का रहने वाले बॉबी ने अपने नाम के आगे पास्टर लगा लिया है।

ह्देश पास्टर ने प्रार्थना सभा से पहले पहले करीब 20 लोगों का धर्म परिवर्तन कराया। गांव के भोले भाले लोगों को अपने जाल में फंसाकर धर्म परिवर्तन कराने का काम किया जा रहा है। गांव के लोगों ने सोशल मीडिया एक्स के माध्यम से भी इसकी शिकायत मुख्यमंत्री तक की है। पानी भरी कुंडी में खड़ा करके शपथ दिलाई जा रही है। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

गांव से सूचना मिली कि कुछ लोग ईसाई धर्म को मानने वाले एक घर में प्रार्थना सभा का आयोजन कर रहे हैं। धर्म परिवर्तन की संभावना है। इसी शिकायत पर पुलिस गांव पहुंची तो प्रार्थना होती पाई गई है। अधिकांश लोग पुलिस को देखकर भाग गए, लेकिन चार लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया। उनसे जानकारी की जा रही है। शिकायत कर्ता ने अभी तहरीर नहीं दी है। तहरीर मिलने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

मुरादाबाद शहर की सुंदर संवारने के लिए जाने जाएंगे कमिश्नर आन्जनेय, मूल कैडर सिक्किम के लिए किए गए रिलीव

मुरादाबाद, 24 अगस्त (एजेंसियां)। आईएएस आंजनेय कुमार सिंह के नेतृत्व में मुरादाबाद में स्मार्ट सिटी परियोजनाओं ने शहर को नई पहचान दी। साथ ही बुनियादी ढांचे के विकास के तहत उनके कार्यकाल में सड़कों, पुलों और शहरी सुविधाओं का विस्तार किया गया। न सिर्फ पुल, स्कूल और पार्कों में निर्माण कार्य किए गए, बल्कि दिल्ली रोड, कांठ रोड और रामपुर रोड को भी खूबसूरत बनाया गया।

बहुप्रतीक्षित मुरादाबाद एयरपोर्ट का शुभारंभ जिले की ऐतिहासिक उपलब्धि साबित हुआ। कमिश्नर आंजनेय कुमार सिंह की नियुक्ति के बाद पंडित नगला बाईपास, रिंगरोड पर दो पुल, रामगंगा नदी पर एक पुल बन रहा है। इसके अलावा सोनकपुर पुल बनने से कांठ रोड से सीधे दिल्ली रोड को जोड़ दिया गया है।

इससे कांठ रोड से आने वाले यात्रियों को मधुबनी, पीलीकोठी और महाराणा प्रताप चौराहा पर जाम से जूझना नहीं पड़ता है। इसके अलावा कमिश्नर रहते हुए आन्जनेय सिंह ने स्मार्ट सिटी की परियोजनाओं के तहत शहर में कई कार्य पूरे हुए, जो शहर में प्रवेश करते हुए विकास की सुखद अनुभूति कराते हैं।

दिल्ली रोड से शहर में प्रवेश करने के लिए भव्य प्रवेश द्वार बनवाया, जिससे पीतलनगरी को अलग पहचान मिली। दिल्ली रोड विज्ञान पथ, संगीत पथ, खेल पथ, काकोरी वाल, कारगिल वाल और कांठ रोड पर योग पथ आदि के साथ ही देश की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहरों को पहचान दिलवाई।

सड़क के दोनों ओर पत्थर की जालियों की फेंसिंग की गई। आकर्षक पत्थर से डिवाइडर बनाए गए और सड़क किनारे लगी लाइटें बेहद आकर्षक हैं। पार्कों में करवाए गए निर्माण कार्य जैसे आंबेडकर पार्क,

चिल्ड्रेन पार्क में बनी भूलभुलैया, संविधान पार्क, हनुमान वाटिका से शहर को प्रदेशभर में पहचान दिलवाई।

शहर के प्रमुख बुधबाजार और जीएमडी रोड में उनके द्वारा कराए गए कार्यों की वजह से बाजारों को एकरूपता मिली। ऑपरेशन कायाकल्प के तहत 48 परिषदीय स्कूलों में निर्माण कार्य के अलावा आधुनिक सुविधाएं दिलवाई।

आईएएस अफसर आन्जनेय कुमार सिंह की प्रतिनियुक्ति की अवधि पूरी होने के बाद भले ही उनकी मूल कैडर सिक्किम में वापसी हो गई है। आन्जनेय सिंह का कार्यकाल कई मायनों में महत्वपूर्ण रहा है। उनके रामपुर में जिलाधिकारी रहते हुए सपा नेता आजम खां पर की गई कार्रवाई के साथ ही मुरादाबाद मंडल में महिलाओं और बच्चों के हित में किए गए कार्यों की अफसरों व लोगों में काफी चर्चा हो रही है।

आन्जनेय सिंह के पिछले दस वर्ष के कार्यकाल का सबसे चर्चित वर्ष 2019 है। उस वक्त वह रामपुर के डीएम थे और लोकसभा चुनाव की वजह से आचार संहिता लगी हुई थी। एक जनसभा में सपा नेता आजम खां ने उनके ऊपर आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी थी।

यह टिप्पणी आजम खां को बहुत महंगी पड़ी। डीएम आन्जनेय सिंह ने एक के बाद एक कई कार्रवाई आजम के खिलाफ कीं। आजम को जेल भी जाना पड़ा। उनके बेटे अब्दुल्ला आजम और पत्नी तजीन फात्मा के खिलाफ भी फर्जी आयु प्रमाणपत्र मामले में कार्रवाई हुई।

इसमें अब्दुल्ला आजम की विधायकी जाने के साथ वह और तजीन फात्मा भी जेल गई। इस वक्त अब्दुल्ला और तजीन फात्मा जेल से बाहर हैं, जबकि आजम खां अभी भी सीतापुर की जेल में बंद हैं। इसके अलावा रामपुर विकास प्राधिकरण को क्रियाशील करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

कमिश्नर रहते हुए आन्जनेय सिंह ने स्मार्ट सिटी की परियोजनाओं को मुरादाबाद में प्रभावी तरीके से लागू करवाया। ऑपरेशन कायाकल्प के तहत 48 परिषदीय स्कूलों में निर्माण कार्य के अलावा आधुनिक सुविधाएं दिलवाई। इसी के तहत दिल्ली रोड पर प्रवेश द्वार बनवाया, जिससे पीतलनगरी को पहचान मिली।

इसके अलावा दिल्ली रोड और कांठ रोड पर सौंदर्यीकरण के कार्यों से हरियाली को बढ़ावा देकर देश की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहरों को पहचान दिलवाई। पार्कों में करवाए गए निर्माण कार्य जैसे संविधान पार्क, हनुमान वाटिका से शहर को प्रदेशभर में पहचान दिलवाई। शहर के प्रमुख बुधबाजार और जीएमडी रोड में उनके द्वारा कराए गए कार्यों की वजह से बाजारों को एकरूपता मिली।

उनके नेतृत्व में दिव्यांग बच्चों के लिए बनवाया गया सुगम्य पुस्तकालय बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। दिव्यांगजनों को ज्ञान और संसाधनों तक समान पहुंच देने की उनकी इस पहल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसेवा दिवस पर सम्मानित किया। उन्होंने मंडल में साढ़े तीन हजार से अधिक पुस्तकालयों की स्थापना की है। यहां पर बच्चों की कॉमिक्स से लेकर साहित्य और प्रतियोगी परीक्षा तक की किताबें हैं। यहां पर इंटरनेट की सुविधा दिलाई गई। इनमें ज्यादातर पुस्तकालय ग्रामीण सचिवालय में हैं।

चाइल्ड केयर फंड का गठन किया। यह प्रयोग पूरे प्रदेश में पहला है जिसमें सीएसआर की धनराशि, व्यक्तिगत सहयोग के माध्यम से धनराशि एकत्र की गई। करीब 80 लाख की धनराशि से लीवर ट्रांसप्लांट, किडनी ट्रांसप्लांट सहित हृदय रोग व गंभीर बीमारियों के उपचार में मदद दी गई।

कुपोषण मिटाने के उद्देश्य से लोगों को एफपीओ (फार्मर प्रोड्यूर्स ऑर्गनाइजेशन) से जोड़ा। इस प्रोजेक्ट के तहत रागी, बाजरा, ज्वार के बने हुए उत्पाद कुपोषित बच्चों को नि:शुल्क दिलवाए गए। इसके लिए 15वें वित्त के अनटाइड फंड से उसका भुगतान करवाया।

समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता मनोज यादव ने सोशल साइट एक्स पर ट्वीट करते हुए लिखा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने जिस अधिकारी के द्वारा आजम खां पर इतना अत्याचार करवाया उसकी वापसी उसके कैडर में की जा रही है। कारण सिर्फ इतना है कि इनको मालूम है कि 2027 में पीडीए की सरकार बनने जा रही है।

हाईकोर्ट का अहम फैसला : विवाहित पुत्री भी अनुकंपा नियुक्ति की हकदार

बीएसए को निर्णय लेने का निर्देश

प्रयागराज, 24 अगस्त (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि विवाहित होने के आधार पर बेटी को अनुकंपा नियुक्ति देने से इन्कार नहीं किया जा सकता। यह टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए), देवरिया को निर्देश दिया कि वह अपीलकर्ता की अनुकंपा नियुक्ति के दावे पर आठ सप्ताह के भीतर निर्णय लें। यह आदेश न्यायमूर्ति मनोज

कुमार गुप्ता एवं न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्र की खंडपीठ ने चंदा देवी की विशेष अपील पर दिया। देवरिया, ब्लॉक बनकटा, तहसील भाटपाररानी स्थित प्राथमिक विद्यालय गजहड़वा में याची चंदा देवी के पिता सहायक अध्यापक के पद पर कार्यरत थे। सेवा के दौरान 2014 में उनकी मौत हो गई। चंदा देवी ने पिता की मृत्यु के बाद अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति के लिए आवेदन किया। दिसंबर 2016 में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने उनके आ-वेदन को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि वह विवाहित बेटी हैं इसलिए वह शासनादेश चार सितंबर 2000 के अनुसार अनुकंपा नियुक्ति के लिए पात्र नहीं हैं। चंदा देवी ने इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी। एकलपीठ ने मई 2025 में उनकी याचिका खारिज कर दी। एकल पीठ ने माना कि विवाहित बेटी भी पात्र हैं लेकिन चंदा देवी ने यह साबित नहीं कर पाई कि उनके पति बेरोजगार हैं और वह अपने पिता पर आश्रित थीं। इसके साथ ही कोर्ट ने यह भी कहा कि उनके पिता का निधन 2014 में हुए था। अब लगभग 11 साल बीत चुके हैं। ऐसे में यह दावा विचार योग्य नहीं है।

चंदा ने एकल पीठ के आदेश को विशेष अपील में चुनौती दी। खंडपीठ ने पक्षों को सुनने के बाद कहा कि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने चंदा देवी के आ-वेदन को सिर्फ इस आधार पर खारिज किया था कि वह विवाहित बेटी हैं। उन्होंने पिता पर निर्भरता का आधार नहीं लिया था। ऐसे में एकलपीठ का यह कहना कि उन्होंने निर्भरता साबित नहीं की उचित नहीं है।

खंडपीठ ने स्मृति विमला श्रीवास्तव बनाम उप्र राज्य मामले का हवाला देते हुए कहा कि विवाहित बेटी होना अनुकंपा नियुक्ति में बाधा नहीं है। खंडपीठ ने यह भी कहा कि याची ने दावा खारिज होने के तुरंत बाद ही कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था इसलिए देरी के आधार पर याची को लाभ से वंचित नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने चंदा देवी की विशेष अपील स्वीकार कर ली।

मथुरा के स्पा सेंटर पर पुलिस ने मारा छापा

छह लोग गिरफ्तार, 15 लड़कियों को बचाया

मथुरा, 24 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में मथुरा जिले के कोतवाली क्षेत्र में पुलिस ने दो स्पा सेंटर पर छापेमारी करके छह लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि इस मामले में लापरवाही बरतने के आरोप में क्षेत्रीय पुलिस चौकी प्रभारी को लाइन हाजिर कर दिया गया है।

उन्होंने यहां बताया कि शहर कोतवाली क्षेत्र के कृष्णा नगर में दो स्पा सेंटर पर शुक्रवार

रात की गई छापेमारी में पुलिस ने दो बिचौलियों और चार ग्राहकों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने दोनों स्पा सेंटरों से कुल 15 लड़कियां को बचाया और देह व्यापार में प्रयुक्त की जाने वाली आपत्तिजनक सामग्री, 15 हजार रुपये नकद, 29 मोबाइल फोन बरामद किये। उन्होंने बताया कि इस मामले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने कृष्णा नगर पुलिस चौकी प्रभारी कुशल पाल सिंह को कर्तव्य के प्रति लापरवाही बरतने के आरोप में लाइन हाजिर कर दिया है। सहायक पुलिस अधीक्षक आशना चौधरी ने बताया कि बिचौलियों के साथ पकड़े गए चार युवकों को शनिवार को मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

साइबर रिश्तों से बढ़ी बेरुखी...

साइबर रिश्तों के इस युग में रोजमर्रा की जिंदगी में आमने-सामने के लोगों से रिश्ते जोड़ने की अहमियत कम हो गई है। हमेशा लोगों को शिकायत रहती है कि युवा पीढ़ी के लोग बहुत मनमानी करते हैं और किसी की सुनते नहीं। एक ताजा शोध के अनुसार इस बात की पुष्टि हो गई है। अब युवा पीढ़ी के लोग अधिक रूखे स्वभाव के हो गए हैं। वे किसी से घुलते-मिलते नहीं। मौजूदा समय में 18 से 34 वर्ष तक के लोग अपने पड़ोसियों से दुआ-सलाम कम ही करते हैं। साथ ही बुजुर्गों का भी स्वागत नहीं करते।

डेली मेल की एक रिपोर्ट के अनुसार इस आयु वर्ग के लोग ना तो अब बिल्डिंग के लोगों को चाय की पेशकश करने में रुचि लेते हैं और न ही किसी त्योहार पर आए डाकियो को इनाम देना चाहते हैं। 23 फीसद लोग साझा बरामदे या गलियारे में कम रुचि लेते हैं जबकि 55 साल से अधिक की उम्र के लोगों के साथ ऐसा नहीं है। इस आयु समूह के 35 फीसद लोग अपने पड़ोसियों की अनदेखी करते हैं। जबकि 55 साल से अधिक आयु वर्ग में केवल 15 फीसद लोग ऐसा करते हैं। युवा वर्ग के 18 फीसद लोग किसी महिला या वृद्ध जन के लिए दरवाजा खोलना पसंद नहीं करते हैं। वहीं 17 फीसद युवा सर्वाजनिक परिवहन में किसी गर्भवती महिला के लिए अपनी सीट नहीं छोड़ना चाहते। जबकि 12 फीसद लोग किसी वृद्ध को अपनी सीट नहीं देना चाहते। 55 साल से अधिक आयु के 83 फीसद लोगों ने कहा कि वह अपने बिल्डर को कॉफी या चाय की पेशकश जरूर करते हैं। लेकिन 50 फीसद युवा पीढ़ी ऐसा नहीं करती। यह सर्वेक्षण यूगाव सर्वे ने एक हजार वयस्कों पर किया है।

नीली जींस का ट्रेंड 6,200 साल पुराना

नीले रंग की जींस के लिए हम पेरूवासियों को धन्यवाद दे सकते हैं। शोधकर्ताओं ने पेरू के उत्तरी तट पर हुआका प्रीटा में खुदाई के दौरान 6,200 साल पुराना कपड़ा पाया गया, जिस पर नीले रंग को डाई के रूप में इस्तेमाल किया गया था। इसे सबसे पहली जींस माना गया है। जॉर्ज वाशिंगटन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने कहा कि निष्कर्ष से पता चलता है कि जटिल वस्त्र तकनीक का विकास प्राचीन रेडियन लोगों ने किया था। हुआका प्रीटा कपड़ों में इस्तेमाल होने वाला कपास गॉसपियम बारबाडेंसी, आज उगाई वाले मिस्र के कपास की जाति का ही है। हमारे पास अच्छी नीली जींस नहीं होती यदि दक्षिण अमेरिकी नहीं होते।

लड़कियों को वर की तलाश...

यौवन में दस्तक देती हर लड़की का सपना होता है कि उसकी शादी धूम धाम से हो, लेकिन एक जगह ऐसी भी है जहां लड़कियों के लिए शादी करना बेहद मुश्किल काम है। ब्राजील के नोइवा दो कोरडेएरो कस्बे में 20 से 35 साल की महिलाएं आज भी अपने लिए वर की तालाश में जुटी हुई हैं। इस कस्बे में हजारों लड़कियां शादी करने के लिए तरस रही हैं। इस कस्बे में बेहद खूबसूरत लड़कियां रहती हैं, लेकिन यहां की लड़कियों के लिए सबसे बड़ी मुसीबत यहां कुवांरे लड़कों की कमी है। कस्बे में रहने वाली लड़कियां प्यार और शादी का सपना संजोती हैं लेकिन सिर्फ शादी के लिए कस्बा नहीं छोड़ना चाहती। वे चाहती हैं कि दूसरे गांवों के लोग उनके साथ रहें उन्हीं के कस्बे में आकर रहें। साथ ही पहाड़ियों के बीच बसे इस कस्बे में बहुत ही कम शादीशुदा मर्द हैं और जो कुवांरे लड़के हैं वे अभी बहुत छोटी उम्र के हैं।

स्टूडेंट लाइफ में सेविंग...

अपने सपनों को उड़ान देने के लिए जब युवा दूसरे शहरों के अच्छे कॉलेजों में एडमिशन लेते हैं, तो जाहिर सी बात है कि फन और मस्ती में ही उनकी सारी पॉकेटमनी खत्म हो जाती होगी, क्योंकि न तो वह सेविंग्स के बारे में जानते हैं और न ही बजट कंट्रोल में रखना जानते हैं। बचत करने का पहला नियम है कि आप बजट बनाएं, बजट बनाते समय वर्क शीट पर दो सेक्शन बनाएं, जिसमें जरूरी और गैर जरूरी खर्च के बारें में लिखें। सबसे पहले वे काम करें जो जरूरी हैं, सिर्फ दूसरों को दिखाने के चक्कर में की जाने वाली फिजूल खर्ची से बचें। अक्सर आपका वीकेंड घर में बेड पर आराम फरमाते, टीवी देखते और पिज्जा खाने में निकल जाता है। ऐसे में अच्छा होगा वीकेंड पर आप कोई पार्ट टाईम जॉब शुरू करें। इससे आप अपनी पॉकेट मनी भी जुटा पाएंगे। कॉलेज में पढ़ाई के दौरान नए सेमेस्टर के शुरू होने पर आप चाहें तो रेंटल बुक्स ले कर अपनी पढ़ाई कर सकते हैं। यदि आप रोजाना जाने वाले स्टूडेंट्स में शामिल हैं तो लाइब्रेरी से बेहतर कोई और ऑप्शन नहीं हो सकता। कॉलेज जाना हो या फिर दोस्तों के साथ मस्ती करनी हो, हमेशा कोशिश करें कि आने-जाने के लिए पब्लिक व्हीकल का इस्तेमाल किया जाए, इससे आपका काफी पैसा बचेगा।

भीड़ में चलने का चलो अंदाज बदलते हैं, दुनिया कल बदलेगी हम आज बदलते हैं, चलो अपने हाथों की पतवार बदलते हैं, हर कदम के साथ अपनी रफ्तार बदलते हैं। आपके कपडे पहनने का स्टाइल, बात करने का अंदाज आपकी पर्सनैलिटी के बारे में बहुत कुछ बताता है। चाहे अनचाहे तौर पर आपके चलने का तरीका भी दूसरों पर गहरा असर छोड़ता है। क्या आप जानते हैं कि युवाओं के चलने की स्टाइल से उनके स्वभाव के बारे में भी पता चलता है। भला कैसे...? तो आइए जानते हैं।

चलने का अंदाज...

व्यक्ति का मूड उसकी चाल को काफी प्रभावित करता है। चलने के अंदाज से किसी व्यक्ति के मूड के बारे में भी आसानी से पता लगाया जा सकता है। एक शोध के मुताबिक, जो लोग अवसाद से ग्रसित होते हैं, चलते समय उनकी हाथों की गतिविधियां कम होती हैं और उनके कंधे आगे की ओर झुके होते हैं। वहीं जो लोग अच्छे मूड में होते हैं, चलते समय उनके हाथों की गतिविधियां ज्यादा होती हैं। क्वींस यूनिवर्सिटी के शोध में कहा गया है कि हमारा मूड हमारी चाल को प्रभावित करता है। किसी पल हम कैसा महसूस कर रहे हैं, इससे हमारी चाल बहुत प्रभावित होती है। हर किसी की चाल कुछ न कुछ कहती है और चलने का तरीका बताता है कि आप किस स्वभाव के हैं।

आक्रामकता का अंदाज

हाल ही यूके की पोर्ट्समाउथ यूनिवर्सिटी में हुई एक स्टडी के मुताबिक, लोगों के चलने के अंदाज से पता चलता है कि वे कितने आक्रामक है। अगर चलते वक्त किसी व्यक्ति के शरीर का ऊपरी और निचला हिस्सा ज्यादा हिलता है तो उसमें आक्रामकता ज्यादा होती है। शोधकर्ताओं ने 29 लोगों पर ट्रेडमिल पर उनके नेचुरल स्पीड में चलने के ऊपर एक अध्ययन किया है। एक शोधकर्ता के मुताबिक, जब हम चलते हैं तो हमारे शरीर में मूवमेंट होती है. जब कोई व्यक्ति अपना बायां पैर आगे बढ़ाता है तो उसके साथ कूल्हे का बायां भाग भी आगे आता है, बायां कंधा थोड़ा पीछे की तरफ झुकता है और दायां कंधा संतुलन बनाने के लिए आगे झुकता है। शोधकर्ताओं ने प्रतिभागियों को एक फॉर्म भरने दिया जो उनके आक्रामकता के स्तर का अंदाजा लगाता है। उन्होंने प्रतिभागियों के व्यक्तित्व की विशिष्टता का पता लगाने के लिए बिग फाइव नाम का एक टेस्ट भी लिया। टेस्ट और फॉर्म के जरिए उन्होंने पता लगाया कि लोग क्या सोचते हैं, क्या महसूस करते हैं और कैसे व्यवहार करते हैं। शोधकर्ताओं नें मनुष्यों के वक्ष और कूल्हे की गति और उनके चाल की गति का पता लगाया। शोधकर्ता कहते हैं कि रिसर्च से यह बात कंफर्म होती है कि लोगों के चलने के तरीके से उनके व्यक्तित्व के बारे में पता चलता है।

छोटे-छोटे कदम

जो पुरूष छोटे-छोटे कदम रखकर धीरे चलते हैं वो छोटी सी बातों में ही परेशान हो जाते हैं। उनका जीवन थोड़ा परेशानी भरा होता है। यानी ऐसे लोग आपका उत्तरदायित्व नहीं संभाल सकते। ये कमजोर साबित होते हैं।

कंधे आगे की ओर

जो कंधे आगे की ओर झुकाकर चलते हैं वे थोड़े आलसी होते हैं लेकिन जरुरत पड़ने पर मेहनत करने के लिए भी तैयार रहते हैं। इन्हें कोई भी काम दिया जाए उसे करने में आलस महसूस करते हैं और कोई भी निर्णय लेने में बहुत बार सोचते हैं।

तेज चाल

जिन युवाओं की चाल तेज होती है वे बड़े उत्साही और हमेशा आगे बढ़ने वाले स्वभाव के होते हैं। इनका शरीर फिट और आकर्षक होता है। ऐसे लोग दूसरों को भी उत्साही बनाते हैं और जीवन में काफी आगे जाते हैं। जो लोग पैरों के साथ हाथों को हिलाकर चलते हैं वे बहुत चतुर और जिंदादिल होते हैं। ऐसे लोग जोशीले और उत्साहित होने के साथ उमंग से भरे होते हैं।

पैरों को दबाव देना

जमीन पर पैरों को दबाव देकर जो लोग चलते हैं वो हिम्मती और जिद्दी स्वभाव के होते हैं और अपनी बातों पर अडिग रहने वाले होते हैं।

लंबे-लंबे कदम

जो लोग लंबे-लंबे कदम रखकर चलते हैं, वे आत्मविश्वासी और बेहद साहसी होते हैं। इनमें हमेशा प्रतियोगिता की भावना होती है। इस स्वभाव वाले लोग अपनी सोच से एक कदम आगे चलते हैं।

धीमी गति से चलना

जो लोग धीमी गति से चलते हैं या पैरों को घसीटकर चलते हैं, वो सहमे हुए और दुखी स्वभाव के होते हैं। ये लोग तनावग्रस्त होते हैं।

फर्स्ट इंप्रेशन...

सभी चाहते हैं कि किसी से पहली बार मिलने पर ऐसी छाप छोड़े कि उसके मन-मस्तिष्क में उम्र भर के लिए अच्छी राय बन जाए, लेकिन ज्यादातर लोगों को यह तकनीक ही नहीं आती कि पहली ही मुलाकात में कैसे किसी को हमेशा के लिए अपना प्रशंसक बनाया जा सकता है। तो आइए जानते हैं कैसे जमाएं फर्स्ट इंप्रेशन।

स्टाइल सुधारें

पहली मुलाकात में ध्यान रखें कि सामने वाले पर आपकी बातचीत का क्या प्रभाव पड़ रहा है। इसे भांपकर अपनी शैली सुधारें। अपना ध्यान उस व्यक्ति पर केंद्रित करें, आंखों से आंखें मिलाकर बात करें। चाहे सामने कोई उच्च पदस्थ व्यक्ति हो, नर्वस होकर, इधर-उधर देखते हुए बातचीत न करें। यदि आपको लगता है कि सामने वाला बोर कर रहा है तो भी पहली बार उसकी बात ध्यान से सुनें।

हाथ मिलाने का सलीका

किसी से भी हाथ मिलाते समय ध्यान रखें कि हाथ को न तो ढीला छोड़कर मिलाया जाए और न बिल्कुल सख्त तरीके से। हाथ मिलाते समय आपके चेहरे पर खुशी और अपनापन झलके। किसी स्त्री से हाथ मिलाते समय आपके व्यवहार में शालीनता नहीं होगी तो मुश्किल में भी पड़ सकते हैं।

आत्मविश्वास जरूरी

कई बार लोग अपने सामने किसी उच्च व्यक्तित्व वाले व्यक्ति को देख कर हड़बड़ा जाते हैं और ऐसी हरकतें कर बैठते हैं कि सामने वाले पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर आपकी पहली मुलाकात किसी लड़की से हो रही है तो अपने फेशियल एक्सप्रेशंस को संयत रखें। ऐसी लड़की बेशक आपकी भावी मंगेतर या रिश्तेदार हो, लेकिन अपने व्यवहार को संयत रखें, हावी होने की कोशिश न करें।

खूबसूरती का प्रदर्शन

कुछ लोग खूबसूरती का अनावश्यक प्रदर्शन करती हैं। सभी लोग सौंदर्य पर रीझने वाले नहीं होते। भले ही यह बातचीत शादी तय करने के लिए हो रही हो, याद रखें कि आपका चेहरा आपके व्यक्तित्व का सिर्फ एक हिस्सा है, वह तभी किसी को आकर्षित करता है, जबकि आपकी भाषा, बातचीत का अंदाज और भाव-भंगिमा शालीनतापूर्ण हो। हर किसी में अलग-अलग गुण होते है, उन्हे सराहे। मधुर वाणी जहां दिलों पर राज करा सकती है, वहीं कर्कश बातें चोट पहुंचाती है। इसलिए अपने व्यवहार में विनम्रता रखें। यही एक बात है जो याद रह जाती है।

सहज रहें

किसी के साथ पहली मुलाकात में सामने वाले को यह महसूस हो कि उससे मिलने पर आपको खुशी हुई। शादी-विवाह तय करते समय भी ध्यान रखें कि आपकी नापसंदगी दूसरे पर एकदम से जाहिर न हो। कई बार तो ऐसा भी होता है कि पहली मुलाकात में कोई पसंद नहीं आता, बाद में वही जीवनसाथी, बॉस या अन्य किसी रिश्ते के तहत हमारे सामने आ जाता है। पहली मुलाकात में अपना समूचा ज्ञान या दर्शन भी सामने वाले के सामने प्रस्तुत न कर दें। सहज रहे, भले ही सामने वाले की बातों से आप सहमत न हों, लेकिन इसे पहली ही बार में न जाहिर करे।

ऐसे बनाएं आकर्षक बॉडी....

एक जमाना था जब आदमी दो पैक ऐब्स बनाकर ही मोहल्ले में शान से चला करता था, लेकिन आज के जमाने में दो पैक ऐब्स नहीं बल्कि सिक्स पैक ऐब्स चलते हैं। फिल्मों और टीवी से लेकर गली के जिम तक हर कोई सिक्स पैक ऐब्स बनाने की होड़ में लगा हुआ है। यदि आपको भी सिक्स पैक बनाने की चाहत है तो हम आपको बता दें कि इसको बनाना इतना आसान नहीं है लेकिन अगर आप कुछ बातों पर ध्यान दें तो सिक्स पैक ऐब्स बना सकते हैं। सिक्स पैक ऐब्स बनाने के लिए आपको अपने वर्कआउट के साथ साथ अपनी डायट पर भी खास ध्यान देना होगा। इसमें सब से पहला कार्य होता हैं अपने भोजन पर नियंत्रण रखना। यदि आप दिन में दो या तीन बार भरपेट खाना खाते हैं तो आपको तीन के बजाय पांच से छह बार खाना होगा। मतलब आप कम-कम मात्रा में 2-3 बार के बजाय 6 बार खाना खाएंगे। इसका कारण यह है कि एक ही बार भरपेट खाने से पेट की मांसपेशियों पर बहुत अधिक बल पड़ता है जिससे मोटापा बढ़ जाता है और शरीर बेडौल हो जाता है। आपको प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करना होगा। इससे शरीर में ताकत आएगी और मांसपेशियां मजबूत होंगी। पने आहार में काबोहाइड्रेट्स की मात्रा कम और फाइबर की मात्रा अधिक लें। शुगर युक्त चीजें, अधिक कैलोरी वाले फूड और एल्कोहल का सेवन करने से बचें। मक्खन, चीज जैसी चीजों का सेवन न ही करें तो बेहतर होगा। आपको साथ ही ऑयली फूड से दूर रहें। आप कम मात्रा में पीनट बटर का सेवन भी कर सकते हैं। अंत में पानी पीने की मात्रा का भी ध्यान रखे। पानी दिन में कम से कम 8 गिलास या इससे अधिक पीएं।

चेस्ट के लिए

चेस्ट को शेप देने के लिए फ्लैट डंबल प्रेस सबसे बेहतर एक्सरसाइज है। यह फ्लैट बेंच से इसलिए बेहतर है क्योंकि उसमें आपके हाथ एक सीमा से नीचे नहीं आते। बेंच करते वक्त रॉड जैसे ही आपकी चेस्ट से टच होती है आप उसे ऊपर की ओर धकेल देते हैं। वहीं डंबल प्रेस के मामले में आपकी चेस्ट पर कुछ आने जैसी बात ही नहीं होती। जितना आप डंबल को नीचे ले जाएंगे उतना प्रेशर आपकी चेस्ट पर बनेगा।

पावर के लिए

ओवरऑल मसल बिल्डिंग और पावर के लिए बॉडी बिल्डरों की सबसे पसंदीदा एक्सरसाइज है स्क्वेट। जो लोग इसे नहीं करते उन्हें लगता है कि यह सिर्फ पैरों की कसरत है पर जो लोग करते हैं वो जानते हैं कि ये कसरत मर्द बनाती है। यह एक्ससरसाइज ग्रोथ हार्मोन को जबरदस्त तरीके से एक्टिवेट करती है। एक हैवी सेट लगा कर देखें, दिमाग की बत्ती जल जाएगी। एक और सबूत चाहिए तो हैवी स्क्वेट लगाने के बाद ब्रेंच प्रेस लगाएं आप नॉर्मल से ज्यादा वेट लगा पाएंगे।

बाइसेप्स के लिए

कसरतों की लंबी लिस्ट है और आप उन्हें आजमाते भी होंगे, पर बारबेल कर्ल से बेहतर कुछ नहीं। जैसे स्क्वेट पैरों की एक मुकम्मल कसरत है वैसे ही बारबेल कर्ल बाइसेप्स की मुकम्मल एक्सरसाइज है। एक बात और आप अगर शुरुआती दौर में नहीं हैं तो बड़ी रॉड से कर्ल करें।

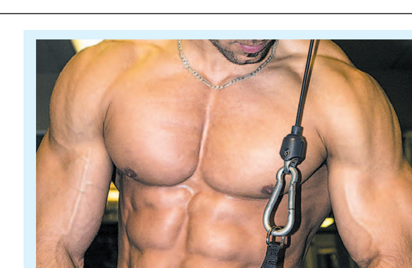

ट्राइसेप्स

आपके आर्म में 30 फीसदी हिस्सेदारी बाइसेप्स और 70 फीसदी ट्राइसेप्स की होती है। अगर आपको बड़े आर्म्स चाहिए तो बाइसेप्स की बजाय ट्राइसेप्स पर ज्यादा ध्यान दें। आपके ट्राइसेप्स के भी तीन हिस्से होते हैं और बेंच डिप्स ऐसी एक्सरसाइज है तो तीनों हिस्सों पर काम करती है। इसे आप बॉडी वेट के साथ और एक्सट्रा वेट के साथ भी कर सकते हैं।

बाइसिकल क्रंच

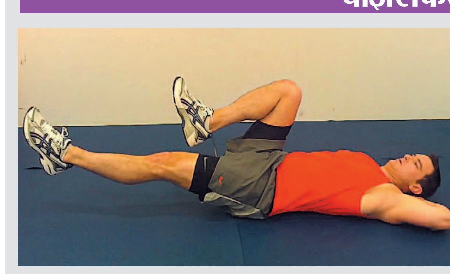

सिक्स पैक की ओर बढ़ रहे हैं तो इस एक्सरसाइज को अपने शेड्यूल में जरूर शामिल करें। बाकी की क्रंचेस आमतौर पर एब्स के किसी एक हिस्से पर काम करती हैं पर ये एक साथ सिक्स पैक पर काम करती है। यहां ये बताना हम जरूरी समझते हैं कि ये सबसे ज्यादा फायदेमंद उस शख्स के लिए जिसका पेट फ्लैट और जो सिक्स पैक बनाने के लिए कसरत कर रहा हो।

बच्चों को सुलाने के आसान तरीके

आमतौर पर बच्चों को जब नींद नहीं आती है तो वो चिड़चिड़े हो जाते हैं। फिर उन्हें किसी भी तरह बहलाने फुसलाने की कोशिशें बेकार साबित होती हैं। उस समय उन्हें जरूरत होती हैं प्यारी सी लोरी के साथ शांत माहौल और मां के गोद की। लोरी सुनाकर बच्चों को सुलाने का चलन बरसों से चला आ रहा है। आज भी मां अपने बच्चों को लोरी सुनाकर ही सुलाती हैं। धीरे-धीरे और मीठे स्वर में गाई गई लोरी का बच्चे के दिमाग पर काफी असर होता है इसको सुनते-सुनते वे धीरे-धीरे मीठी नींद की ओर बढ़ने लगते हैं।

लोरी ही जरूरी नहीं: लोरी बच्चे को सुलाने का सबसे प्यारा तरीका समझा जाता है। लेकिन सिर्फ लोरी ही जरूरी नहीं है इसके साथ बच्चे के शरीर पर हल्की-हल्की थपकी और गोद में उसे धीरे-धीरे झुलाना भी काफी मददगार साबित होते हैं। और यह प्रक्रिया आपको तब तक करनी चाहिए जब तक बच्चा गहरी नींद में ना सो जाए।

लोरी सुनते ही क्यों सो जाते हैं बच्चे: लोरी की मीठी आवाज से बच्चे का ध्यान आस-पास की आवाजों से हटने लगता है। बच्चों को लगातार गोद में झुलाते रहने से उसकी नजर किसी भी चीज पर नहीं टिक पाती। और थोड़ी ही देर में उसकी आखों में नींद आने लगती है। और वह धीरे-धीरे अपनी आंखों को बंद करने लगता है।

स्तनपान करते हुए: आमतौर पर देखा जाता है कि बच्चें मां की गोद में स्तनपान करते हुए भी सो जाते हैं। ऐसे में उनके सिर पर धीरे-धीरे हाथ से सहलाएं जिससे उनकी आंखों में नींद आने लगे। और जब वह पूरी नींद में सो जाए तो उसे धीरे से बिस्तर पर लेटा दें।

गोद में लेकर झुलाएं: बच्चो को जब नींद आती है तो वो आपकी गोद में झुलना चाहते हैं। ऐसे में बच्चे को अपनी गोद में लेकर दाएं से बाएं झुलाएं। धीरे-धीरे उसकी आंखे भारी होने लगती है और वह थकवाट के कारण अपनी आंखे बंद करने पर मजबूर हो जाता है। ध्यान रहे कि ज्यादा से जोर से झुलाने पर बच्चा डर भी सकता है।

प्रैम या स्ट्रॉलर में: कई बार देखा जाता है कि बच्चा प्रैम या स्ट्रॉलर में बैठकर आगे-पीछे हिलाते हुए सोना चाहता है। यह प्रक्रिया बार-बार करने पर बच्चा धीरे-धीरे नींद की आगोश में चला जाता है।

संपादकीय

मनी गेमिंग पर रोक

यह एक हकीकत है कि ऑन लाइन मनी गेमिंग यदि लत बन जाए तो यह संपन्न व्यक्ति को भी बदहाल कर सकती है। एक आंकड़े के अनुसार देश में हर साल 45 करोड़ लोग बीस हजार करोड़ गवां देते हैं। सब कुछ गंवा कर आत्महत्या करने के मामले भी प्रकाश में आते हैं। सवाल इन लालच जगाने वाली मनी गेमिंग की पारदर्शिता को लेकर भी उठते रहे हैं। इन्हीं चिंताओं के बाद सरकार ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक 2025 लेकर आई है। जिसे अब गंभीर चर्चा के बिना संसद ने पारित भी कर दिया है। यह विधेयक पैसे से खेले जाने वाले किसी भी ऑनलाइन गेम को गैरकानूनी घोषित करता है। दरअसल, सरकार का मानना है कि ऑनलाइन मनी गेमिंग एक सामाजिक और जन स्वास्थ्य के लिये घातक समस्या है। सरकार के मुताबिक, वह ई-स्पोर्ट्स और सोशल गेमिंग को बढ़ावा देने के लिये उत्सुक है, जिसमें कोई वित्तीय जोखिम न हो। निर्विवाद रूप से हाल के वर्षों में ऑनलाइन स्किल गेमिंग उद्योग ने तेजी से विस्तार किया है। जिसमें पूर्व और वर्तमान क्रिकेटरों और फिल्मी सितारों के प्रचार की भी भूमिका रही है। यहां उल्लेखनीय है कि ऑनलाइन गेमिंग का वार्षिक राजस्व 31,000 करोड़ रुपये से अधिक है। इसके साथ ही यह हर साल प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों के रूप में बीस हजार करोड़ रुपये से अधिक का योगदान देता है। लेकिन इसके साथ चिंता का विषय यह भी है कि सुनहरे सब्जबाग दिखाने वाले कई ऑनलाइन गेमिंग एप लत, खेलने वाले आम लोगों के आर्थिक नुकसान और मनी लॉन्ड्रिंग को भी बढ़ावा देते हैं। यही वजह है कि ऑनलाइन गेमिंग में अपनी जमा पूंजी लुटाने वाले बदकिस्मत उपयोगकर्ता नाकामी के बाद आत्महत्या तक करने को मजबूर हो जाते हैं। निस्संदेह सरकार ने ऑनलाइन मनी गेमिंग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाकर एक बड़ा जोखिम भी उठाया है। इसमें सरकार को राजस्व की भारी हानि भी हो सकती है। वहीं तसवीर का दूसरा पक्ष यह भी है कि कई उद्यमी तेजी से उभरते इस गेमिंग व्यवसाय के पराभव की चिंता जता रहे हैं। बताया जाता है कि देश में जो ग्यारह सौ से अधिक गेमिंग कंपनियां तथा करीब चार सौ स्टार्टअप ऑनलाइन गेमिंग उद्योग से जुड़े हैं, जिनके नियमन के बारे में सोचा जा सकता था। उनकी चिंता है कि इससे बड़ी संख्या में नौकरियां जा सकती हैं। लेकिन सरकार का कहना है कि उसने जनकल्याण को ध्यान में रखकर यह फैसला लिया है। लेकिन दूसरी ओर चिंता जतायी जा रही है कि ऑनलाइन मनी गेमिंग के वैध प्लेटफॉर्म बंद होने से खेलने वाले लोग अनियमित विदेशी ऑपरेटरों के शिकार बन सकते हैं। इंटरनेट का विस्तृत दायरा और विदेशी ऑनलाइन ऑपरेटर विधेयक के प्रमुख उद्देश्यों को विफल करने की कोशिश कर सकते हैं। निस्संदेह, वित्तीय प्रणालियों की अखंडता के साथ-साथ राष्ट्र की सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा होनी चाहिए। माना जा रहा है कि इस नये कानून को बनाने की जरूरत संभवतः छह हजार करोड़ रुपये वाले महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी घोटाले के बाद महसूस की गई। जिसकी जांच सीबीआई और ईडी कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ के कुछ शीर्ष राजनेताओं और नौकरशाहों पर सट्टेबाजी एप के यूएई स्थित प्रमोटरों के साथ संबंध होने के आरोप लगे हैं। जो कथित तौर पर हवाला कारोबार और विदेशों में धन-शोधन के कार्यों में लिप्त बताये जाते हैं। निस्संदेह, यह मामला सभी हितधारकों के लिए एक चेतावनी है, लेकिन इस बाबत कोई भी जल्दबाजी वाली प्रतिक्रिया नहीं आनी चाहिए। इसके बजाय, ऑनलाइन मनी गेमिंग को सख्त नियमन और इसे भारी कराधान के अधीन लाना एक व्यावहारिक समाधान हो सकता था। साथ ही पारदर्शिता और जवाबदेही पर जोर देकर उपभोक्ताओं के लिये सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाने की जरूरत थी। इस अभियान में गैर-कानूनी गतिविधियों में लिप्त प्लेटफॉर्मों पर जुर्माना भी लगाया जा सकता था। वहीं दूसरी ओर बड़े-बड़े दावे करने वाली मशहूर हस्तियों पर कार्रवाई भी की जा सकती थी। ऐसे में तेजी से उभरते इस आर्थिक क्षेत्र को डूबने से भी बचाया जा सकता था। कभी-कभी कड़े प्रतिबंध जैसे कठोर कदम उल्टा असर भी डाल सकते हैं।

एक आंकड़े के अनुसार देश में हर साल 45 करोड़ लोग बीस हजार करोड़ गवां देते हैं। सब कुछ गंवा कर आत्महत्या करने के मामले भी प्रकाश में आते हैं। सवाल इन लालच जगाने वाली मनी गेमिंग की पारदर्शिता को लेकर भी उठते रहे हैं। इन्हीं चिंताओं के बाद सरकार ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक 2025 लेकर आई है। जिसे अब गंभीर चर्चा के बिना संसद ने पारित भी कर दिया है। यह विधेयक पैसे से खेले जाने वाले किसी भी ऑनलाइन गेम को गैरकानूनी घोषित करता है। दरअसल, सरकार का मानना है कि ऑनलाइन मनी गेमिंग एक सामाजिक और जन स्वास्थ्य के लिये घातक समस्या है। सरकार के मुताबिक, वह ई-स्पोर्ट्स और सोशल गेमिंग को बढ़ावा देने के लिये उत्सुक है, जिसमें कोई वित्तीय जोखिम न हो। निर्विवाद रूप से हाल के वर्षों में ऑनलाइन स्किल गेमिंग उद्योग ने तेजी से विस्तार किया है। जिसमें पूर्व और वर्तमान क्रिकेटरों और फिल्मी सितारों के प्रचार की भी भूमिका रही है।

1857 से 1947 तक का काल केवल राजनीतिक संघर्ष नहीं था, वह साहित्य का भी स्वर्णकाल था

इतिहास की सीख छोड़ फ्रेम में उलझा युवा वर्ग

डॉ. प्रियंका सौरभ

आज का युवा वर्ग अतीत के संघर्षों से शिक्षा लेने के बजाय इंस्टेंट फ्रेमों में फँसा है। यही उसकी सबसे बड़ी कमजोरी है। आधुनिकता के उन्माद के बावजूद हमारे सार्वजनिक जीवन में जो शून्यता, दरिद्रता और दिशाहीनता दिखाई देती है, उसके कारण बहुत दूर जाकर नहीं खोजने पड़ते। यह शून्यता दरअसल हमारी स्मृतियों और सांस्कृतिक आत्मबोध के बिखराव से पैदा हुई है। इतिहास हमें बताता है कि क्या हुआ, जबकि साहित्य यह दिखाता है कि क्या हो सकता था और क्या होना चाहिए था। साहित्य को आत्मसत्य इसलिए कहा गया है कि वह मनुष्य को केवल सूचना नहीं, बल्कि अनुभव और मूल्य देता है। भारत का इतिहास किसी सुखद घटनाओं की लड़ी नहीं है।

पीढ़ी 1990 के बाद पैदा हुई, उसके हिस्से 'इतिहास' कम 'फ्रेम' ज्यादा आए। मोबाइल, कैमरा और सोशल मीडिया की दुनिया ने उन्हें घटनाओं की गहराई में जाने की बजाय केवल सतही फ्रेम और दृश्य-छवियों तक सीमित कर दिया। आज का युवा वर्ग अतीत के संघर्षों से शिक्षा लेने के बजाय इंस्टेंट फ्रेमों में फँसा है। यही उसकी सबसे बड़ी कमजोरी है। आधुनिकता के उन्माद के बावजूद हमारे सार्वजनिक जीवन में जो शून्यता, दरिद्रता और दिशाहीनता दिखाई देती है, उसके कारण बहुत दूर जाकर नहीं खोजने पड़ते। यह शून्यता दरअसल हमारी स्मृतियों और सांस्कृतिक आत्मबोध के बिखराव से पैदा हुई है। इतिहास हमें बताता है कि क्या हुआ, जबकि साहित्य यह दिखाता है कि क्या हो सकता था और क्या होना चाहिए था। साहित्य को आत्मसत्य इसलिए कहा गया है कि वह मनुष्य को केवल सूचना नहीं, बल्कि अनुभव और मूल्य देता है। भारत का इतिहास किसी सुखद घटनाओं की लड़ी नहीं है। इसमें युद्ध, संघर्ष, विद्वेष, विभाजन और बँटवारा है। लेकिन इन्हीं अंधेरे अध्यायों के बीच स्वतंत्रता आंदोलन की गाथा भी है। 1857 से 1947 तक का काल केवल राजनीतिक संघर्ष नहीं था, वह साहित्य का भी स्वर्णकाल था। स्वतंत्रता संग्राम और साहित्य जैसे एक-दूसरे में घुल गए थे। कवि, लेखक और कलाकार केवल दर्शक नहीं थे, बल्कि वे इतिहास के सह-निर्माता थे। उनके गीत, कविताएँ और उपन्यास आम जनमानस में ऊर्जा और चेतना जगाते थे। यही कारण है कि आज़ादी की लड़ाई केवल तलवार और आंदोलन की गाथा नहीं रही, बल्कि साहित्यिक कृतियों की भी कहानी बनी। लेकिन यह गौरवशाली परंपरा आज कहीं खो गई है। एक प्राचीन सभ्यता की प्राणवत्ता उसके सांस्कृतिक प्रतीकों और जीवनदायी आस्थाओं में निहित होती है। यही प्रतीक एक समय में हमारे चिंतन, सृजन और व्यवहार को अर्थ प्रदान करते थे। जब यह जीवन्त समग्रता खंडित होकर छोटे-छोटे टुकड़ों में बँट जाती है, तो वे केवल नामलेवा अनुष्ठानों तक सिमट जाते हैं। पूजा-पाठ तो बचा रहता है, परंतु उससे कोई नयी प्रेरणा नहीं निकलती। आज का भारतीय समाज इसी विडंबना से गुजर रहा है—हमारे पास परंपराएँ तो हैं, लेकिन उनमें जीवन्तता नहीं है। हम अपने ही देश में आत्मनिर्वासित प्राणियों की तरह जीने को विवश हो गए हैं। हमारी नैतिक मर्यादाएँ, हमारे अध्ययन और हमारे विचार—सब पर विदेशी भाषा और सोच का वर्चस्व बढ़ता जा रहा है। अंग्रेज़ी का वर्चस्व केवल एक शैक्षिक प्रवृत्ति नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक निर्भरता का सबसे बड़ा प्रतीक है। हजारीप्रसाद द्विवेदी ने इसी पीड़ा को व्यक्त करते हुए कहा था—"अंग्रेज़ी भाषा ने संस्कृत का सर्वाधिकार छीन लिया है। आज भारतीय विद्याओं की जैसी विवेचना और विचार अंग्रेज़ी भाषा में हैं, उसकी आधी चर्चा का भी दावा कोई भारतीय भाषा नहीं कर सकती। यह हमारी सबसे बड़ी पराजय है। राजनीतिक सत्ता के छिन जाने से हम उतने नतमस्तक नहीं हैं, जितने अपने विचार की, तर्क की, दर्शन की, अध्यात्म की अपनी सर्वस्व भाषा छिन जाने से। अन्तर्राष्ट्रीय क्षेत्र में हम अपनी ही विद्या को अपनी बोली में न कह सकने के उपहासास्पद अपराधी हैं। यह लज्जा हमारी जातीय है।" वास्तव में जिसे द्विवेदी जी ने 'उपहासास्पद अपराध' कहा, उसके लिए सबसे अधिक जिम्मेदार भारतीय सम्भ्रांत शिक्षित वर्ग रहा है। उसने अंग्रेज़ी को श्रेष्ठता और भारतीय भाषाओं को पिछड़ेपन का चिह्न बना दिया। आज स्थिति यह है कि युवा पीढ़ी अपनी ही भाषा में बोलने से हिचकती है, अपनी संस्कृति को आधुनिकता के विपरीत मानती है और साहित्य को केवल पाठ्यक्रम की किताबों तक सीमित समझती है। 1990 के बाद जन्मी पीढ़ी का संकट यही है। उनके पास सूचनाओं का अंबार है, पर आत्मसत्य नहीं। वे मोबाइल स्क्रीन पर इतिहास की झलकियाँ देखते हैं, पर उसकी गहराई में नहीं उतरते। उनकी चेतना फ्रेमों और क्लिप्स पर आधारित है। इस पीढ़ी ने 'इतिहास' कम और 'फ्रेम' ज्यादा देखे हैं। यही कारण है कि उनमें वह गहराई नहीं है, जो साहित्य और इतिहास से संवाद करने पर आती। इतिहास से हमें संघर्ष, धैर्य और त्याग की शिक्षा मिलती है। लेकिन फ्रेम हमें केवल तात्कालिक दिखावा और सतही आकर्षण देता है। यही वजह है कि युवा वर्ग की ऊर्जा दिशाहीन होती जा रही है। उनके पास विकल्प बहुत हैं, पर संकल्प नहीं। फ्रेम की दुनिया क्षणभंगुर है—एक फोटो, एक रील, एक क्लिक पल भर में आती है और मिट जाती है। जबकि इतिहास की सीख स्थायी है—वह आने वाली पीढ़ियों को भी दिशा देती है। यदि युवा वर्ग इस आत्मसत्य को समझने में असफल रहा, तो वह न केवल अपने वर्तमान को खो देगा बल्कि भविष्य को भी अंधकारमय कर लेगा। साहित्य केवल मनोरंजन का साधन नहीं है। यह व्यक्ति और समाज को अपने आत्म से मिलाने वाला माध्यम है। साहित्य हमें बताता है कि हमारी जड़ें कहाँ हैं और हमारे सपनों का आकाश कहाँ तक फैला है। साहित्य के बिना समाज केवल सूचनाओं का ढेर रह जाता है, आत्मबोध और दिशा खो देता है। यही कारण है कि आज साहित्य को पुनः केंद्र में लाने की आवश्यकता है। आज का प्रश्न यही है—क्या हम इस पीढ़ी को फिर से साहित्य और इतिहास से जोड़ पाएँगे? क्या हम उन्हें दिखा पाएँगे कि संस्कृति कोई बोझ नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता का आधार है? यह तभी संभव होगा जब भारतीय भाषाओं को केवल बोलचाल तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें ज्ञान और शोध की भाषा बनाया जाए। नई पीढ़ी को यह समझना होगा कि सोशल मीडिया के फ्रेम और क्लिक क्षणिक हैं। वे पल भर में आते हैं और गायब हो जाते हैं। लेकिन साहित्य और संस्कृति वे आधार हैं, जिन पर स्थायी आत्मविश्वास खड़ा होता है। यह पीढ़ी तभी सार्थक होगी जब वह अपनी जड़ों से जुड़कर आधुनिकता को आत्मसात करेगी। यदि ऐसा नहीं हुआ, तो साहित्य केवल पुस्तकालयों में बंद रह जाएगा और संस्कृति केवल त्योहारों के सजावटी फ्रेम में कैद हो जाएगी। तब हम केवल उपभोक्ता समाज रह जाएँगे, सृजनशील सभ्यता नहीं। आज आवश्यकता है कि विद्यालय और विश्वविद्यालय साहित्य को केवल परीक्षा का विषय न मानें, बल्कि जीवन का अनुभव मानें। लेखकों और कवियों को पुनः समाज के केंद्र में लाने की ज़रूरत है। भाषा को बोझ नहीं, गौरव का माध्यम बनाने की आवश्यकता है। और सबसे बढ़कर, नई पीढ़ी को यह एहसास दिलाना होगा कि साहित्य का आत्मसत्य ही वह शक्ति है, जो उन्हें इतिहास की गहराई और भविष्य की दिशा दोनों देता है। इतिहास हमें यह दिखाता है कि हमने क्या खोया और क्या पाया। साहित्य हमें यह सिखाता है कि हम क्या हो सकते हैं। यही कारण है कि साहित्य और इतिहास का संबंध इतना गहरा और अविभाज्य है। यदि नई पीढ़ी इस आत्मसत्य से जुड़ने में असफल रही, तो वह न तो इतिहास समझ पाएगी और न ही भविष्य गढ़ पाएगी। आधुनिकता का उन्माद तभी सार्थक होगा, जब वह साहित्य और संस्कृति की आत्मा से जुड़कर नई रचनात्मकता पैदा करेगा। अन्यथा हम केवल 'फ्रेम' की पीढ़ी रह जाएँगे—जहाँ गहराई नहीं होगी, केवल सतही छवियाँ होंगी। यही इस समय की सबसे बड़ी चेतावनी भी है और सबसे बड़ा समाधान भी।

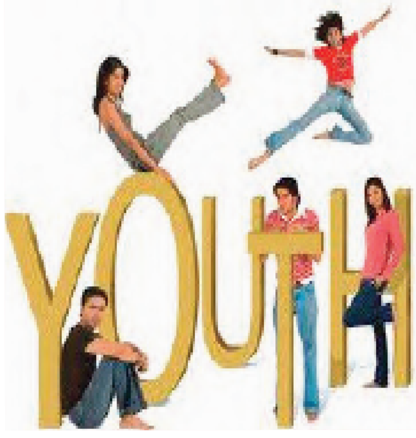

देश दुनिया से

जेल में रह कर सरकार चलाना अब संभव न होगा

बसंत वुमार

वेंद्र सरकार द्वारा राजनीति में भ्रष्टाचार रोकने के उद्देश्य से उठाया जाने वाला यह कदम स्वागतयोग्य है। यदि यह विधेयक सर्वसम्मति से पास करके लागू किया जाए तो यह पूरे विश्व में एक नजीर होता कि भारत एक ऐसा लोकतांत्रिक देश है जहां अपने प्रधानमंत्री, मंत्री, सांसद को अपराधिक मामले में जेल जाने पर पद से हटा दिया जाता है। जेल में रह कर सरकार चलाना अब संभव न होगा वुछ वर्ष पूर्व तक मैने एक लॉ के विद्याथा, एक ब्यूरोव्रोट और लेखक स्तंभकार के रूप में यही जाना था कि यदि कोई व्यक्ति चौबीस घंटे से अधीक समाय के लिए जेल में होता है और किसी सरकारी पद पर आसीन हो जाता है तो उसे निलम्बित कर दिया जाता है और चार्ज शीट फाइल होने के बाद यदि ट्रायल कोर्ट द्वारा दोषी करार दिया जाता है तो उच्च न्यायालय में दायर अपील का निस्तारण का इंतजार किए बगैर उसे नौकरी से बर्खास्त कर दिया जाती है। पर मंत्रियो और सांसदो के लिए स्थिति अलग है जबकि न्यायालय ने कई पैसले मेरे इन्हें भी पब्लिक सर्वेंट। माना हुआ है इन्हें उन्हीं की भांत वेतन मिलता है और उसके बाद पैंशन मिलती है। और हमारे लोकतांत्रिक व्यवस्था में लालवृष्ण आडवाणी ने एक ऐसा उच्च मानदंड स्थपित किया जो आज भी नैतिकता जीवनी में मिसाल के रूप में जाने जाता है, दषकों पहले हवाले कांड हुआ और उसमें अपना नाम आने पर संसद सदस्यों के रूप में त्याग पत्र दे दिया और राजनीतिक उत्तरदायित्व लेने से तब एक दूर रहे जब तक उन्हें क्लीन चिट नहीं मिल गए। उसी प्रकार उस समय के दिली के मुख्यमंत्री रहे मदन लल खुरानी साहब ने हवाले में जैन डायरी में अपना नाम आने परअपना नाम आने पर अपने पद से त्याग पत्र दे दिया था, यही नहीं चारा घोटाला में अपना नाम आने पर संभावित गिरफ्तारी से पूर्व बीहट के मुख्यमंत्री के पद से त्याग पत्र दे दिया और अपने स्थान पर अपनी पत्नी रबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बना दिया। पर यह प्रश्न कि की भी व्यक्ति जेल में रहने के बावजूद जेल से सड़कर चला सकता है तब खड़ा हुआ जब अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार उन्मूलन आन्दोलन से निकले अरविन्द केजरीवाल ने भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में बंद होने के बाद भी मुख्यमंत्री पद से त्यागपत्र नहीं दिया और जेल से ही सरकार चलाते रहे। भविष्य में ऐसा न हो, ऐसी असहज स्थिति से निपटने के लिए वेंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सदन के मानसून सत्र समाप्त होने से दो दिन पूर्व लोकसभा में एक विधेयक पेश किया जिसके अनुसार अगर प्रधानमंत्री, राज्यों के मुख्यमंत्री, वेंद्र या राज्य के मंत्री किसी गंभीर आपराधिक मामले में गिरफ्तार किए जाने है और वे जेल में तीस दिन से अधिक समय तक अंदर रहते हैं तो उन्हें तीस दिन के बाद अपने पद से त्याग पत्र देना होगा। यद्दापि अभी तक ऐसा प्रावधान न होने के कारण अरविद केजरीवाल कई माह तक जेल से ही अपनी सरकारी चलाते रहे। इस विधेयक का मुख्य उद्देश्य राजनीतिक भ्रष्टाचार पर रोक लगाना था क्योंकि अरविद केजरीवाल जैसे कई नेता जेल जाने के बाद भी अपना पद नहीं छोड़ते। इस विधेयक को संवैधानिक बदलाव की तरह देखा जा रहा है। यह सही भी है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई आवश्यकता है पर इस विधेयक के दुरुपयोग होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। पिछले वुछ समय से जांच एजेंसियों ईंडी, आयकर विभाग, सी बी आई का दुरूपयोग विपक्षी के नेताओं के खिलाफ करने के आरोपी लगने लगे हैं। लेकिन इन संशोधनों से सत्तारूढ़ पक्ष के उन नेताओ पर भी खतरा मंडरा सकता है जो नेतृत्व के निर्देशों की अनदेखी कर के स्वच्छंद रूप से कार्य करते हैं और जबसे वेंद्र और राज्य सरकारों में एलायंस पार्टनर्स के साथ सरकारें चल रही हैं तो इस क़ानून के दुरुपयोग की आशंका बनी ही रहेगी। इस अधिनयम से सरकार के नेतृत्व को अपने भ्रष्टमंत्रियों के भ्रष्टाचार को रोकने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2014 के कार्यंकाल में मंत्रिमंडल में पेर बदल के नाम पर कई ऐसे मंत्रियों को बाहर का रास्ता दिखा दिया था जिनके भ्रष्टाचार में लिप्त होने की आशंका थी। जनता और मीडिया इन भ्रष्ट मंत्रियो के विषय में खूब जानते थे पर कोई खुल कर कह नहीं पा रहा था पर यह कानून बन जाने से इन भ्रष्ट मंत्रियो नेताओं को जेल में जाने के बाद इनके पद से हट जाने का रास्ता साफ हो जाने से भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार की इच्छा शत्ति पर लोगों का विश्वास बढ़ेगा। विपक्ष द्वारा इसके दुरूपयोग के आरोपी निराधार नहीं है पर यह भी सच है कि किसी भी व्यक्ति को बिना आधार के कोर्ट में पेश किए बिना 30 दिन क्या 24 घंटे से अधिक नहीं रखा जा सकता। यदि किसी को लगता है कि बिना किसी आधार के उसे जेल में रखा गया है तो वह अपने गिरफ्तारी को न्यायालय में चैलेंज कर सकता है और हम इस मामले में सौभाग्य शाली है कि देश की न्यायपालिका की निष्पक्षता पर कोई भी संदेह नहीं करता। और देश का हर नागरिक देश की न्याय पालिका पर पूरा विश्वास करते हैं। लोगो को याद होगा कि यू पी ए शासन के दौरान किसी भी सांसद या विधायक को किसी भी अपराधिक मामले में दो साल से अधिक की सजी हो जाने पर अपीली न्यायालय द्वारा उसके अपील पर पैसला का इंतजार किए बगैर उसकी सदस्यता रद्द करने के सर्वोच्च न्यायालय के पैसले को निष्प्रभावी करने के लिय वेंद्र सरकार द्वारा एक अध्यादेश तैयार किया गया था पर तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने उस ड्राफ्ट को यूजलेश कह कर फाड़ दिया था, जिसका परिणाम यह हुआ कि वेंद्र सरकार को इस अध्यादेश से अपने कदम पीछे हटाने पड़े थे। जिसका परिणाम यह हुआ कि यू पी ए के सबसे प्रबल समर्थक लालू प्रसाद यादव की सदस्यता समाप्त हो गई, और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रसीद मसूद को 22 साल पुराने मामले में सजा हुई और उन्हें भी अपनी संसद सदस्यता गंवानी पड़ गई। और तो और स्वयं राहुल गांधी को वर्ष 2024 में एक मामले में ट्रायल कोर्ट द्वारा दोषी करार दिए जाने के कारण अपनी सदस्यता गंवानी पड़ी। पर कभी भी राहुल गांधी ने अपने उस पैसले पर सार्वजनिक रूप से अफसोस जाहिर नहीं किया। तो फिर राहुल गांधी समेत पूरा इंडिया गठबंधन वेंद्र सरकार के इस संशोधन बिल का विरोध क्यों कर रहा है। राहुल गांधी यह बयान उनके पिछले स्टैंड से बिलवुलमेल नहीं खा रहा-हम फिर उसी दौर में लौट रहे हैं जहां राजा का मूड ही कानून होता था, न अदालत की जरूरत, न संविधान की कद्र -बस चेहरा पसंद नहीं आया तो भेज दो और 30 दिन में जनता द्वारा चुना नेता बाहर! वुल मिलाकर सरकार द्वारा लाया गया यह विधेयक राजनीतिक भ्रष्टाचार रोकने की ओर उनका दृढ़ संकल्प व्यत्त करता है, पर विपक्ष के वरिष्ठ नेता व देश के जाने माने वकीलों कपिल सिब्बल द्वारा पूछा गया यह प्रश्न लोगों के मन में एक सवाल खड़ा करता रहेगा -मै गृह मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि आपके किसी वेंद्रीय मंत्री के खिलाफ कोई एफ आई आर हुई है और जिन प्रदेशों में आपके सरकारें है वहां किसी मंत्री के खिलाफ कोई एफ आई आर हुई है।

आप का नजरिया

महामारी मोटापे की

देश में जिस तेजी से मोटापा और उससे जनित रोगों का दायरा बढ़ा है, उससे यह एक सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात जैसी स्थिति बनती जा रही है। जिससे मोटापा जनित गैर संक्रामक रोगों में भी तेजी से वृद्धि हो रही है। एक हालिया अध्ययन में इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च व विश्व स्वास्थ्य संगठन ने खुलासा किया है कि साल 2025 तक भारत की वयस्क आबादी में मोटापे की दर 20 से 23 फीसदी तक जा पहुंची है। जबकि वर्ष 1990 में देश यह दर महज नौ से दस प्रतिशत ही थी। चिंता की बात यह है कि महज तीन दशक में मोटापा बढ़ने की यह दर दो गुना हो चुकी है। यही वजह है कि शहरों में आजकल हर चौथा व्यक्ति मोटापे का शिकार दिखायी देता है। दरअसल, देश में जैसे-जैसे आर्थिक समृद्धि आई तो हमारी खान-पान की आदतों में बदलाव आया है। हमारे भोजन में डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ, अधिक शूगर वाले पेय पदार्थ और युवाओं में जंक फूड का उपभोग तेजी से बढ़ा है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि खाद्य तेलों का उपयोग भी बहुत तेज गति से बढ़ा है। आर्थिक विकास से समृद्धि आई तो हमारा खानपान समृद्ध हुआ, लेकिन वहीं शारीरिक निष्क्रियता भी बढ़ी है। दरअसल, खाद्य तेलों का बेतहाशा उपयोग भी मोटापे की वजह बना है। देश में नब्बे के दशक में जहां प्रति व्यक्ति तेल की औसतन खपत साढ़े तीन से चार लीटर थी, जो अब करीब बीस लीटर सालाना हो गई है। यानी चिंताजनक स्थिति तक पहुंचकर पांच गुना हो गई है। अब मोटापे की समस्या से शहर ही नहीं, ग्रामीण जीवन भी प्रभावित हो रहा है। बीती सदी में ऐसा देखने में नहीं आता है। दरअसल, इस सदी की शुरुआत में आई आर्थिक समृद्धि ने न केवल हमारी खानपान की आदतें बदली, बल्कि वाहनों के अधिक उपयोग व आरामदायक जीवनशैली ने हमारी शारीरिक सक्रियता भी कम कर दी। जो मोटापे की एक बड़ी वजह बना। देश में मोटापे की समस्या किस हद तक पहुंच चुकी है और उससे गैर संक्रामक रोग कितनी तेजी से बढ़ रहे हैं, उसको लेकर कई सार्वजनिक मंचों से प्रधानमंत्री देश को संबोधित कर चुके हैं। स्वतंत्रता दिवस पर उन्होंने देश में गति पकड़ते मोटापे पर गंभीर चिंता जतायी। विश्व स्वास्थ्य दिवस पर भी वे मोटापे से मुक्त जीवन के लिये लाइफ स्टाइल में बदलाव की बात कह चुके हैं। उन्होंने खाद्य तेलों के उपयोग में कमी लाने की भी बात कही। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी कह चुका है कि पांच-छह सौ एमएल से अधिक खाद्य तेल का सेवन मोटापे, उच्च रक्तचाप, दिल के रोग और डायबिटीज के खतरे को बढ़ा सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कह रहे हैं कि खानपान की आदतों में सुधार और शारीरिक सक्रियता बढ़ाने से हम मोटापा कम कर सकते हैं। नियमित व्यायाम व योग-प्राणायाम इसमें खासे मददगार हैं। यहां संकट हमारी जीवन शैली में आये बदलावों का भी है, जिसमें हम देर रात को अधिक गरिष्ठ भोजन करते हैं। देर से सोना और देर से जागना अब आम बात हो चली है। तेजी से होते शहरीकरण, आफिसों में देर तक काम करने, शारीरिक सक्रियता में कमी तथा देर रात तक सोशल मीडिया में उलझे रहने से भी नींद की कमी ने जीवन में तनाव को बढ़ाया है। यह तनाव हमारी खानपान की आदतों को बुरी तरह प्रभावित करके मोटापे को बढ़ाता है। यही वजह है कि एक बहुचर्चित मेडिकल पत्रिका ने चेताया है कि भारत में 2050 तक पैंतालीस करोड़ युवा मोटापे की चपेट में आ सकते हैं। इस समस्या का एक पहलू यह भी है कि सोशल मीडिया पर मोटापा कम करने के नीम-हकीमी नुस्खों की भरमार आई है। हर दूसरा आदमी मोटापा कम करने के तरीके बताता नजर आता है। जबकि चिकित्सीय दृष्टि ये तथ्य प्रमाणिक नहीं हैं। लेकिन फिर भी लोग आंख मूंदकर उस पर विश्वास करने लगते हैं। कुछ लोग जिम जाकर रातों-रात वजन घटाने का उपक्रम करके अपने शरीर से खिलवाड़ करने लगते हैं। वजन घटने में सावधानी की लंबी प्रक्रिया भी होती है। जल्दीबाजी के चक्कर में कई लोग अपनी जान से भी हाथ धो बैठते हैं।

चिंता की बात यह है कि महज तीन दशक में मोटापा बढ़ने की यह दर दो गुना हो चुकी है। यही वजह है कि शहरों में आजकल हर चौथा व्यक्ति मोटापे का शिकार दिखायी देता है। दरअसल, देश में जैसे-जैसे आर्थिक समृद्धि आई तो हमारी खान-पान की आदतों में बदलाव आया है। हमारे भोजन में डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ, अधिक शूगर वाले पेय पदार्थ और युवाओं में जंक फूड का उपभोग तेजी से बढ़ा है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि खाद्य तेलों का उपयोग भी बहुत तेज गति से बढ़ा है। आर्थिक विकास से समृद्धि आई तो हमारा खानपान समृद्ध हुआ, लेकिन वहीं शारीरिक निष्क्रियता भी बढ़ी है। दरअसल, खाद्य तेलों का बेतहाशा उपयोग भी मोटापे की वजह बना है। देश में नब्बे के दशक में जहां प्रति व्यक्ति तेल की औसतन खपत साढ़े तीन से चार लीटर थी, जो अब करीब बीस लीटर सालाना हो गई है।

बोध कथा

सुनने की क्षमता का महत्व

एक साल जंगल में बिताने के बाद युवराज अपने राज्य को लौटना चाहता था, पर गुरु की बात को टाल भी नहीं सकता था, इसलिए वह बेमन ही जंगल की ओर बढ़ चला। कई दिन गुजर गए पर युवराज को कोई नई आवाज़ नहीं सुनाई दी। वह परेशान हो उठा। उसने निश्चय किया कि अब वह हर आवाज़ को बड़े ध्यान से सुनेगा। फिर एक सुबह उसे कुछ अनजानी सी आवाजें हल्की-हल्की सुनाई देने लगीं। इस घटना के कुछ दिनों बाद वह गुरु के पास वापस लौटा और बोला- पहले तो मुझे वही ध्वनियां सुनाई दीं जो पहले देती थीं, लेकिन एक दिन जब मैंने बहुत ध्यान से सुनना शुरू किया तो मुझे वो सुनाई देने लगा जो पहले कभी नहीं सुनाई दिया था। मुझे कलियों के खिलने की आवाज सुनाई देने लगी। मुझे धरती पर पड़ती सूर्य की किरणों, तितलियों के गीत और घांस द्वारा सुबह की ओस पीने की ध्वनियां सुनाएं देने लगीं। यह सुनकर गुरुजी खुश हो गए और मुस्कुराकर बोले- अनसुने को सुनने की क्षमता होना एक अच्छे राजा की निशानी है। क्योंकि जब कोई शासक अपने लोगों के दिल की बात सुनना सीख लेता है। बिना उनके बोले, उनकी भावनाओं को समझ लेता है, जो दर्द बयां न किया गया हो उसे समझ लेता है, अपने लोगों की अनकही शिकायतों को सुन लेता है, केवल वही अपनी प्रजा का विश्वास जीत सकता है। कुछ गलत होने पर उसे समझ सकता है और अपने नागरिकों की वास्तविक आवश्यकताओं को पूरी कर सकता है। संदेशः अगर हमें अपनी फील्ड का लीडर बनना है तो हमें भी वो सुनना, सीखना चाहिए जो नहीं कहा गया है।

दृष्टि कोण

मोदी में है विषम परिस्थितियों में कड़े निर्णय लेने की क्षमता

गुजरात के मुख्यमंत्री से प्रधानमंत्री तक का सफर आसान नहीं था। चाय बेचने वाले लड़के से विश्व नेता बनने में उन्होंने सीखा कि दबाव सहना पड़ता है। देश-दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाते हुए तेजी से आगे बढ़ रहा हिन्दुस्तान वुछ देसी-विदेशी ताकतों की आंख की किरकिरी बन गया है। विदेशी ताकतों के साथसाथ हमारे देश के वुछ नेताओं एवं सामाजिक संगठनों को भी आगे बढ़ता भारत रास नहीं आ रहा है। विश्व की राजनीतिक हवाएं भारत के खिलाफ तेजी से बह रही थीं। इसके पीछे इन देशों के वुछ आर्थिक या राजनीतिक कारण हो सकते हैं लेकिन अपने ही देश को खाकर अपने ही देश को नीचा दिखाने में लगे रहने वालों के रवैये पर आर्श्चर्य होता है। भारत के बढ़ते कदमों को रोकने के लिये अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका और यूरोपीय संघ के देशों द्वारा भारत के खिलाफ आर्थिक प्रतिबंधों की साजिश रची जा रही है। अजब तमाशा देखने को मिल रहा है कि जो अमेरिका अपने दुश्मन देश रूस से तमाम चीजें आयात करता है, वही भारत पर इस बात का दबाव डाल रहा है कि वह रूस की जगह अमेरिका से तेल खरीदे। ऐसा नहीं करने पर अमेरिका द्वारा भारत के ऊपर 50 फीसदी टैरिफ ठोक दी गई। क्योंकि अमेरिका के दबाव के बाद भी भारत ने रूस के साथ अपने व्यापारिक संबंधों को बनाए रखा था। जबकि हकीकत यह है कि अमेरिका अपने वुछ उत्पाद, जिसमें मांसाहारी मिल्क प्रोडक्ट्स खासकर शामिल हैं, उसे भारत में खपाना चाहता है, लेकिन मोदी सरकार ने इससे साफ इंकार कर दिया तो कथित विश्व गुरु बौखला गया। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि अगर भारत रूस से तेल खरीदना जारी रखेगा, तो वे जी-7 में भारत को अलग-थलग कर देंगे, उस पर टैरिफ लगा देंगे। ऐसे समय में देश की सबसे पुरानी पाटा कांग्रेस को देश और प्रधानमंत्री के साथ खड़ा होना चाहिये था, लेकिन विपक्षी नेता राहुल गांधी ट्विटर पर पोस्ट कर रहे थे 'मोदी जी की विदेश नीति पेल हो गई है, जनता भुगत रही है।' दिल्ली की सड़कों

पर प्रदर्शन होने लगे, जहां लोग 'मोदी हटाओ, देश बचाओ' के नारे लगा रहे थे। यह सब इंडिया गठबंधन के नेता करा रहे थे। वहीं इससे विचलित हुए बिना मोदी मीटिंग में हर मंत्री से सवाल पूछ रहे थे इन प्रतिबंधों का क्या विकल्प है? क्या प्रभाव पड़ेगा? उनका तरीका है सुनना, विश्लेषण करना और फिर निर्णय लेना। वे कहते हैं, राष्ट्रहित पहले। अंतरराष्ट्रीय दबाव से झुकना नहीं, बल्कि संवाद से समाधान निकालना होगा। उन्होंने निर्णय लिया कि भारत रूस के साथ व्यापार जारी रखेगा, लेकिन अमेरिका से बातचीत बढ़ाएगा। इसी तरह से भारत को चीन की सीमा पर भी तनाव का सामना करना पड़ रहा था। उधर, पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद की घटनाएं फिर से सिर उठा रही थीं। देश के अंदर कांग्रेस, टीएमसी, समाजवादी पाटा सहित कई और दल भी नकारात्मक राजनीति पर उतर आए हैं। वे जनता को भड़काने में लगे हैं। कभी देश के प्रधानमंत्री को 'चौकीदार चोर है' कहकर अपमानित किया जाता है तो कभी आरोप लगाया जाता है कि मोदी सरकार तानाशाही चला रही है। इसी के साथ जनता से ठुकराये गये वुछ नेता और राजनीतिक दल बेरोजगारी, महंगाई और किसानों के समर्थन के नाम पर आंदोलनों और अराजकता पैलाने लगते हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी को हर कदम पर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। मोदी इन विषम परिस्थितियों में वैसे काम करते हैं? वैसे लेते हैं महत्वपूर्ण निर्णय? यह यक्ष प्रश्न है, जहां दृढ़ता, रणनीति और राष्ट्रभत्ति की मिसाल मिलती है। इसको वुछ उदाहरणों से समझा जा सकता है। एक बार, जब कोविड-19 महामारी के दौरान अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ा था, डब्ल्यूएचओ और पामि देश भारत की वैक्सीन नीति पर सवाल उठा रहे थे। तब मोदी ने साहसिक निर्णय लिया था कि भारत स्वदेशी वैक्सीन पर फोकस करेगा। आज भी, 2025 में, जब अंतरराष्ट्रीय दबाव से देश की अर्थव्यवस्था डगमगा रही है, मोदी चट्टान के समान सामने खड़े नजर आ रहे हैं। मोदी जी का पहला सिद्धांत है डेटा आधारित निर्णय। वे कभी भावनाओं में बहकर पैसला नहीं लेते। विपक्ष की नकारात्मक राजनीति से जनता भड़क रही हो, तो भी वे आंकड़ों पर भरोसा करते हैं। किसान आंदोलन के दौरान, जब मोदी सरकार पर किसान-विरोधी होने का आरोप लगाया जा रहा था, तब मोदी ने वृषि विशेषज्ञों से रिपोर्ट मंगवाई और कानूनों को वापस लेने का पैसला किया न कि दबाव में, बल्कि लंबे विचार-विमर्श के बाद। देश के अंदर की चुनौतियां और भी कठिन हैं। विपक्ष नकारात्मक राजनीति कर रहा है। जनता को भड़काने के लिए पेक न्यूज पैला रहा है।

किलमार गार्सिया निर्वासन विवाद: कोस्टा रिका डील अस्वीकार, अब युगांडा भेजने की तैयारी

नैशविल,24 अगस्त (एजेंसियां)।

अमेरिकी आव्रजन अधिकारियों ने संकेत दिया है कि वे किलमार अब्रिगो गार्सिया को युगांडा निर्वासित करने की योजना बना रहे हैं। यह कदम तब सामने आया है जब गार्सिया ने कोस्टा रिका भेजे जाने के बदले जेल में रहने और मानव तस्करी के आरोपों को स्वीकार करने के प्रस्ताव को ठुकरा दिया। यह जानकारी उनकी डिफेंस टीम ने अदालत को शनिवार को दी।

रिपोर्ट के मुताबिक, गुरुवार को दिए गए प्रस्ताव में शर्त थी कि गार्सिया कोस्टा रिका भेजे जाने से पहले जेल में रहेंगे और दोष स्वीकार करेंगे। हालांकि, शुक्रवार को रिहाई के बाद अमेरिकी इमीग्रेशन और कस्टम्स एन्फोर्समेंट (आईसीई) ने उनके वकीलों को सूचित किया कि उन्हें युगांडा निर्वासित किया जाएगा और सोमवार तक रिपोर्ट करने को कहा।

वकीलों के मुताबिक, सरकार ने शुक्रवार शाम तक गार्सिया को यह विकल्प दिया था कि सोमवार सुबह तक वह कोस्टा रिका वाले प्रस्ताव को स्वीकार करें, अन्यथा यह ऑफर हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगा। अदालत में दाखिल दस्तावेजों के साथ कोस्टा रिका सरकार का एक पत्र भी लगाया गया, जिसमें गार्सिया को कानूनी प्रवासी के रूप में स्वीकार करने की सहमति दी गई थी।

गार्सिया का मामला पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आव्रजन नीति में एक विवादास्पद मुद्दा बन गया था, जब मार्च में उन्हें गलती से एल साल्वाडोर भेजा गया था, जबकि अदालत ने पहले ही वहां हिंसा का खतरा होने की बात मानी थी। बाद में जून में अदालत के आदेश पर उन्हें वापस अमेरिका लाया गया और मानव तस्करी के आरोपों में हिरासत में ले लिया गया।

अभियोजन पक्ष का कहना है कि गार्सिया को निर्वासित किया जा सकता है क्योंकि वह अवैध रूप से अमेरिका आए थे और 2019 में एक आव्रजन न्यायाधीश ने उन्हें निर्वासन के लिए योग्य घोषित किया था, हालांकि एल साल्वाडोर नहीं। हाल ही में युगांडा ने अमेरिका से आने वाले निर्वासितों को स्वीकार करने की सहमति दी है, बशर्ते उनके खिलाफ कोई आपराधिक रिकॉर्ड न हो।

वहीं, गार्सिया ने खुद को निर्दोष बताया है और अदालत से केस को खारिज करने की मांग की है, यह कहते हुए कि यह कार्रवाई उन्हें एल साल्वाडोर निर्वासन को चुनौती देने के लिए दंडित करने की कोशिश है।

न्यूज ब्रीफ

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे की तबीयत जेल में बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

कोलंबो। सरकारी धन के कथित दुरुपयोग मामले में 26 अगस्त तक न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के अदालत के आदेश के बाद देश के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे की कोलंबो की रिमांड जेल में पिछली रात अचानक तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल में शिफ्ट किया गया है। कोलंबो पोस्ट के मुताबिक 76 वर्षीय विक्रमसिंघे को चिकित्सकों की सलाह पर आईसीयू में भर्ती कराया गया। वे डिहाइड्रेशन के साथ-साथ हाई बीपी और डायबिटीज की समस्या से जूझ रहे हैं। विक्रमसिंघे को 22 अगस्त को सीआईडी मुख्यालय में गिरफ्तार किया गया, जहां उन्हें सरकारी धन के कथित दुरुपयोग की जांच के संबंध में बयान दर्ज करने बुलाया गया था। उनपर साल 2023 में अपनी पत्नी के दीक्षांत समारोह में भाग लेने के लिए इंग्लैंड की यात्रा में सरकारी धन के दुरुपयोग का आरोप है। इस मामले में गिरफ्तार रानिल विक्रमसिंघे को कोलंबो की अदालत ने जमानत देने से इनकार कर दिया, जिसके बाद उन्हें 26 अगस्त तक न्यायिक हिरासत में भेज भेजा गया। जुलाई 2022 से सितंबर 2024 तक राष्ट्रपति रहे विक्रमसिंघे ने गोटबाया राजपक्षे की जगह ली थी। इस दौरान उन्हें श्रीलंका को आर्थिक संकट से बाहर निकालने का श्रेय दिया गया था। इसके साथ ही उन्होंने छह बार श्रीलंका के प्रधानमंत्री के रूप में भी कार्य किया।

रूस ने यूक्रेन के 143 ठिकानों पर हमले किए, नए प्रतिबंधों की चेतावनी

कीव। डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता में रूस-यूक्रेन शांति वार्ता जारी, लेकिन युद्ध की आग अब भी धधक रही है; रूस ने 143 ठिकानों पर हमले किए, नए प्रतिबंधों की चेतावनी भी दी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शांति स्थापित करने की कोशिशों में लगे हुए हैं। इसके लिए ट्रंप ने हाल ही में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की से मुलाकात की है। हालांकि इन प्रयासों के बीच रूस ने यूक्रेन के डोनेट्स्क क्षेत्र में दो महत्वपूर्ण बस्तियों सेरेड्ने और क्लेबन बाइक पर कब्जा कर लिया है। हमलों में यूक्रेनी सेना और विदेशी लड़ाकों के अस्थायी शिविर भी शामिल रूसी रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह सफलता दक्षिणी और पश्चिमी सैन्य समूहों के अभियानों के तहत हासिल की गई है। मंत्रालय ने आगे बताया कि पिछले 24 घंटों में रूसी सेना ने यूक्रेन के सैन्य औद्योगिक ढांचे और 143 सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। इन हमलों में यूक्रेनी सेना और विदेशी लड़ाकों के अस्थायी शिविर भी शामिल हैं। दूसरी ओर, यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा से बातचीत की और पुतिन के साथ सीधी वार्ता के लिए अपनी तत्परता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि वह कूटनीतिक समाधान के पक्ष में हैं, लेकिन रूस बार-बार युद्ध को लंबा खींचने की कोशिश कर रहा है।

क्वाड का कोई भविष्य नहीं, चीन की भविष्यवाणी क्या सच होगी साबित

वॉशिंगटन। चीनी के प्रमुख अखबार ने तीन साल पहले भविष्यवाणी करते हुए कहा था कि क्वाड का भविष्य नहीं है। उसने कहा था कि भविष्य में क्वाड का कोई महत्व नहीं रह जाएगा। उस वक्त इस भविष्यवाणी को सिर्फ एक प्रोपेगेंडा माना गया था, लेकिन डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल के करीब 200 दिनों में यह साबित कर दिया है कि क्वाड का भविष्य खतरे में है। ट्रंप ने पहले भारत-अमेरिका के रिश्तों को खराब किया और अब उन्होंने जापान के साथ भी अच्छा सलूक नहीं किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक क्वाड बनाने का मकसद इंडो-पैसिफिक में चीन को काउंटर करना था। इसमें चार सदस्य देश हैं, अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और भारत। ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में क्वाड को मजबूत किया था और बाइडेन प्रशासन ने उस नीति को आगे बढ़ाया था, लेकिन अब ट्रंप प्रशासन ने भारत के साथ जापान पर भी टैरिफ लगाए हैं, बल्कि अपमानजनक बयानबाजी भी की है। ट्रंप ने इस गठबंधन की एकजुटता और आपसी विश्वास को तहस-नहस कर दिया है। ट्रंप के फैसले चीन के लिए किसी रणनीतिक जीत से कम नहीं है, क्योंकि खुद वॉशिंगटन ने अपने सबसे करीबी साझेदारों को अपमानित किया है, उनमें अविश्वास पैदा किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप ऐसा अपने घरेलू राजनीति के लिए कर रहे हैं, लेकिन इसका असर अमेरिका की विदेश नीति और एशिया में अमेरिका की पकड़ को कमजोर कर देंगे। ट्रंप ने भारत को पहला बड़ा झटका अप्रैल महीने में 25 फीसदी टैरिफ लगाकर दिया था। इसके बाद उन्होंने रूसी तेल खरीदने को लेकर भारत पर अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ लगा दिया, जिससे भारतीय सामानों पर कुल अमेरिकी टैरिफ बढ़कर 50 फीसदी हो गया है, जिसने भारत और अमेरिका के रिश्ते की बुनियाद हिला दिया है।

एमीन एर्दोगन ने मेलानिया ट्रंप को लिखा पत्र कहा–गाजा के बच्चों की आवाज बनिए

अंकारा,24 अगस्त (एजेंसियां)।

गाजा में हजारों लोगों जान चली गई, लाखों लोग भूख से तड़प रहे हैं। भुखमरी फैल रही है। छोटे-छोटे बच्चे तड़प तड़प का जान दे रहे हैं। इन हालातों के बीचतुर्की की प्रथम महिला एमीन एर्दोगन ने अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप को पत्र लिखकर गाजा में बच्चों की दयनीय स्थिति पर चिंता जताई है। उन्होंने मेलानिया से इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात करने की गुजारिश की है। पत्र में एमीन ने लिखा कि मेलानिया द्वारा हाल ही में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को यूक्रेन के बच्चों के लिए लिखा गया पत्र उन्हें बहुत प्रभावित कर गया। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि आपने यूक्रेन के 648 बच्चों के लिए जो संवेदनशीलता दिखाई, वही गाजा के बच्चों के लिए भी दिखाएंगी। बता दें कि गाजा में हालात बेहद खराब हैं। एक वैश्विक भूख निगरानी समूह ने घोषणा की है कि गाजा शहर और आसपास के इलाकों में भुखमरी शुरू हो चुकी है, और यह संकट और गहरा सकता है। विश्व भर से इजरायल पर दबाव बढ़ रहा है कि वह गाजा में अधिक मानवीय सहायता पहुंचाने की अनुमति दे। हालांकि, इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने भुखमरी की खबर को झूठ करार दिया और कहा कि इजरायल भुखमरी को रोकने की कोशिश कर रहा है, न कि इसे बढ़ाने की। एमीन ने मेलानिया से अपील की कि वे गाजा के लोगों, विशेषकर बच्चों के लिए अपनी आवाज उठाएं, खासकर जब दुनिया भर में फिलिस्तीन को मान्यता देने की मांग बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि यह कदम फिलिस्तीनी लोगों के लिए ऐतिहासिक होगा। यह पत्र शुक्रवार को लिखा गया और तुर्की के राष्ट्रपति कार्यालय ने इसे सार्वजनिक किया। हालांकि अभी तक वाइट हाउस की ओर से इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। 15 अगस्त को अलास्का में पुतिन और ट्रंप की मुलाकात के दौरान मेलानिया ट्रंप मौजूद नहीं थीं। उन्होंने ट्रंप के माध्यम से एक पत्र भेजा था। मेलानिया ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को एक भावनात्मक पत्र लिखकर शांति की अपील की थी। पत्र में यूक्रेन का जिक्र नहीं था, लेकिन मेलानिया ने बच्चों की मासूमियत का उल्लेख करते हुए कहा कि यह मासूमियत किसी सीमा, सरकार या विचारधारा से परे है। उन्होंने पुतिन से आग्रह किया कि वे ऐसे कदम उठाएं, जिनसे युद्ध में फंसे बच्चों की हंसी लौट सके।

चीन में एक होटल में रुम से साथ अब डॉगी बनेगा पार्टनर

वुहान। चीन के वुहान में एक होटल ने ऐसा आइडिया निकाला है कि सुनकर हर कुत्तों से प्यार करने वालों का दिल खुश हो जाएगा। होटल का नाम है कंट्री गार्डन फीनिक्स यह होटल और यहां आपको सिर्फ कमरा नहीं, बल्कि साथ में एक प्यारा कुत्ता भी देगा। यहां करीब 4700 रुपए खर्च करिए और गोल्डन रिट्रीवर, हस्की या वेस्ट हाईलैंड टेरियर जैसे कुत्ते आपके रूम पार्टनर बन जाएंगे। मतलब न अकेलापन, न बोरियत, पूरा टाइम डॉगी दोस्त के साथ गुजार सकेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक होटल ने यह सर्विस जुलाई में शुरू की है और कुछ ही हफ्तों में 300 से ज्यादा लोग इसकी बुकिंग कर चुके हैं। होटल मैनेजर के मुताबिक ज्यादातर ट्रैवलर्स को यह आइडिया पसंद आया क्योंकि उन्हें होटल में रहकर भी 'घर जैसा माहौल' मिल रहा है। बता दें चीन का पेट-इकोनॉमी तेजी से बढ़ रहा है। 2024 में सिर्फ शहरी इलाकों का पेट सप्लाई मार्केट 300 अरब युआन का हो गया। यह साल-दर-साल 7.5 फीसदी बढ़ रहा है। 2027 तक यह मार्केट 400 अरब युआन तक पहुंच जाएगा। चीन में डॉगी कैफ़े, पेट क्लोनिंग, पेट योगा और डॉगी ग्रूमिंग का चलन बढ़ गया है। होटल में डॉगी रूम सर्विस भी इस सूची में जुड़ गया है। एक ग्राहक ने बताया कि पहले उन्हें डर था कि पपी ज्यादा उछलकूद करेगा, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। डॉगी शांत, आज्ञाकारी और दोस्त की तरह व्यवहार करता रहा। अकेलापन, बोरियत होगी दूर, पूरा टाइम दोस्ताना माहौल में गुजरेगा रिपोर्ट के मुताबिक होटल के पास 10 डॉगी (कुत्ते) हैं, हस्की, रिट्रीवर और टेरियर. इनमें से कुछ होटल खुद पालता है, कुछ प्राइवेट ट्रेनर्स या मालिकों से लेता हैं। सभी डॉगी अच्छे से ट्रेनिंग पाए हुए और हेल्थ-चेक्ड हैं। इस सर्विस का मकसद डॉगी को एक्टिविटी और प्यार मिले और गेस्ट को इमोशनल सपोर्ट। खासकर वे लोग जो जानवरों से प्यार करते हैं लेकिन घर पर रखने की सुविधा नहीं है। एक डॉग ओनर ने बताया कि उन्होंने अपना 14 महीने का सामॉयड 'नैचा' होटल को भेजा था। पहले वे उसे पेट कैफे भेजती थीं, लेकिन अब होटल में डॉगी खुश रहता है।

नेपाल में भारतीय महिला का शव सूटकेस में मिला जांच में जुटी पुलिस

काठमांडू,24 अगस्त (एजेंसियां)।

नेपाल के रौतहट जिले में एक लावारिस सूटकेस में महिला का शव बरामद किया गया है। इस मृतक महिला का संबंध बिहार के मुजफ्फरपुर से होने का खुलासा हुआ है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल रौतहट में भेजा है। फोरेंसिक रिपोर्ट और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह का पता चल सकेगा।

रौतहट जिले के डीएसपी कार्की ने बताया कि रविवार की सुबह भारतीय सीमावर्ती जिला रौतहट के गौर में भारतीय सीमा से महज दो किमी भीतर शनिवार की रात करीब 8 बजे सड़क पर एक लावारिस सूटकेस पाया गया। पहले तो पुलिस को उसमें विस्फोटक पदार्थ होने की आशंका हुई, लेकिन फॉरेंसिक टीम के आने बाद सूटकेस खोलने पर उसमें एक महिला शव मिला। उन्होंने बताया कि मृत महिला की पहचान 26 वर्षीया रूबी साह के रूप में हुई है।

डीएसपी राजू कार्की ने बताया कि मृत महिला रौतहट जिले के माधवनारायण में मायके में दो महीने पहले ही अपने चार वर्षीय बेटे के साथ रहने आई थी और वह दो दिनों से लापता थी। उसका घर बिहार के मुजफ्फरपुर बताया गया है। उसका पति अभी भी बिहार के मुजफ्फरपुर में ही रहता है। पुलिस ने महिला का शव पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल रौतहट में भेजा है। पुलिस ने बताया कि फोरेंसिक रिपोर्ट और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह का पता चल सकेगा। स्थानीय पत्रकार प्रेमचंद झा ने बताया कि मृत महिला की मां ने शनिवार को ही पुलिस में अपनी बेटी के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी। वह घर से ब्यूटी पार्लर जाने की बात कहकर गई थी।

चीन का नया परमाणु टॉरपीडोः एक खतरनाक डूम्सडे हथियार

बीजिंग। चीन एक इसतरह के हथियार पर काम कर रहा है जिसे डूम्सडे हथियार कहा जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह एक परमाणु टॉरपीडो है जो समुद्र के भीतर परमाणु विस्फोट करके तटीय शहरों में रेडियोएक्टिव सुनामी ला सकता है। यह तकनीक रूस के पोसाइडन टॉरपीडो से प्रेरित मानी जा रही है। यह एक पानी के भीतर चलने वाला ड्रोन हथियार है, जिसे पनडुब्बियों या युद्धपोतों से लांच किया जा सकता है। इसमें एक छोटा परमाणु रिएक्टर लगा है, जिससे यह 200 घंटे तक लगातार चल सकता है। इसकी गति लगभग 56 किमी/घंटा है और इसकी रेंज हजारों किलोमीटर तक हो सकती है। फिलहाल इसमें पारंपरिक वॉरहेड लगाने की बात कही जा रही है, लेकिन भविष्य में इसे परमाणु वॉरहेड से भी लैस किया जा सकता है। टॉरपीडो तट के पास फटने से परमाणु विस्फोट से पैदा हुई सुनामी तटीय शहरों को पूरी तरह से तबाह कर सकती है। विस्फोट से प्रभावित क्षेत्र लंबे समय तक रहने लायक नहीं रहेंगे क्योंकि वहाँ रेडियोएक्टिव प्रदूषण फैल जाएगा। समुद्री जीवन और पूरे समुद्री पर्यावरण को भारी क्षति पहुँचेगी। चीन इस हथियार को हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने और अमेरिका और उसके सहयोगियों पर दबाव बनाने के लिए विकसित कर रहा है। समझौते के तहत परमाणु पनडुब्बियों की तैनाती और ताइवान पर तनाव के कारण, चीन इसे एक रणनीतिक डर पैदा करने वाला हथियार मान रहा है। अमेरिका और नॉर्वे जैसे देशों ने इस पर चिंता जाहिर की है, लेकिन कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि इतनी बड़ी रेडियोएक्टिव सुनामी पैदा करना तकनीकी रूप से मुश्किल है। हो सकता है कि चीन का यह प्रोजेक्ट केवल मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने और सामरिक वार्ताओं में फायदा पाने का एक तरीका हो। यह हथियार अंतरराष्ट्रीय युद्ध कानूनों और पर्यावरण संधियों का भी उल्लंघन हो सकता है।

बाप रे बाप......पाक में मस्जिदें 6,00,000 और फैक्ट्री और कारखाने 23,000 हजार

इस्लामाबाद,24 अगस्त (एजेंसियां)।

पाकिस्तान में मस्जिदें 6,00,000 से ज्यादा हैं, जबकि फैक्ट्री और कारखानों की संख्या मात्र 23,000 हजार है। पाकिस्तान के इकोनॉमिक सेंसस से जानकारी सामने आई है। यह देश का पहला सर्वे है, जो दिखाता है कि पाकिस्तान ने आर्थिक विकास से ज्यादा ध्यान धार्मिक गतिविधियों पर होता है। सर्वे के सामने आने के बाद कई जानकार ने इसका संबंध पाकिस्तान की खराब आर्थिक हालत से जोड़ा है।

रिपोर्ट से पता चला है कि पंजाब और कराची में आर्थिक प्रतिष्ठानों और कार्यबल दोनों सबसे ज्यादा हैं। इसमें बताया गया कि पाकिस्तान में 6,00,000 मस्जिदें और 36,000 से ज्यादा धार्मिक मदरसे हैं। इसमें से ज्यादातर पंजाब में हैं। वहीं 6,43,000 छोटी उत्पादन इकाइयों के अलावा केवल 23,000 कारखाने ही देश में हैं।

सर्वे में पता चलता है कि पाकिस्तान में कुल 4 करोड़ स्थायी इकाइयों में से 72 लाख रोजगार ढांचे थे, जहां 2023 तक 2.54 करोड़ लोग काम कर रहे थे। कुल 2.54 करोड़ कार्यबल में सबसे बड़ा हिस्सा सेवा क्षेत्र में कार्यरत है, जो 45 प्रतिशत या 1.13 करोड़ है। इसके बाद सामाजिक क्षेत्र का स्थान है, जहां 30 प्रतिशत या 7.6 करोड़ कर्मचारी कार्यरत हैं। पंजाब में सबसे बड़ा कार्यबल है, जहां 1.36 करोड़ कर्मचारी कार्यरत हैं, जो उत्पादन और सेवा दोनों क्षेत्रों में अग्रणी है। सिंध में 5.7 करोड़, खैबर पख्तूनख्वामें 40 लाख और बलूचिस्तान में केवल 1.4 मिलियन कर्मचारी कार्यरत हैं। रिपोर्ट से पता चला है कि पाकिस्तान में अधिकांश व्यवसाय छोटे पैमाने के हैं, जिसमें केवल कुछ ही लोग कार्यरत हैं।

रिपोर्ट में बताया गया है कि 7.1 करोड़ आर्थिक ढांचे 1 से 50 लोगों को रोजगार देते हैं। 51 से 250 लोगों को रोजगार देने वाली फर्मों की संख्या मात्र 35,351 हैं। देश में केवल 7,086 इकाइयां ऐसी हैं जो 250 से अधिक लोगों को रोजगार देती हैं। सर्वे में जिन 72 लाख प्रतिष्ठानों को जियो-टैग किया गया है। उनमें से प्रमुख वर्गीकरणों में 27 लाख खुदरा दुकानें, 188,000 थोक दुकानें, 256,000 होटल और 119,000 अस्पताल शामिल हैं। इसके अलावा, 242,000 स्कूल, 11,568 कॉलेज, 214 विश्वविद्यालय और 19,645 बैंक भी शामिल हैं।

देश में कुल 242,616 स्कूल हैं, जिसमें से अधिकांश सरकारी हैं, और 11,568 कॉलेज हैं। देश में 214 विश्वविद्यालय, 36,331 मदरसे और 119,789 अस्पताल हैं, जिसमें से अधिकांश निजी क्षेत्र के हैं। पाकिस्तान में अधिकांश संरचनाएं पंजाब में हैं, जहां कुल इमारतों का 58 प्रतिशत हिस्सा है। सिंध में 20 प्रतिशत और उसके बाद खैबर पख्तूनख्वा में 15 प्रतिशत है। बलूचिस्तान में 6 प्रतिशत इमारतें हैं। जबकि इस्लामाबाद में सबसे कम केवल 1 प्रतिशत इमारतें हैं।

पाकिस्तान की हुनजा घाटी धरती का स्वर्ग, यहां की महिलाएं हमेशा रहती हैं जवां

चेहरे पर नहीं दिखती झुर्रियां, चमकती त्वचा और ऊर्जा से रहती हैं भरी

करांची,24 अगस्त (एजेंसियां)।

पाकिस्तान की हुनजा घाटी जहां की महिलाएं दुनियाभर में मशहूर हैं। पाकिस्तान के गिलगित-बाल्टिस्तान की हुनजा घाटी को धरती का स्वर्ग कहा जाता है। यह जगह सिर्फ अपनी वादियों और बर्फीली चोटियों के लिए ही नहीं, बल्कि यहां की महिलाओं की खुबसूरती और लंबी उम्र के लिए भी दुनिया भर में मशहूर है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक माना जाता है कि यहां की महिलाओं की चमकती त्वचा और तंदुरुस्ती के पीछे वहां का शुद्ध वातावरण, ताजा खान-पान, खुबानी जैसी हेल्दी डाइट और एक्टिव लाइफ़स्टाइल है। अपनी अच्छी लाइफस्टाइल की वजह से हुंजा वैली की 60-70 साल की उम्र की महिलाएं भी 30-35 साल की नजर आती हैं। आपको उनके चेहरे पर झुर्रियां नजर नही आएंगी। उनकी चमकती त्वचा और ऊर्जा से भरी जिंदगी लोगों को हैरान कर देती है। जानकारी के मुताबिक यहां की हवा और पानी बेहद साफ़ और प्रदूषण रहित है। पहाड़ों और ग्लेशियर का शुद्ध पानी त्वचा और सेहत के लिए वरदान होता है। यहां की महिलाएं ताज़ा और ऑर्गेनिक खाना खाती हैं। खान-पान की बात करें तो महिलाएं खुबानी, चेरी, सेब, सब्जियां और अनाज खाती हैं। खुबानी तो उनकी खूबसूरती का सीक्रेट कहा जाता है। तेल, घी और मसालों का इस्तेमाल बहुत कम होता है। उनके आहार में सब्ज़ियां, जौ, बाजरा, दालें और खासकर खुबानी जरूरी हिस्सा हैं। ये महिलाएं मीठा और पैकेट वाला खाना नहीं खातीं। खुबानी का तेल उनकी त्वचा को जवां बनाए रखता है। हुनजा घाटी की महिलाएं रोजाना कड़ी मेहनत और शारीरिक गतिविधियां करती हैं। पहाड़ों पर रहकर साफ हवा और प्राकृतिक पानी पीकर उनकी सेहत और भी बेहतर रहती है। वे सुबह जल्दी उठती हैं और प्राकृतिक जीवन जीती हैं, जिससे तनाव कम रहता है। ऐसा कहा जाता है कि हुनजा घाटी के लोग अक्सर 90 से 100 साल तक जीते हैं। वहां की ज्यादातर महिलाएं काफी लंबी उम्र तक जीतीं हैं।

सौंफ के सेवन से सेहत को होते हैं चमत्कारी फायदे

वाशिंगटन। अमेरिका की नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के अनुसार, सौंफ में एंटीऑक्सीडेंट्स, फाइबर, विटामिन सी, पोटेशियम, मैग्नीशियम और कैल्शियम जैसे तत्व प्रचुर मात्रा में होते हैं। साथ ही इसमें मौजूद फेनोलिक एसिड और फ्लावोनोइड्स शरीर को हानिकारक तत्वों से बचाते हैं और प्रतिरक्षा क्षमता को मजबूत बनाते हैं। यह पाचन तंत्र के लिए बेहद लाभकारी है। जब ज्यादा भोजन करने से पेट में गैस या अपच की समस्या हो, तो सौंफ चबाने से पेट की मांसपेशियों को आराम मिलता है और पाचन एंजाइम सक्रिय होकर राहत पहुंचाते हैं। वैज्ञानिक अध्ययनों में यह भी पाया गया है कि सौंफ भूख को नियंत्रित करने में मददगार हो सकती है। इसे चबाने पर लार का स्राव बढ़ता है, जिससे पेट भरा हुआ महसूस होता है और अनावश्यक खाने की आदत कम होती है। इस वजह से सही मात्रा में सेवन करने पर यह वजन घटाने में भी सहायक साबित हो सकती है। इसके अलावा, सौंफ में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो शरीर की सूजन को कम करते हैं। यही कारण है कि यह जोड़ों के दर्द, मासिक धर्म के दौरान ऐंठन और अन्य सूजन संबंधी समस्याओं में भी लाभकारी मानी जाती है। महिलाओं के लिए विशेष रूप से फायदेमंद मानी जाने वाली सौंफ का उपयोग लंबे समय से घरेलू उपचारों में होता रहा है। इसके अलावा, यह एक बेहतरीन माउथ फ्रेशनर है। इसमें मौजूद प्राकृतिक तेल न केवल मुंह की दुर्गंध को दूर करते हैं, बल्कि सांसों में ताजगी भी बनाए रखते हैं। यही वजह है कि होटल, ढाबों और शादी समारोहों में भोजन के बाद सौंफ परोसने की परंपरा कायम है। हाल ही में पाकिस्तान के लाहौर विश्वविद्यालय में किए गए एक अध्ययन में भी सौंफ को बेहतरीन प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट स्रोत बताया गया है।

एशियन निशानेबाज चैंपियनशिप की मिश्रित टीम स्पर्धा में एलावेनिल और अर्जुन को स्वर्ण , भारत के स्वर्ण पदकों की तादाद 22 तक पहुंची

नई दिल्ली,24 अगस्त (एजेंसियां) ।

भारतीय निशानेबाजों ने कजाकिस्तान के श्यामकेंट में जारी एशियाई निशानेबाज चैम्पियनशिप की मिश्रित टीम स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक जीते हैं। भारत की ओर से ये पदक एलावेनिल वालारिवन, शांभवी क्षीरसागर और नारायण प्रणव ने जीते। इन्होंने सीनियर और जूनियर दोनों 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीता। अब इससे चैंपियनशिप में भारत के कुल 22 स्वर्ण पदक हो गए हैं।

एलावेनिल ने 316.3 और अर्जुन ने 317.7 अंक हासिल कर क्वालीफिकेशन में कुल 634.0 अंक किये और ओलंपिक टीम स्पर्धा में 27 टीमों में नंबर एक स्थान हासिल किया। इनके अलावा भारत की ही मेहुली घोष ने 317.7 और रुद्राक्ष पाटिल ने 314.9 अंक हासिल कर करते हुए कुल 632.6 अंकों के साथ ही दूसरा स्थान हासिल किया।

टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार मेहुली और रुद्रांक्ष को पदक का अवसर नहीं मिला, क्योंकि एलावेनिल और अर्जुन ने चीन के पेंग शिनलु और लू डिंग के 632.3 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहने के साथ ही ही स्वर्ण पदक पक्का कर लिया। भारतीय खिलाड़ियों ने 16 अंकों की दौड़ की शुरुआत काफी अच्छी की पर कुछ समय में ही चीनी खिलाड़ियों ने वापसी कर ली। शुरुआती सीरीज के बाद भारतीयों को दोबारा बढ़त 10वीं सीरीज में मिल पाई। उन्होंने 11वीं सीरीज जीतने के साथ ही 13-9 की बढ़त हासिल की। इसी चरण में चीनी टीम ने टाइम-आउट लिया और वापसी करते हुए दो शानदार शॉट लगाए, जिससे अंतर काम होककर 13-11 रह गया। हालांकि, इसके बाद भारतीय जोड़ी ने अगले दो शॉट जीतकर स्वर्ण पदक हासिल कर लिया। एयर राइफल मिश्रित टीम जूनियर स्पर्धा में नारायण प्रणव और शंभवी क्षीरसागर ने क्वालिफिकेशन में 629.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहने के साथ ही स्वर्ण पदक की दौड़ में जगह बनाई। वहीं ईशा तकसाले और हिमांशु 628.6 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहे और पदक हासिल नहीं कर पाये। फाइनल में भारतीय जोड़ी का सामना एक अन्य चीनी जोड़ी तांग हुइकी और हान यिनान से हुआ। शुरुआती नौ सीरीज तक मुकाबला बराबरी पर रहा और स्कोर 9-9 से टाई था। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार हाई-10 स्कोर करते हुए छह अंकों की बढ़त हासिल की।

न्यूज ब्रीफ

जब रिंकू को मिला था शाहरुख के साथ चार्टर फ्लाइट में बैठने का अवसर

लखनऊ। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बल्लेबाज रिंकू सिंह ने खुलासा किया है कि उन्हें एक बार बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान के हवाई यात्र का अवसर मिला था। रिंकू का केकेआर के सह-मालिक शाहरुख ने इस यात्रा के लिए आमंत्रित किया था। तब वह पहली बार किसी चार्टर फ्लाइट में बैठे थे। रिंकू को तब टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिली थी। वह स्टैंडबाय सूची में थे। ऐसे में रिंकू को वीजा की औपचारिकताओं के लिए अचानक मुंबई जाना था और तब शाहरुख के साथ उन्हें जाने का अवसर मिला था। रिंकू शुरु में जाने से झिझक रहे थे पर बाद में उन्होंने शाहरुख का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। रिंकू ने कहा कि शाहरुख ने यात्रा के दौरान उनका बहुत हौसला भी बढ़ाया। रिंकू ने शाहरुख को लेकर कहा, वह बड़े दिल वाले इंसान हैं। वह हमेशा सभी से गले मिलते हैं। वह सबसे अच्छे से मिलते हैं, फिर चाहे सीनियर हो या जूनियर। मुझे लगता है कि यही बातें उन्हें एक अच्छा इंसान बनाती है। तब मेरा विश्वकप के लिए मुख्य दल में चयन नहीं हुआ था। मैं स्टैंडबाय में था। टीम चली गई थी थी। तभी मुझे वीजा के लिए जाना पड़ा। ऐसे में शाहरुख सहायता के लिए आगे आये। उनकी मैनेजर का फोन आया कि आप शाहरुख सर के साथ चले जाओ। इस क्रिकेटर ने कहा, मैं एकदम घबरा गया। सोचने लगा कि टीम के सहमालिक के साथ अकेला किस प्रकार जाऊंगा उनके क्या बात करुंगा। मैंने बहुत बार मना किया कि मैं नहीं जा रहा। इसके बाद जब स्वयं शाहरुख सर ने चलने को बोल तो फिर मैं मना नहीं कर पाया। उनके साथ कार में बातचीत हुई। उन्होंने मुझे बहुत प्रोत्साहित किया जबकि वो सत्र मेरे लिए अच्छा नहीं जा रहा था।

मार्श ने 21 मैचों के बाद पहली बार टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी

ग्रेट बैरियर रीफ एरिना। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी कर रहे मिचेल मार्श ने पहली बार टॉस जीतकर बल्लेबाजी ली है। मार्श के इस फैसले को अनौखा इसलिए माना जा रहा है क्योंकि उन्होंने इससे पहले के 21 मैच में टॉस जीतकर हमेशा ही गेंदबाजी की थी। इस तरह 21 मैचों का उनका पहले गेंदबाजी का रिकार्ड टूट गया। मार्श ने अब तक 39 मैचों में ऑस्ट्रेलिया की टीम की ओर से टी20 और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कप्तानी की है। इनमें से 22 मैचों में उन्होंने टॉस जीता है। जिसमें से मार्श ने 21 मैचों में टॉस जीतने के बाद केवल गेंदबाजी चुनी थी पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज को 2-0 से हारने के बाद तीसरे मैच में उन्होंने अपना फॉर्मूला बदला और आखिरी मैच में टॉस जीतने के बाद बल्लेबाजी करने का फैसला किया। मार्श ने अब तक जिन 21 मैचों में टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। उनमें से 13 मुकाबले उनकी टीम ने जीते थे, जबकि 8 मैचों में वह हारी थी। इस तरह कहा जा सकता है कि उनके लिए ये फॉर्मूला सफल तो रहा था, लेकिन पूरी तरह से नहीं, क्योंकि उनका विजयी औसल टॉस जीतकर गेंदबाजी करने के मामले में 60 फीसदी के आसपास था।

सैमसन ने एशिया कप के लिए नंबर छह पर बल्लेबाजी का अभ्यास शुरु किया

मुम्बई। एशिया कप में इस बार बल्लेबाज शुभमन गिल को शामिल किये जाने से अब संजू सैमसन के हाथ से पारी की शुरुआत को मौका निकल गया है। ऐसे में अंतिम ग्यारह में भी अगर वह जगह हासिल करते हैं तो भी उन्हें निचले क्रम पर फिनिशर के तौर पर ही खेलने का अवसर मिलेगा। इसी को देखते हुए ही सैमसन ने अब नंबर छह खेलना भी शुरु कर दिया है। इसी कारण केरल प्रीमियर लीग में खेलते हुए सैमसन नंबर 6 पर बल्लेबाजी करते नजर आए। अपनी घरेलू टी20 लीग में कोच्चि ब्लू टाइगर्स के लिए खेलते हुए सैमसन पहले मैच में बल्लेबाजी करने नहीं उतरे, जबकि दूसरे मैच में नंबर 6 पर नजर आए। हालांकि उनका प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं था, क्योंकि 22 गेंदों में वे सिर्फ 13 रन ही बना सके, जिसमें न कोई चौका शामिल था और न ही कोई छक्का। ऐसे में एक बात तय नजर आ रही है कि वे नंबर 6 की ही तैयारी कर रहे हैं। सैमसन पिछले कुछ समय से लगातार पारी की शुरुआत कर रहे थे। उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत की है। पिछले 10 टी20 मैचों में सैमसन ने तीन शतक भी लगाए हैं पर उनकी अन्य पारियां उतनी अच्छी नहीं रहीं। इसके बाद भी वह सलामी बल्लेबाज के सबसे बड़े दावेदारों में रहे हैं हालांकि अब टीम प्रबंधन की योजना अलग है। इसील कारण मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने जानकारी दी कि सैमसन इसलिए पारी की शुराआत कर रहे थे क्योंकि शुभमन उपलब्ध नहीं थे।

बीसीसीआई, गौतम गंभीर समेत पूर्व दिग्गजों ने दी चेतेश्वर पुजारा को शानदार टेस्ट करियर के लिए बधाई

नई दिल्ली,24 अगस्त (एजेंसियां) ।

भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी टेस्ट बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने भारतीय क्रिकेट के सभी प्रारुपों से सन्यांस ले लिया है। उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर क्रिकेट को अलविदा कहा। उनके सन्यांस पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ), भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर समेत कई पूर्व खिलाड़ियों ने पुजारा को शानदार टेस्ट करियर के लिए बधाई दी है।

बीसीसीआई ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, 103 टेस्ट, 7195 रन, 16217 गेंदों का सामना, 19 शतक और 35 अर्धशतक। टेस्ट क्रिकेट में टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व करने वाले सबसे साहसी और बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक चेतेश्वर पुजारा - शानदार टेस्ट करियर के लिए बधाई और आगे के सफर के लिए शुभकामनाएं।

भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने पुजारा को उनके क्रिकेट करियर के लिए बधाई देते हुए एक्स पर लिखा, जब तूफान आया, तब वे डटे रहे, जब उम्मीदें धूमिल हो रही थीं, तब उन्होंने संघर्ष किया। बधाई हो, पुज्जी।

भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने पुजारा के संन्यास पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, धन्यवाद, पुज्जी भाई।

भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने पुजारा के साथ मैदान पर बिताए पलों को याद किया। उन्हें लिखा कि सिडनी से लेकर गाबा तक मेरी कुछ बेहतरीन यादें आपके साथ बल्लेबाजी करते हुए जुड़ी हैं। मैं हमारी साझेदारियों और भारतीय क्रिकेट में आपके योगदान को हमेशा संजो कर रखूंगा। पुज्जी भाई, आपके शानदार टेस्ट करियर के लिए बधाई और आपके भविष्य के लिए शुभकामनाएं।

पूर्व दिग्गज बल्लेबाज वीरेन्द्र सहवाग ने लिखा, शानदार टेस्ट करियर के लिए बधाई चेतेश्वर पुजारा। आपका धैर्य, दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत प्रेरणादायक थी और आपने जो हासिल किया है उस पर आपको गर्व हो सकता है। एक यादगार दूसरी पारी के लिए शुभकामनाएं।

पूर्व स्टार ऑलराउंडर युवराज सिंह ने लिखा, एक ऐसा व्यक्तित्व जिसने हमेशा देश के लिए अपना तन, मन और आत्मा समर्पित कर दिया। आपके शानदार करियर के लिए ढेरों बधाई पूजी। फिर मिलेंगे। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने लिखा, बधाई हो भाई चेतेश्वर पुजारा। शानदार करियर के लिए आपको और आपके परिवार को शुभकामनाएं। शानदार रिकॉर्डचेतेश्वर पुजारा का टेस्ट में करियर बेहद शानदार रहा। उन्होंने भारतीय टीम के लिए 103 टेस्ट मैचों में 43.60 की औसत से 7195 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 19 शतक और 35 अर्धशतक लगाए। टेस्ट में उनका सर्वाधिक स्कोर नाबाद 206 रन है। पुजारा ने भारत के लिए पांच एकदिवसीय मुकाबले भी खेले, जिसमें उन्होंने 51 रन बनाए।

हीरो एशिया कप 2025 के लिए भारत पहुंची जापानी हॉकी टीम

राजगीर। बिहार के राजगीर में हो रहे प्रतिष्ठित हीरो एशिया कप 2025 के लिए जापान की पुरुष हॉकी टीम शनिवार देर रात यहां पहुंच गई। जापान की टीम टूर्नामेंट के इतिहास में पांच बार चौथे स्थान पर रही है, लेकिन अभी तक पोडियम पर जगह नहीं बना पाई है। एफआईएच विश्व रैंकिंग में वर्तमान में 18वें स्थान पर काबिज जापान को मेजबान भारत, चीन और कजाकिस्तान के साथ पूल ए में रखा गया है। वे अपने अभियान की शुरुआत 29 अगस्त को कजाकिस्तान के खिलाफ करेंगे और उसके बाद 31 अगस्त को मेजबान भारत से भिड़ेंगे, जो एक बेहद रोमांचक मुकाबला होने की उम्मीद है। अपने अंतिम पूल मैच में जापान की टीम एक सितंबर को चीन से भिड़ेगी। हॉकी इंडिया की ओर से रविवार को जारी बयान में जापान टीम के कप्तान राइकी फुजीशिमा ने कहा कि हम इस शहर में अपने पहले टूर्नामेंट के लिए यहां आकर बेहद उत्साहित हैं। हमारा मुख्य लक्ष्य एशिया कप जीतकर 2026 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना है और इसके लिए हम पूरी ताकत से खेलने के लिए प्रतिबद्ध हैं। टीम पूरे टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने और शीर्ष स्तरीय हॉकी का प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित है। उन्होंने कहा, इसमें कोई शक नहीं कि हमारी सबसे कड़ी परीक्षा भारत के खिलाफ होगी। वे इस प्रतियोगिता में सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम है और उन्हें घरेलू मैदान पर भी मजबूत समर्थन का फायदा मिलेगा, लेकिन हमें अपनी क्षमताओं पर भरोसा है। हमें इस बार जीत हासिल करने और पोडियम पर जगह बनाने का पूरा भरोसा है।

एशिया कप 2025 के लिए अफगानिस्तान ने की 17 सदस्यीय टीम की घोषणा

नई दिल्ली,24 अगस्त (एजेंसियां) ।

अफगानिस्तान ने अगले महीने से शुरु हो रहे एशिया कप 2025 के लिए रविवार को अपनी टीम की घोषणा कर दी है। टीम की कमान स्टार खिलाड़ी राशिद खान को सौंपी गई है। एशिया कप के लिए घोषित 17 सदस्यीय स्क्वाड में कई अनुभवी और युवा खिलाड़ी शामिल हैं। मोहम्मद नबी, अजमतुल्लाह उमरजई जैसे स्टार ऑलराउंडर और नूर अहमद, कप्तान राशिद खान तथा मुजीब उर रहमान की स्पिन गेंदबाजी टीम को मजबूती प्रदान करेगी। तेज गेंदबाजों में नवीन-उल-हक, फजलहक फारूकी और फरीद मलिक जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। टीम की बल्लेबाजी भी काफी मजबूत दिख रही है।

एशिया कप से पहले अफगानिस्तान की टीम 29 अगस्त से शारजाह (संयुक्त अरब अमीरात) में शुरू होने वाली टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला में यूएई और पाकिस्तान के साथ खेलेगी। इसमें अफगानिस्तान द्वारा पहले घोषित 22 सदस्यीय प्रारंभिक टीम के अधिकांश खिलाड़ी शामिल होंगे।

अफगानिस्तान क्रिकेट टीम एशिया कप 2025 में अपने पहले मुकाबले में 9 सितंबर को हांगकांग, चीन से भिड़ेगी।

एशिया कप के लिए अफगानिस्तान टीम : राशिद खान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज, इब्राहिम जादरान, दरविश रसूली, सेदिकुल्लाह अटल, अजमतुल्लाह उमरजई, करीम जनत, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नायब, शराफुद्दीन अशरफ, मोहम्मद इशाक, मुजीब उर रहमान, अल्लाह गजनफर, नूर अहमद, फरीद मलिक, नवीन-उल-हक, फजलहक फारूकी।

रिजर्व खिलाड़ी: वफीउल्लाह ताराखिल, नांग्याल खारोटे, अब्दुल्ला अहमदजई

एशिया कप 2025 की शुरुआत 9 सितंबर से होगी और फाइनल मुकाबला 28 सितंबर को खेला जाएगा। यह टूर्नामेंट संयुक्त अरब अमीरात में खेला जाएगा। टूर्नामेंट में 8 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इन टीमों को 4-4 के 2 ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप ए में भारत, यूएई, ओमान और पाकिस्तान की टीमें हैं, जबकि ग्रुप बी में श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, हांगकांग और चीन की टीम हैं।

बीसीसीआई उपाध्यक्ष बोले, रोहित और विराट अभी एकदिवसीय खेलेंगे

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा है कि कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली अभी एकदिवसीय क्रिकेट खेलते रहेंगे और इनके संन्यास की जो भी अटकलें लगायी जा रही हैं। वह पूरी तरह से गलत हैं। शुक्ला के इस बयान से कोहली और रोहित के संन्यास की अटकलों के भी समाप्त होने की संभावना है। कोहली और रोहित ने टेस्ट और टी20 से पहले ही नाम वापस ले लिया था। अब इनका लक्ष्य आईसीसी विश्वकप 2027 खेलना है हालांकि ये दोनो चैम्पियंस ट्रॉफी से ही खेल से दूर हैं, ऐसे में इनके लिए टीम में जगह बनाना आसान नहीं होगा। बोर्ड उपाध्यक्ष ने कहा कि रोहित और विराट दोनो ही फिट हैं और ऐसे में ये एकदिवसीय क्रिकेट खेलते रहेंगे। वहीं प्रशंसक इसलिए परेशान हैं क्योंकि विश्वकप से पहले भारत को कुछ ही एकदिवसीय खेलने हैं। ऐसे में इन दोनो के लिए ही फिटनेस बनाए रखना कठिन होगा। रोहित और विराट के बारे में कोई कुछ भी कहे पर यह अंदाजा हो गया है कि ये अब अधिक समय तक नहीं खेलेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार ऑस्ट्रेलिया दौरा इनका अंतिम अंतरराष्ट्रीय दौर हो सकता है। जिसको लेकर प्रशंसक निराश हैं। शुक्ला के बयान से हालांकि प्रशंसकों को कुछ उम्मीद बनी है। शुक्ला ने पूछा, इन दोनो ने अभी तक संन्यास नहीं लिया इसलिए ये दोनो अभी भी एकदिवसीय खेलेंगे, ऐसे में विदाई की बात क्यों की जा रही है। साथ ही कहा कि बोर्ड अभी भी खिलाड़ियों को संन्यास के लिए नहीं कहता।' इस प्रकार के फैसले हम खिलाड़ियों पर ही छोड़ देते हैं।

एशिया कप के बाद बांग्लादेश के साथ सीमित ओवरों की सीरीज खेलेगा अफगानिस्तान

नई दिल्ली,24 अगस्त (एजेंसियां) ।

अफगानिस्तान क्रिकेट टीम एशिया कप 2025 के बाद अक्टूबर में बांग्लादेश के खिलाफ तीन एकदिवसीय और इतने ही टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज खेलेगी। टी-20 मैच संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के शारजाह में खेले जाएंगे, जबकि एकदीवसीय मैच अबू धाबी में खेले जाएंगे। सीरीज की मेजबानी अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) करेगा।

एसीबी ने रविवार को बताया कि वह 2 से 14 अक्टूबर तक यूएई में तीन एकदिवसीय और इतने ही टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों वाली सफेद गेंद की सीरीज के लिए बांग्लादेश की मेजबानी करेगा। सीरीज की शुरुआत टी20 मैच से होगी और दोनों टीमें 2 अक्टूबर को पहले टी20 मैच में आमने-सामने होंगी, जबकि दूसरा और तीसरा टी20 मैच 3 और 5 अक्टूबर को खेला जाएगा। टी20 सीरीज के बाद तीन एकदिवसीय मैच खेले जाएंगे, जो उसी महीने 8, 11 और 14 अक्टूबर को होंगे।

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के सीईओ नसीब खान ने कहा कि यह दौरा हमारी साझेदारी की मजबूती और तटस्थ स्थानों पर भी विश्वस्तरीय क्रिकेट अनुभव प्रदान करने की हमारी संयुक्त प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के सीईओ निजामुद्दीन चौधरी ने कहा कि हम संयुक्त अरब अमीरात में अफगानिस्तान के साथ होने वाली एक प्रतिस्पर्धी और रोमांचक सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए उत्सुक हैं। यह दौरा न केवल एशिया कप के बाद एक मूल्यवान प्रतिस्पर्धा प्रस्तुत करता है, बल्कि हमारे दोनों क्रिकेट बोर्डों के बीच आपसी सम्मान और मजबूत संबंधों को भी दर्शाता है। मैं इस श्रृंखला की मेजबानी और सहयोग की निरंतर भावना के लिए अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड का आभार व्यक्त करता हूं।

दोनों टीमें टी20 एशिया कप 2025 के पूरा होने के ठीक बाद सीरीज शुरू करेंगे। एशिया कप 9 से 28 सितंबर तक यूएई में ही खेला जाएगा।

ब्रोंको टेस्ट से खिलाड़ियों के चोटिल होने का खतरा बढ़ा : अश्विन

चेन्नई,24 अगस्त (एजेंसियां) ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने कहा है कि आजकल जिस प्रकार से फिटनेस के लिए ब्रोंको टेस्ट को अनिवार्य बनाने पर बात हो रही है। वह सही नहीं है। अश्विन के अनुसार जब भी ट्रेनर बदलते हैं तो खिलाड़ियों के लिए नया फिटसेस टेस्ट आ जाता है। उन्होंने टीम प्रबंधन को आगाह करते हुए कहा है कि ब्रोंको टेस्ट से खिलाड़ियों के चोटिल होने का खतरा काफी बढ़ने की आशंका है। ब्रोंको टेस्ट भारतीय टीम के नये ट्रेनर एड्रियन ले रॉक्स आये हैं। ब्रोंको टेस्ट एरोबिक सहनशक्ति और खिलाड़ी की कार्डियोवैस्कुलर क्षमता को चुनौती देने के लिए विकसित किया गया है। रॉक्स टीम के स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच बने हैं और उन्होंने तेज गेंदबाजों से जिम-आधारित प्रशिक्षण पर निर्भर रहने की जगह पर अपने रनिंग वर्कलोड को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने को कहा है। इंग्लैंड सीरीज में जिस प्रकार मोहम्मद सिराज के अलावा अन्य तेज

गेंदबाजों की फिटनेस पर सवाल उठे थे। उसे देखते हुए ये टेस्ट लाया गया है। अश्विन ने कहा कि जब-जब ट्रेनर बदलते हैं तो नये तरीके आते हैं जिससे क्रिकेटरों को अतिरिक्त चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। अश्विन ने कहा, मैंने हमेशा ट्रेनरों से पूछा है। जब ट्रेनर बदलते हैं, तो टेस्टिंग का तरीका बदल जाता है। ट्रेनिंग की योजनाएं बदल जाती हैं। इससे खिलाड़ियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अश्विन ने कहा, एक खिलाड़ी के रूप में अगर आप ट्रेनिंग का तरीका बार-बार बदलते हैं तो यह खिलाड़ियों के लिए बहुत कठिन हो जाता है। कई मामलों में इससे चोटें भी लग सकती हैं। मैं इसे नकार नहीं रहा हूं, इससे चोटें लगी हैं। साल 2017 से 2019 तक मैं अपनी ट्रेनिंग योजना की खोज कर रहा था। मैंने इसके परिणाम देखे हैं। वहीं जिस ब्रोंको टेस्ट को लेकर सारा बवाल हुआ है। वह रग्बी और फुटबॉल में इस्तेमाल होता है। ये टेस्ट एक खिलाड़ी की एरोबिक सहनशक्ति और रिकवरी क्षमता का आंकलन करता है। इस टेस्ट को बिना ब्रेक के 20 मीटर, 40 मीटर और 60 मीटर की पांच शटल रन के साथ पूरा करना होता है।

टीम चयन में मेरी भूमिका नहीं रही : पीसीबी अध्यक्ष

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम और विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान को एशिया कप के लिए टीम में शामिल नहीं किये जाने का फैसला चयनसमिति का था और इसमें उनकी कोई भूमिका नहीं रही है। नकवी ने ये बात टीम चयन को लेकर उठे विवाद को लेकर कही है। कई लोगों ने अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को टीम से बाहर रखे जाने पर सवाल उठाये थे। इसल को लेकर पीबीबी प्रमुख का बयान आया है। नकवी ने इस मामले की जिम्मेदारी चयनसमिति पर डाल दी है। नकवी ने कहा, सबसे पहले मेरी खिलाड़ियों को टीम में शामिल करने या बाहर करने में मेरी एक फीसदी भूमिका नहीं है। हमारे पास एक चयन समिति और फिर एक सलाहकार इकाई है। वे सभी मिलकर टीम तय करते हैं। चयन की यह प्रक्रिया काफी चीजों से होकर गुजरती है। किसी भी बड़े टूर्नामेंट के लिए टीम चुने जाने से पहले 8 से 10 घंटे की चर्चा होती है. कभी-कभी तो 2-3 दिनों तक भी ये चलता है। निश्चित रूप से अगर एक टीम का चयन हो रहा है तो इसमें सवाल नहीं उठाने चाहिये क्योंकि हमारे यहां सभी काफी पेशेवर हैं। मैंने उन्हें केवल एक बात कही है। जो भी फैसला वे लें, वह योग्यता पर आधारित होना चाहिए, और मैं उसका समर्थन करूंगा। एशिया कप टीम में पावर-हिटर्स पर अधिक जोर दिया गया है, इसी कारण साइम अयूब, साहिबजादा फरहान और फखर जमान को शीर्ष क्रम की जिम्मेदारी संभालने रखा गया है। वहीं बाबर और रिजवान ने दिसंबर 2024 से किसी भी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में हिस्सा नहीं लिया है। इसलिए उन्हें जगह नहीं मिली है। नकवी ने कहा, जो भी उपलब्ध था, मैंने उसे निखारा और आगे बढ़ाया।

विदेश में खाद्य तेलों में मजबूती से आयातित तेल की कीमतों में सुधार

नई दिल्ली,24 अगस्त (एजेंसियां)।

बीते सप्ताह खाद्य तेलों के घरेलू बाजार में मिश्रित रुख देखने को मिला। विदेशी बाजारों में कीमतों में मजबूती के असर से आयातित तेलों, विशेषकर सोयाबीन तेल, कच्चा पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन तेल के दाम में तेजी दर्ज की गई।

सोयाबीन, पाम तेलों के भाव बढ़े, कमजोर मांग के चलते सरसों व बिनौला तेल के भाव फिसले

दूसरी ओर सरसों और बिनौला तेलों के भाव में गिरावट देखी गई, जबकि मूंगफली तेल के दाम स्थिर रहे। बाजार सूत्रों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेलों के भाव बढ़ने से घरेलू बाजार में भी सोयाबीन डीगम, पाम और पामोलीन के भाव में सुधार हुआ। सोयाबीन डीगम 150 रुपए की बढ़त के साथ 10,550 प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। सीपीओ 11,850 और पामोलीन दिल्ली 13,450 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। हालांकि सरसों तेल-तिलहन पर उच्च कीमतों का असर पड़ा।

थोक भाव ऊंचा होने के कारण उठाव कमजोर रहा। सरसों दाने 50 रुपए गिरकर 7,225-7,275 प्रति क्विंटल, सरसों दादरी तेल 250 रुपए की गिरावट के साथ 15,750 प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसके अलावा, कमजोर मांग के चलते बिनौला तेल के दाम 300 रुपए की गिरावट के साथ 13,000 रुपए प्रति क्विंटल पर आ गए।

मूंगफली तेल-तिलहन बाजार में सुस्ती के चलते स्थिर रहा। मूंगफली तिलहन 5,700-6,075, गुजरात मूंगफली तेल 13,500 रुपए प्रति क्विंटल पर टिका रहा। विशेषज्ञों का मानना है कि अक्टूबर में नई फसलों की आवक (सोयाबीन, कपास, मूंगफली) और बढ़ा हुआ न्यूनतम समर्थन मूल्य बाजार पर असर डालेगा। पुराने स्टॉक की खपत पहले से ही धीमी है, जिससे आगे की रणनीति चुनौतीपूर्ण हो सकती है।

न्यूज ब्रीफ

महिंद्रा एंड महिंद्रा नया विनिर्माण संयंत्र स्थापित करेगा, वर्ष 2027 तक ईवी उत्पादन लक्ष्य, इगतपुरी में भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया जारी

नई दिल्ली। महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) देश और विदेश में बढ़ती मांग को देखते हुए एक नया विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने जानकारी दी कि महिंद्रा वर्तमान में नई फैक्ट्री के लिए उपयुक्त जमीन की तलाश में है, ताकि भविष्य में उत्पादन क्षमता में विस्तार किया जा सके। कंपनी ने हाल ही में अपना नया मॉड्यूलर मल्टी-एनर्जी प्लेटफॉर्म 'एनयू आईक्यू' पेश किया है, जो इलेक्ट्रिक और अन्य ऊर्जा विकल्पों पर आधारित नई एसयूवी श्रृंखला को समर्थन देगा। इस प्लेटफॉर्म का पहला उत्पाद 2027 तक बाजार में आने की उम्मीद है। यह मंच भारत के साथ-साथ वैश्विक बाजारों में अप्रयुक्त संभावनाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। महिंद्रा के वाहन प्रभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक कंपनी अपने मौजूदा चाकन संयंत्र की उत्पादन क्षमता को 2.4 लाख यूनिट तक बढ़ाने की योजना पर भी विचार कर रही है। लेकिन ईवी क्षेत्र में कंपनी का लक्ष्य 2027 तक 10 लाख यूनिट की वार्षिक उत्पादन क्षमता हासिल करना है, जिसके लिए अतिरिक्त सुविधाओं की आवश्यकता होगी। इस क्रम में महिंद्रा ने महाराष्ट्र सरकार को इगतपुरी में 350 एकड़ भूमि अधिग्रहण के लिए रुचि पत्र भी सौंपा है। कंपनी के पास पहले से ही नासिक और इगतपुरी में संयंत्र हैं।

फेडरल रिजर्व के फैसले, वैश्विक आंकडों से तय होगी बाजार की चाल

नई दिल्ली। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में संभावित कटौती के संकेत से वैश्विक बाजारों में तेजी आई है, जिसका सकारात्मक प्रभाव घरेलू शेयर बाजार पर भी पड़ सकता है। निवेशकों को दरों में नरमी की उम्मीद जैक्सन हॉल संगोष्ठी में फेड अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने कहा कि मुद्रास्फीति पर नियंत्रण की दिशा में प्रगति हो रही है, जिससे निवेशकों को दरों में नरमी की उम्मीद बंधी है। इसके चलते अमेरिकी बाजारों में जोरदार तेजी देखी गई, वहीं डॉलर सूचकांक में कमजोरी आई। विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय बाजार को भी इससे सहारा मिल सकता है। हालांकि, अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर अतिरिक्त 25 फीसदी शुल्क लगाने की 27 अगस्त की समयसीमा निवेशकों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। विश्लेषकों के अनुसार इस मुद्दे पर स्पष्टता आने तक विदेशी निवेशकों (एफआईआई) की भागीदारी सीमित रह सकती है। इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार का रुख विदेशी निवेश, वैश्विक संकेतों और भारत, अमेरिका एवं चीन के प्रमुख आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर करेगा।

हेलिक्स अल्ट्रा मोटर ऑयल का नया संस्करण लॉन्च

नई दिल्ली। कंपनी शेल इंडिया ने अपने प्रीमियम उत्पाद हेलिक्स अल्ट्रा मोटर ऑयल का नया संस्करण लॉन्च किया। लॉन्च कार्यक्रम में शेल लुब्रिकेंट्स एशिया-प्रशांत और भारत की वरिष्ठ उपाध्यक्ष मानसी मदान तथा शेल इंडिया के मुख्य विपणन अधिकारी अमित घुगरे मौजूद रहे। नया शेल हेलिक्स अल्ट्रा प्योरप्लस तकनीक से तैयार किया गया है, जिसके जरिए प्राकृतिक गैस को 99.5प्रतिशत शुद्ध बेस ऑयल में बदला जाता है। यह वैश्विक स्तर पर अपनाए जा रहे 2025 एपीआई एसक्यू मानक को पूरा करता है। कंपनी का दावा है कि इस तकनीक से इंजन को 1.8प्रतिशत अधिक शक्ति, 3.4प्रतिशत बेहतर प्रतिक्रिया और 100 प्रतिशत पावर रिटेंशन मिलेगा। यह न केवल ड्राइविंग अनुभव को बेहतर बनाएगा, बल्कि ईंधन की बचत और इंजन की उम्र भी बढ़ाएगा। शेल ने इसके साथ हेलिक्स रेंज की नई पैकेजिंग और वैश्विक अभियान अनलीश द पावर विदिन की भी शुरुआत की। इस अभियान में स्कुडेरिया फेरारी एचपी के ड्राइवर चार्ल्स लेक्लर और लुईस हैमिल्टन शामिल हैं। नई पैकेजिंग को ग्राहकों की सुविधा और शेल्फ पर दृश्यता को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बांग्लादेश में...

अमेरिका के वांछित आतंकवादी मेजर जिया की खुली घोषणा के बाद उस पर कार्रवाई करने के बजाय अमेरिकी विदेश विभाग ने मेजर जिया पर 50 लाख अमेरिकी डॉलर के इनाम की घोषणा अपने वेबसाइट से हटा दी। जबकि अमेरिका के वांछित आतंकी के बांग्लादेश से प्रत्यर्पण की कार्रवाई होनी चाहिए थी।महिला सशक्तिकरण का विरोध और लोकतंत्र के बजाय शरिया कानून लागू करने की वकालत करने वाले मुस्लिम ब्रदरहुड की एक वैचारिक शाखा, जमात-ए-इस्लामी ने 1 अगस्त 2025 से बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों से जजिया कर वसूलना शुरू कर दिया। 25 जुलाई 2025 को जमात-ए-इस्लामी बांग्लादेश के अमीर डॉ. शफीकुर्रहमान ने सार्वजनिक रूप से घोषणा की थी कि हिंदुओं और गैर-मुसलमानों को जजिया कर उसी तरह देना होगा जैसे मुसलमान ज़कात देते हैं। डॉ. रहमान ने कहा था कि हिंदुओं और अल्पसंख्यकों को अगर वास्तव में समान अधिकार चाहिए, तो उन्हें जजिया देना होगा। शरिया कानून के अनुसार यही सही है। जजिया कर इस्लामी देशों में गैर-मुसलमानों पर लगाया जाने वाला एक मध्यकालिक बर्बर कर है, जिसे गैर मुस्लिम या दोयम दर्जे के नागरिकों पर लादा जाता था।उल्लेखनीय है कि जून 2025 में अमेरिकी सीनेटर टेड क्रूज ने मुस्लिम ब्रदरहुड को आतंकवादी संगठन घोषित करने वाला विधेयक (संख्याः एचआर-3883) पेश किया। इसके पारित होते ही मुस्लिम ब्रदरहुड और जमात-ए-इस्लामी समेत दुनियाभर में ब्रदरहुड से जुड़े समूहों पर गंभीर प्रभाव पड़ेंगे। हालांकि, सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे संगठन प्रतिबंधित घोषित होने के बाद भी अपनी गतिविधियां नहीं रोकते और अन्य छद्म नामों से अपना काम करते रहते हैं और वैश्विक विस्तार करते रहते हैं।जमात-ए-इस्लामी ने 1971 में बांग्लादेश के स्वतंत्रता संग्राम का विरोध किया था। पाकिस्तान का पक्ष लिया था और बंगाली नागरिकों के नरसंहार के दौरान पाकिस्तानी सेना के साथ सक्रिय रूप से सहयोग किया था। आज, इस पार्टी को पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के साथ-साथ विभिन्न इस्लामी और जेहादी संगठनों का निरंतर संरक्षण प्राप्त है। पश्चिम में, जमात के काउंसिल ऑन अमेरिकन-इस्लामिक रिलेशंस (सीएआईआर) और इस्लामिक सर्कल ऑफ नॉर्थ अमेरिका (आईसीएनए) के साथ गहरे संबंध हैं। ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के अनुसार, जमात से जुड़े ये संगठन अमेरिकी संघीय एजेंसियों विशेष रूप से यूएसएड, कृषि विभाग और संघीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी (फेमा) से धन प्राप्त करने में सफल रहे हैं। मिडिल ईस्ट फोरम के सैम वेस्ट्रॉप ने दस्तावेजी प्रमाण दिए हैं कि लाखों डॉलर की रकम आतंकवाद से जुड़े अमेरिका स्थित इस्लामी समूहों को दी गई है। यह प्रवृत्ति ट्रम्प प्रशासन के दौरान भी जारी है।बांग्लादेश में पिछले साल हुए सत्ता परिवर्तन के बाद से, बांग्लादेश की धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक नींव तेजी से कमजोर हुई है। अंतरिम सरकार के मुखिया मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में कट्टरपंथी इस्लामी समूहों का हौसला बढ़ गया है और वे खुलेआम बांग्लादेश को एक धर्मतंत्रीय राज्य में बदलने की कोशिश कर रहे हैं। यूनुस ने आईएसआईएस और अल-कायदा को अपनी क्षेत्रीय उपस्थिति बढ़ाने का पूरा मौका दिया है। पाकिस्तानी आईएसआई के लिए यह बदला लेने का सुनहरा मौका है, इसलिए उसने बांग्लादेश और भारत में अपनी विध्वंसक गतिविधियां काफी तेज कर दी हैं। यूनुस के संरक्षण और पाकिस्तान के सहयोग से बांग्लादेश में अल-कायदा के गुर्गों और अन्य इस्लामी चरमपंथियों की बांग्लादेश में गतिविधियां बढ़ गई हैं।जमात-ए-इस्लामी द्वारा जजिया कर लगाने के ऐलान से स्पष्ट है कि बांग्लादेश के धार्मिक अल्पसंख्यकों को शरिया-आधारित एजेंडे के तहत व्यवस्थित रूप से निशाना बनाया जा रहा है। यह कार्रवाई बांग्लादेश के 1972 के संविधान में निहित धर्मनिरपेक्ष सिद्धांतों का उल्लंघन करने के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार मानदंडों को भी कमजोर करती है। अगर बांग्लादेश में जजिया कर की वसूली बेरोकटोक जारी रहने दी गई, तो बांग्लादेश मध्ययुगीन बर्बर धार्मिक विभेद की ओर बढ़ता जाएगा और हिंदू, ईसाई, बौद्ध और अन्य अल्पसंख्यक अपने ही देश में दोयम दर्जे के नागरिक बनकर रह जाएंगे। यह घटना बांग्लादेश का घरेलू मुद्दा नहीं है, यह दक्षिण एशिया में उग्रवादी इस्लामवाद के पुनरुत्थान के बारे में दुनिया के समक्ष चेतावनी है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय, खासकर धार्मिक स्वतंत्रता को महत्व देने वाले लोकतांत्रिक देशों को, बांग्लादेश को एक धर्मनिरपेक्ष राज्य के रूप में धर्मतंत्रवादी अतिवाद द्वारा निगले जाने की एक और चेतावनी भरी कहानी बनने से पहले निर्णायक कार्रवाई करनी चाहिए।

ढाका में क्या...

पाकिस्तानी विदेश मंत्री ढाका में जमात-ए-इस्लामी बांग्लादेश जैसे कट्टरपंथी संगठनों के नेताओं से भी मिलने वाले हैं। यह संगठन भारत विरोधी रुख और अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के आरोपों के चलते लंबे समय तक प्रतिबंधित रहा है।

संगठन के स्कूलों...

सरकारी और खुफिया एजेंसियों ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि फलाह-ए-आम ट्रस्ट के ये स्कूल सीधे या परोक्ष रूप से प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी संगठन से जुड़े हुए हैं। इसके साथ ही, इन स्कूलों की जो मैनेजिंग कमेटियां थीं, जिनकी वैधता भी खत्म हो चुकी थी। खुफिया एजेंसियों ने यह भी कहा कि इन स्कूलों की गतिविधियों पर नजर रखने की जरूरत है क्योंकि ये संगठन के प्रभाव में चल रहे थे।सरकार ने इन 215 स्कूलों को फिलहाल सीधे जिला प्रशासन के नियंत्रण में ले लिया है। अब इन स्कूलों की देखरेख संबंधित जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) या डिप्टी कमिश्नर (डीसी) करेंगे। आगे चलकर सरकार इन स्कूलों के लिए एक नई मैनेजिंग कमेटी बनाएगी जो पूरी तरह वैध और पारदर्शी तरीके से काम करेगी। सरकार ने यह भी कहा है कि यह कदम किसी राजनीतिक या धार्मिक कारण से नहीं, बल्कि बच्चों के भविष्य और शिक्षा की गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। सबसे बड़ा सवाल यह था कि इन स्कूलों के संचालन में बदलाव से बच्चों की पढ़ाई पर बुरा असर न पड़े। इस पर सरकार ने आश्वासन दिया है कि किसी भी छात्र की पढ़ाई नहीं रुकेगी। जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग मिलकर इन स्कूलों को पहले की तरह चलाते रहेंगे। सभी छात्रों को नियमित रूप से कक्षाएं मिलेंगी और किसी को भी स्कूल छोड़ने की जरूरत नहीं पड़ेगी। सरकार का यह भी कहना है कि अब इन स्कूलों में नई शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जाएगी, जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सकेगा।

तो लादेन को...

यूरोपीय संघ का रूस से जारी व्यापार भारत-रूस व्यापार से बहुत बड़ा है।डॉ. जयशंकर ने यह स्वीकार किया कि पिछले कुछ वर्षों में भारत की ओर से रूसी कच्चे तेल की खरीद बढ़ी है और कहा कि यह राष्ट्रीय हितों से प्रेरित है। उन्होंने कहा, यह हमारा अधिकार है। हम तेल बाजार को स्थिर करने के लिए रूस से तेल खरीद रहे हैं। यह हमारे राष्ट्रीय हित में है। हमने कभी इसके विपरीत दावा नहीं किया, लेकिन हम यह भी कहते हैं कि यह वैश्विक हित में है। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत पाकिस्तान के साथ अपने संबंधों में किसी तीसरे पक्ष या देश की मध्यस्थता स्वीकार नहीं करता है और पिछले 50 से अधिक वर्षों से इस पर राष्ट्रीय सहमति रही है। उनका यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बार-बार इस दावे पर आया कि उन्होंने मई में भारत-पाकिस्तान सैन्य संघर्ष को रुकवाया था।

खतरनाक रास्ते पर...

प्रधानमंत्री को चोर कहने पर सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें डांटा था। राफेल के बारे में भी इसी तरह बकवास की थी। फिर यह भी दावा किया था कि चीन ने हमारी जमीन पर कब्जा कर लिया है। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें फटकारते हुए कहा था कि उन्हें एक भारतीय नागरिक की तरह बोलना चाहिए।

इसरो ने किया...

अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष की सैर कराई जाएगी। यान को इसी साल लॉन्च करने की योजना है। पहले मानव रहित परीक्षण उड़ान होगी, जिसमें एक व्योममित्र रोबोट भेजा जाएगा। गगनयान मिशन तीन दिवसीय है। मिशन के लिए 400 किलोमीटर की पृथ्वी की निचली कक्षा पर मानव को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा और फिर सुरक्षित पृथ्वी पर वापस लाया जाएगा।

हाल ही में इसरो ने गगनयान मिशन के लिए सर्विस मॉड्यूल प्रोपल्शन सिस्टम (एसएमपीएस) का काम सफलतापूर्वक पूरा किया था।हॉट परीक्षण के दौरान प्रोपल्शन सिस्टम का प्रदर्शन पूर्वानुमानों के अनुसार सामान्य रहा। इसरो के मुताबिक, गगनयान के सर्विस मॉड्यूल में एक खास सिस्टम लगाया गया है जो दो तरह के ईंधन से चलता है। यह सिस्टम उस हिस्से को मदद करता है जो इंसानों को लेकर अंतरिक्ष में जाएगा। इसका काम रॉकेट को सही कक्षा (ऑर्बिट) में पहुंचाना, उड़ान के दौरान दिशा को नियंत्रित करना, जरूरत पड़ने पर रॉकेट की गति को धीमा करना और अगर कोई गड़बड़ी हो जाए तो मिशन को बीच में रोककर अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित वापस लाना है।इसरो की आगामी योजनाओं का खाका भी सामने आया। साल के अंत तक गगनयान-1 मिशन लॉन्च होगा, जिसमें मानव-रोबोट व्योममित्रा अंतरिक्ष की यात्रा करेगा। 2027 में भारत अपनी पहली मानवयुक्त अंतरिक्ष उड़ान करेगा। इसके बाद 2028 में चंद्रयान-चार, शुक्र मिशन और 2035 तक भारत अंतरिक्ष स्टेशन की स्थापना की योजना है। मंत्री ने कहा कि 2040 तक एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री को चंद्रमा पर भेजने का लक्ष्य रखा गया है।

देश की आर्द्रभूमि...

अदालत ने साफ कहा कि राज्य आर्द्रभूमियों प्राधिकरण कछुए की चाल से काम कर रहे हैं। इसलिए सभी राज्यों को आदेश दिया गया है कि दो महीने के भीतर सभी आर्द्रभूमियों की सीमा चिन्हित कर इसे सार्वजनिक करें। अदालत ने यह भी कहा कि यदि निर्देश का पालन नहीं हुआ तो संबंधित राज्यों के पर्यावरण विभाग के सचिवों को व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश होना होगा।न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने कहा कि अब तक राज्यों द्वारा की गई कवायद बेहद निराशाजनक रही है। कोर्ट ने कहा कि पहले भी दिशा-निर्देश दिए गए थे, लेकिन नतीजे सकारात्मक नहीं निकले। अदालत ने साफ चेतावनी दी कि अगर राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण ने इस आदेश को गंभीरता से नहीं लिया तो कोर्ट मजबूरन कठोर आदेश पारित करेगा।सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चूंकि आर्द्रभूमि की पहचान की जा चुकी है, इसलिए अब राज्यों की जिम्मेदारी है कि वे इन्हें अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित करें। अदालत ने आदेश दिया कि यह काम तुरंत पूरा किया जाए और अनुपालन का शपथपत्र दायर किया जाए। साथ ही यह भी कहा गया कि अगली सुनवाई से पहले यह प्रक्रिया पूरी हो जानी चाहिए। कोर्ट ने 19 अगस्त को दिए अपने आदेश में यह भी स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार को भी राज्यों के आर्द्रभूमि प्राधिकरणों के साथ समन्वय स्थापित करना होगा और लंबित अधिसूचनाओं को जल्द जारी करना होगा।पीठ ने यह भी कहा कि आंकड़ों के अनुसार 2.25 हेक्टेयर से छोटी आर्द्रभूमि की संख्या लगभग 5,55,557 है और इन्हें भी मौजूदा नियमों के अनुसार चिन्हित करना अनिवार्य है। अदालत ने कहा कि राज्यों द्वारा दाखिल किए जाने वाले शपथपत्रों में यह भी बताया जाना चाहिए कि इन छोटी आर्द्रभूमि की रक्षा के लिए अब तक क्या कदम उठाए गए हैं और आगे क्या कदम उठाए जाएंगे। अदालत ने यह मामला 7 अक्टूबर को अगली सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है।यह मामला पक्षी प्रेमी आनंद आर्य, अधिवक्ता एम.के. बालाकृष्णन और एनजीओ वनशक्ति द्वारा दाखिल जनहित याचिका पर चल रहा है। सुनवाई के दौरान अधिवक्ता आकाश वशिष्ठ ने हस्तक्षेपकर्ताओं की ओर से कहा कि इसरो ने पहले ही 2,31,195 आर्द्रभूमि (2.25 हेक्टेयर से बड़े) की पहचान कर ली है, जबकि छोटे आर्द्रभूमि की संख्या 5,55,557 है। उन्होंने अदालत से आग्रह किया कि इन सभी आर्द्रभूमि को सुरक्षित करने की दिशा में जल्द और ठोस कार्रवाई की जाए, क्योंकि यह पर्यावरण और जैव विविधता के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं।

डिजिटल हवाला...

कम-से-कम भारत से छिपी नहीं थीं। जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठन पाकिस्तान में खूब फलते फूलते रहे और आतंक का कारोबार बिल्कुल धीमा नहीं हुआ। आतंकियों को अपना खर्च चलाने के लिए पैसे की जरूरत थी और बैंक खातों की निगरानी के चलते यह काम मुश्किल होता जा रहा था। इसके लिए अब ईजीपैसा और साडापे जैसे पाकिस्तानी डिजिटल वॉलेट्स का सहारा लिया जा रहा है।

आईएसआई और जैश 300 मस्जिदों और मरकजों के निर्माण के नाम पर 3.9 बिलियन पाकिस्तानी रुपए इकट्ठा करने की कोशिश में जुटे हैं। ऐसे ही मरकजों का इस्तेमाल आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा किया करता था। भारत की एजेंसियों का मानना है कि इस पैसे के बड़े हिस्से का इस्तेमाल आतंकियों के पालन-पोषण और आतंक के लिए हथियार खरीदने में किया जाता है। जैश का लक्ष्य है कि वह इस पैसे के जरिए 313 नए कैंप खोल दे। सैकड़ों की तादाद में नए कैंप खोलने का मकसद भारत का डर भी है। जिस तरह ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने जैश के ठिकानों को उड़ाया है, ऐसे में वो भारत को कन्फ्यूज करने के लिए बड़ी संख्या में नए कैंप खोल रहा है।पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में किए गए ऑपरेशन सिंदूर में जैश के हेडक्वार्टर मरकज सुभानअल्लाह को भी उड़ा दिया गया था। साथ ही, जैश के चार अन्य ट्रेनिंग कैंप मरकज बिलाल, मरकज अब्बास, महमोना जोया और सरगल भी नष्ट कर दिए गए थे। भारत के इस ऑपरेशन में 100 से अधिक आतंकी मारे गए थे।यह पैसा आतंकी के मसूद अजहर के परिवार के सदस्यों के नाम पर बने डिजिटल वॉलेट के जरिए इकट्ठा किया जा रहा था। बैंकों के जरिए लेन-देन ना होने पर पाकिस्तान यह कहकर अपनी जान छुड़ा सकता था कि जैश को मिलने वाले धन में कटौती हो गई है जबकि असल में भारी संख्या में पैसा आतंकियों के पास पहुंच रहा है। खुफिया एजेंसियों को पांच ऐसे वॉलेट का पता चला है जिसका जैश से सीधा संबंध है। एक साडापे का खाता मसूद अजहर के भाई तल्हा अल सैफ (तल्हा गुलजार) के नाम पर था, जो पाकिस्तानी मोबाइल नंबर +92 302556 से जुड़ा था। यह नंबर जैश के हरिपुर जिला कमांडर अफताब अहमद के नाम पर रजिस्टर्ड था। मसूद अजहर के बेटे अब्दुल्ला अजहर के मोबाइल नंबर +92 334937 से भी एक इजीपैसा वॉलेट जुड़ा हआ था। वहीं, गाजा में मदद के नाम पर भी एक वॉलेट चलाया जा रहा था। यह वॉलेट +92195206 नंबर से चलाया जा रहा था और खालिद अहमद के नाम पर था। जबकि इसे मसूद अजहर का बेटा हम्माद अजहर संचालित कर रहा था।ऑनलाइन पैसा लेने के अलावा जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी जुमे की नमाज के दौरान भी मस्जिदों से पैसा इकट्ठा कर रहे हैं। इन्हें इस तरह दिखाया जाता है कि इस पैसे का इस्तेमाल गाजा में मदद के लिए किया जाएगा लेकिन असल में इस पैसे को जैश अपने आतंकी इरादों को पूरा करने के लिए ही जुटा रहा था। जैश के कमांडर वसीम चौहान (उर्फ वसीम खान) का एक वीडियो भी सामने आया था जिसमें वह एक जुमे की नमाज के बाद इकट्ठा हुए पैसे को गिन रहा था। मसूद अजहर और उसके करीबियों द्वारा चलाया जाने वाला एक ट्रस्ट अल-रहमत भी आतंकी फंडिग के इस अभियान में एक अहम कड़ी बन गया है। यह ट्रस्ट गुलाम मुर्तजा के नाम से संचालित नेशनल बैंक ऑफ पाकिस्तान के एक खाते (खाता नंबर 105दद9) के जरिए धन इकट्ठा कर रहा था। यह ट्रस्ट हर साल जैश के फंड में करीब 100 करोड़ पाकिस्तान रुपए का योगदान देता है।मसूद अजहर का परिवार एक समय में 7 से 8 वॉलेट्स ऑपरेट करता है और हर 4 महीने बाद उन्हें बदल देता है। जब किसी वॉलेट में बड़ी रकम इकट्ठी हो जाती है तो उसे छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर नकद निकाल लिया जाता है। बताया जा रहा है कि हर महीने करीब 30 नए वॉलेट्स खोले जाते हैं। ये डिजिटल वॉलेट्स डिजिटल हवाला की तरह काम करते हैं, जो बिना बैंकिंग नेटवर्क के पैसों का लेनदेन संभव बनाते हैं। यही कारण है कि जैश का यह नेटवर्क जांच एजेंसियों और अंतरराष्ट्रीय निगरानी संस्थाओं की पकड़ से बच निकलता है। मौजूदा वक्त में डिजिटल वॉलेट्स के जरिए जैश ए मोहम्मद का लेनदेन करीब 80 से 90 करोड़ पाकिस्तानी रुपए का हुआ है।खुफिया एजेंसियों को मिली जानकारी के मुताबिक, जैश ने अपने सक्रिय गुर्गों और प्रॉक्सी नेटवर्क को पूरी तरह से एक्टिव कर दिया है और अब फेसबुक, व्हाट्सएप जैसे प्लेटफॉर्म्स के जरिए भी धन उगाही की योजना बनाई गई है। इन प्लेटफॉर्म्स पर जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े प्रॉक्सी अकाउंट्स और सीधे इसके कमांडरों द्वारा संचालित अकाउंट्स से लगातार पोस्टर, उकसाने वाले वीडियो और यहां तक कि मसूद अजहर द्वारा लिखी गई चिट्ठी भी शेयर की जा रही है। इन पोस्ट्स में यह दावा किया जा रहा है कि जैश-ए-मोहम्मद 313 मरकज का निर्माण कर रहा है। ऐसे हर मरकज के लिए 12.5 मिलियन पाकिस्तानी रुपए की जरूरत बताई है। यह फंड रेजिंग केवल पाकिस्तान तक सीमित नहीं है। जैश-ए-मोहम्मद ने विदेशों में बसे पाकिस्तानी नागरिकों से भी पैसे देने की मांग की है। जाहिर है कि इस रकम का इस्तेमाल आतंकियों की ट्रेनिंग, हथियारों की सप्लाई और नेटवर्क फैलाने पर ही खर्च किया जाएगा।

अनीश दयाल सिंह...

इस भूमिका में उनका व्यापक अनुभव है। अनीश उप-राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में जम्मू-कश्मीर, नक्सलवाद और पूर्वोत्तर उग्रवाद सहित देश के आंतरिक मामलों के प्रभारी होंगे। पूर्व रॉ प्रमुख राजिंदर खन्ना अतिरिक्त राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हैं, जबकि सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी टीवी रविचंद्रन और पूर्व आईएफएस अधिकारी पवन कपूर दो सेवारत उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हैं।सीआरपीएफ प्रमुख के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान अनीश ने कई अहम पहलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जैसे- नक्सलवाद से निपटने में सीआरपीएफ की प्रगति, तीन दर्जन से अधिक अग्रिम परिचालन अड्डे (फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस) स्थापित करना और वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में चार नई बटालियनों की शुरुआत करना। उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनावों और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में पहले विधानसभा चुनावों के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने में सीआरपीएफ की भूमिका की भी देखरेख की।आंतरिक रूप से अनीश ने 130 से अधिक सीआरपीएफ बटालियनों के व्यापक पुनर्गठन की पहल की। यह आठ वर्षों में इस तरह का पहला पुनर्गठन था, जिसका मकसद परिचालन दक्षता में सुधार और सैनिकों को अधिक पारिवारिक समय प्रदान करना था, जिससे इकाइयों और उनके मूल केंद्रों के बीच की औसत दूरी 1,200 किमी से घटकर 500 किमी हो गई। उन्होंने प्रतिक्रिया एकत्र करने के लिए कंपनी कमांडरों के साथ संवाद सत्र भी शुरू किए, जिसकी बल के भीतर व्यापक रूप से सराहना की गई।यह नियुक्ति केंद्र सरकार की ओर से केंद्रीय सशस्त्र बलों के सेवानिवृत्त कर्मियों को मानद रैंक प्रदान करने की मंजूरी के साथ हुई है। एक ऐसी नीति जिसका अनीश ने समर्थन किया था। इस वर्ष की शुरुआत में गृह मंत्रालय ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) और असम राइफल्स के अधिनस्थ अधिकारियों का मनोबल बढ़ाने के उद्देश्य से एक नीति को मंजूरी देते हुए एक आदेश जारी किया था। इस नीति का प्रस्ताव मूल रूप से स्वयं अनीश ने ही रखा था, जिसका मकसद पदोन्नति के अवसरों में लंबे समय से चली आ रही गतिरोध की समस्या को दूर करना था, जहां कुछ कांस्टेबलों को अपनी पहली पदोन्नति के लिए 20 साल तक का इंतजार करना पड़ता है।

हरतालिका तीज व्रत, जल त्याग का अदृश्य संकल्प, दांपत्य सुख का दिव्य वरदान

हरतालिका तीज निर्जला व्रत, माता पार्वती की तपस्या की स्मृति है, स्त्रियां शिव-पार्वती पूजन कर 24 घंटे जल त्यागती हैं। यह व्रत सौभाग्य, दांपत्य सुख और उत्तम संतान की प्राप्ति का प्रतीक है, श्रृंगार, उपवास और दान के माध्यम से स्त्री अपने भीतर की दिव्यता जाग्रत करती है।

व्रत कथा के अनुसार, पार्वती जी ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए घोर तप किया था। उन्होंने जंगल में बिना अन्न और जल के कई दिनों तक ध्यान और उपवास किया। इस कठोर तपस्या की स्मृति में व्रती स्त्रियां भी हरतालिका तीज के दिन बिना जल ग्रहण किए व्रत करती हैं। यह व्रत शारीरिक संयम के साथ-साथ मानसिक और आत्मिक नियंत्रण करता है। जल न पीना व्रतधारिणी के संकल्प, भक्ति, निष्ठा और समर्पण को दर्शाता है।

हरतालिका व्रत यानी बड़ी तीज की मान्यता है कि जो स्त्रियां इस दिन पूरे दिन निर्जला उपवास रखकर भगवान शिव और माता पार्वती का पूजन करती हैं, उन्हें अखंड सौभाग्य, पति की दीर्घायु और सुखी वैवाहिक जीवन का वरदान प्राप्त होता है। अगर कोई कन्या यह व्रत करे, तो उसे जीवन में उत्तम पति, शुभ संतान की प्राप्ति होती है। जिन स्त्रियों का वैवाहिक जीवन कलह के कारण उथल-पुथल हो रहा हो, उन्हें इस दिन पार्वती जी की पूजा कर अपने वैवाहिक जीवन की मंगलकामना अवश्य करनी चाहिए। इस व्रत के प्रभाव से जैसे माता पार्वती की इच्छा पूर्ण हुई थी, उसी प्रकार व्रतकर्ता स्त्री की मनोकामना पूर्ण होती है।

हरतालिका व्रत की विधि

व्रती स्त्रियां सोलह श्रृंगार करती हैं, हाथों में सुंदर मेहंदी, पैरों में महावर और हरे-लाल नवीन वस्त्र धारण करती हैं। प्रमुख रूप से शिव-पार्वती तथा गणेशजी की पूजा की जाती है। इस व्रत में 24 घंटे का निर्जला उपवास रखा जाता है, जो अगली सुबह जल ग्रहण कर पारण के साथ पूर्ण होता है। पारण से पूर्व व्रती महिलाएं सौभाग्य, द्रव्य और वायन छूकर ब्राह्मणों को दान देती हैं, जिससे जीवन में सुख-समृद्धि और संतुलन बना रहे। हालांकि हरतालिका की विधि में लोक परम्पराओं और कुल परम्-पराओं के अनुसार भिन्नताएं हो सकती हैं, परंतु व्रत का मूल भाव एक ही है, शिव-पार्वती के प्रेम और आशीर्वाद के प्रतीक इस पर्व में स्त्री अपने भीतर की दिव्य शक्ति को जागृत करें। व्रत की यह तपस्या स्त्री के भीतर की दिव्य शक्ति को जागृत करती है जो उसके जीवन में केवल दांपत्य सुख को बढ़ाकर आत्मिक संतुलन और आध्यात्मिक शांति से भी भर देती है।

घर की इस दिशा में लगाएं गेंदे का पौधा
धन-दौलत से भर जाएगी झोली, पाएंगे तरक्की!

पीले और नारंगी रंग के गेंदे के फूलों का हिंदू धर्म में खास महत्व होता है। इसे देवी-देवताओं की पूजा में और धार्मिक कार्यों में विशेष रूप से प्रयोग किया जाता है। गेंदे के पीले फूल बिल्कुल सूर्योदय के रंग जैसे प्रतीत होते हैं। वहीं, नारंगी रंग के गेंदे के फूल सूर्यास्त के प्रतीक होते हैं। साथ ही, भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी को ये फूल बेहद प्रिय होते हैं। ऐसे में वास्तुशास्त्र में भी गेंदे के फूलों का खास महत्व बताया गया है। इसे घर में लगाने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और धन-धान्य की भी प्राप्ति होती है।

गेंदे के फूल सही दिशा में लगाने के लाभ

माना जाता है कि घर में सही स्थान पर गेंदे के फूल को रखने से नाकारात्मक ऊर्जा दूर रहती है। साथ ही, इसकी मनमोहक सुगंध से आसपास का वातावरण सकारात्मक होता है। अगर आप गेंदे के फूल को घर में सही दिशा में लगाते हैं तो इससे माता लक्ष्मी और विष्णुजी की कृपा प्राप्त हो सकती है। साथ ही, घर में सुख-समृद्धि और शांति सदैव बनी रहती है। इन फूलों को पूजा में भी जरूर प्रयोग करना चाहिए। ऐसा करने से आपको पैसों की तंगी से निजात मिल सकती है और धन लाभ योग बनने लगते हैं। घर में गेंदे के फूल लगाने से परिवार के बीच का माहौल खुशनुमा बना रहता है जीवन में तरक्की के नए रास्ते भी खुलने लगते हैं।

गेंदे का फूल घर की इस दिशा में लगाएं

वास्तुशास्त्र के अनुसार, गेंदे के फूलों को घर की सही दिशा में लगाना बहुत जरूरी होता है। अगर आप इसे गलत स्थान या दिशा में रखते हैं तो इससे अशुभ फल की प्राप्ति हो सकती है। वास्तु के अनुसार, गेंदे के फूल का पौधा हमेशा ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व दिशा में लगाना चाहिए। इसके अलावा, आप पूर्व या उत्तर दिशा में भी इस शुभ पौधे को लगा सकते हैं। ऐसा करने से घर से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और इसकी जगह सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। साथ ही, इस पौधे से आसपास का वातावरण भी शुद्ध होता है।

गेंदे का पौधा लगाने के विशेष वास्तु नियम

इस शुभ पौधे को घर के मुख्य द्वार पर लगाना भी बहुत शुभ माना जाता है। ऐसा करने से घर के अंदर नकारात्मक ऊर्जा प्रवेश नहीं कर पाती है।

वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर में कभी भी गेंदे के पौधे को दक्षिण या पश्चिम दिशा में नहीं लगाना चाहिए। ऐसा करने से अशुभ फल की प्राप्ति हो सकती है।

गेंदे के फूल को भूलकर भी गंदे स्थान, रसोई घर, बाथरूम और टॉयलेट के पास नहीं रखना चाहिए। इन जगहों पर गेंदे के पौधे को रखना शुभ नहीं माना जाता है।

घर में कभी भी ऐसा गेंदे का पौधा नहीं रखना चाहिए जो पूरी तरह मुरझा गया हो या उसके फूल और पत्ते सूख रहे हों। साथ ही, पौधे के हरा-भरा रहने का भी ख्याल रखना चाहिए।

गेंदे के फूलों की माला बनाकर देवी-देवताओं को समर्पित करनी चाहिए। ऐसा करने से जातक को भगवान की विशेष कृपा प्राप्त हो सकती है।

तिलक लगाने के बाद माथे पर चावल क्यों लगाया जाता है? जानें क्या है महत्व

भारतीय संस्कृति में माथे पर तिलक लगाना एक बहुत ही महत्वपूर्ण धार्मिक और आध्यात्मिक अनुष्ठान है। यह केवल एक श्रृंगार नहीं, बल्कि हमारी परंपराओं और मान्यताओं का प्रतीक है। तिलक लगाने के बाद, अक्सर देखा जाता है कि लोग उस पर कुछ चावल के दाने लगाते हैं। बहुत से लोगों को यह पता नहीं होता कि ऐसा क्यों किया जाता है और इसका क्या महत्व है। चलिए जानते हैं कि तिलक के ऊपर चावल क्यों लगाए जाते हैं और इसके पीछे की धार्मिक परंपरा क्या है।

चावल का धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व

हिन्दू धर्म में चावल (अक्षत) को बहुत पवित्र माना जाता है। 'अक्षत' शब्द का अर्थ है 'जो टूटा हुआ न हो'। यही कारण है कि पूजा-पाठ में हमेशा साबुत चावल का ही इस्तेमाल किया जाता है। अक्षत को पूर्णता, समृद्धि और अटूटता का प्रतीक माना जाता है। किसी भी शुभ कार्य या धार्मिक अनुष्ठान में अक्षत का उपयोग जरूरी माना जाता है क्योंकि यह शुभता और सकारात्मकता लाता है।

माता लक्ष्मी का वास

शास्त्रों में चावल को मां लक्ष्मी का प्रतीक माना गया है। इसलिए तिलक के बाद अक्षत लगाने से घर में सुख-समृद्धि और धन-धान्य की वृद्धि होती है।

सफलता और पूर्णता का प्रतीक

तिलक लगाने के बाद जब अक्षत चिपकाए जाते हैं, तो यह कार्य की पूर्णता और सफलता का आशीर्वाद माना जाता है।

तिलक के साथ चावल लगाने का ज्योतिषीय कारण

सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह: माना जाता है कि माथे पर तिलक लगाने के बाद उस पर चावल लगाने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। चावल के दाने ऊर्जा को अपनी ओर आकर्षित करते हैं और उसे माथे में बनाए रखते हैं। तिलक लगाने से जो ऊर्जा उत्पन्न होती है, चावल उसे संचित करने में मदद करते हैं, जिससे व्यक्ति को शांति और सकारात्मकता का अनुभव होता है।

समृद्धि और धन का प्रतीक: अक्षत यानी चावल को लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। तिलक पर चावल लगाने का एक कारण यह भी है कि यह घर में धन, समृद्धि और अन्न की कभी कमी न होने का प्रतीक है। यह व्यक्ति के जीवन में खुशहाली और सफलता लाने की कामना से जुड़ा हुआ है।

पवित्रता और शुद्धता: पूजा में चावल का उपयोग शुद्धता और पवित्रता का प्रतीक है। जब हम तिलक पर चावल लगाते हैं, तो यह तिलक की पवित्रता को और बढ़ा देता है। यह दर्शाता है कि हम पूरी श्रद्धा और शुद्ध मन से यह अनुष्ठान कर रहे हैं।

घर के मंदिर से जुड़े इन वास्तु टिप्स का रखें ख्याल
दूर होगा दुर्भाग्य और खुलने लगेंगे तरक्की के नए रास्ते

हर मनुष्य के घर में मंदिर सबसे पवित्र स्थान होता है, जहां से सकारात्मक ऊर्जा चारों ओर फैलती है। शास्त्रों में घर के मंदिर में दिन में दो बार पूजा करने का नियम बताया गया है। ऐसा करने से मन को शांति महसूस होती है और जीवन में सकारात्मकता आने लगती है। लेकिन अगर वास्तु के अनुसार, घर का मंदिर सही दिशा में न हो या इससे जुड़ी कुछ गलतियां की गई हों, तो इससे विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। ऐसे में पूजा घर बनवाते और पूजा करते समय वास्तु के कुछ विशेष नियमों का ख्याल जरूर रखना चाहिए। इससे घर की परेशानियां दूर हो सकती हैं और परिवार के सदस्यों को जीवन में तरक्की मिल सकती है।

इस दिशा में होना चाहिए घर का मंदिर

वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर में मंदिर बनवाते या रखते समय दिशा का ध्यान रखना सबसे जरूरी होता है। इसके लिए सबसे अच्छी दिशा उत्तर-पूर्व मानी गई है। अगर ऐसा संभव न हो तो आप घर के पूर्व या उत्तर दिशा में भी मंदिर रख सकते हैं। लेकिन कभी भी मंदिर को दक्षिण दिशा में स्थान नहीं देना चाहिए। वास्तु के अनुसार, ऐसा करने से घर में नकारात्मक ऊर्जा आकर्षित होती है और परिवार के सदस्यों को समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

मंदिर में मूर्तियां रखते समय इन बातों का रखें ध्यान

पूजा घर में भगवान की प्रतिमा या मूर्तियों को पूर्व या पश्चिम दिशा में रखना चाहिए। साथ ही, इन मूर्तियों को मंदिर की दीवार से कुछ दूरी पर रखना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से धूप की सुगंध और सकारात्मकता मंदिर में चारों ओर फैलती है। वास्तु के नियमों का ख्याल रखकर पूजा घर बनाने से जातक को वास्तु दोष से भी छुटकारा मिल सकता है और घर में खुशनुमा माहौल बना रहता है। वहीं, मंदिर में कभी भी देवी-देवताओं की प्रतिमा को आमने-सामने नहीं रखना चाहिए। ऐसा करना शुभ नहीं माना जाता है।

मंदिर में भूलकर भी न कराएं ऐसे रंग

अपने पूजा घर में पेंट कराते समय या मंदिर घर लाते समय रंग का विशेष ध्यान जरूर देना चाहिए। वास्तु के अनुसार, कभी भी मंदिर में तेज और काले, नीले आदि जैसे डार्क पेंट नहीं करवाना चाहिए। ऐसा करने से घर में नकारात्मकता फैल सकती है। इसकी बजाए आप मंदिर में सफेद, हल्का पीला, आदि कलर करा सकते हैं। इन रंगों से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है परिवार के बीच शांतिपूर्ण माहौल बना रहता है।

इस स्थान पर रखें पूजा का सामान

घर के मंदिर में पूजा का सामान रखने के लिए भी वास्तु में सही दिशा और स्थान बताया गया है। इसका ख्याल जरूर रखना चाहिए। मान्यता है कि धूप, दीपक, तेल, धार्मिक किताबें आदि को मंदिर में पश्चिम दीवार की ओर रखना चाहिए। लेकिन भूलकर भी कोई भी सामान मूर्तियों के ऊपर वाले स्थान पर नहीं रखना चाहिए। साथ ही, मंदिर को ऐसे स्थान पर रखना चाहिए जहां से पर्याप्त मात्रा में धूप की रोशनी अंदर पड़ती हो। इस प्रकार घर में मंदिर रखने से आपके जीवन से दुर्भाग्य दूर हो सकता है और कार्यों में आ रही बाधाएं भी धीरे-धीरे नष्ट हो सकती हैं।

पूजा घर की नियमित सफाई है बेहद जरूरी

वास्तु के अनुसार, कभी भी पूजा घर में गंदगी नहीं जमा होनी चाहिए। इससे जातक को विपरीत प्रभावों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में मंदिर और भगवान की प्रतिमा को नियमित रूप से साफ करना चाहिए। साथ ही, पूजा घर में गलती से भी खंडित मूर्तियों को नहीं रखना चाहिए। ऐसा करना शुभ नहीं माना जाता है। अगर आप घर के मंदिर से जुड़े इन वास्तु नियमों का ख्याल रखते हैं, तो इससे गृह क्लेश से मुक्ति मिलती है, परिवार के बीच प्रेम बना रहता है और जीवन में तरक्की के नए रास्ते भी खुल सकते हैं।

अनफा योग से इन राशियों को होगा चौतरफा लाभ

आज के दिन चंद्रमा कन्या राशि में और सूर्य द्वादश में होने से अनफा योग बन रहा है। ऐसे में महादेव मिथुन, सिंह, तुला और कुंभ राशि की जमकर कमाई कराने वाले हैं। कार्यस्थल पर टीमवर्क से लाभ कमाएंगे और सुख के साधनों में भी वृद्धि होगी। व्यापार में लाभ कमाने के अवसर प्राप्त होंगे और आर्थिक मामलों में भी मुनाफा होने के योग हैं। नौकरी करने वालों के अधिकारों में वृद्धि होगी और नए संपर्कों से लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में उन्नति मिलेगी और धन में वृद्धि होगी। उत्तम संपत्ति प्राप्त हो सकती है और जीवन में ढेर सारी खुशियां आएंगी।

मेष : कार्यस्थल पर टीमवर्क से होगा लाभ

व्यापार के मामले में किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेना लाभकारी हो सकता है। कार्यक्षेत्र में दूसरों की भावनाओं को भी ध्यान में रखकर निर्णय लेना आपके लिए बेहतर होगा। नौकरी करने वाले कार्यस्थल पर टीमवर्क के चलते किसी भी समस्या को हल करने में सफलता हासिल करेंगे। वहीं, दुकान चलाने वालों को भी लाभ कमाने का मौका मिल सकता है।

वृषभ : सुख के साधनों में होगी वृद्धि

आपके सांसारिक सुख के साधनों में वृद्धि होगी और कार्यक्षेत्र में कामकाज अच्छा चलेगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। आप घर के लिए आवश्यक सामान की खरीदारी करने भी जा सकते हैं। व्यापार के मामले में अनुभवी व्यक्ति की राय लेने से लाभ हो सकता है। लेकिन परिवार के मामले में आपको किसी भी प्रकार की बहस से बचना होगा, अन्यथा बात ज्यादा बढ़ सकती है।

मिथुन : व्यापार में कमाएंगे लाभ

दिन अच्छा रहने वाला है और व्यापार के मामले में भी लाभ कमाने के मौके मिलेंगे। इससे समाज में आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी और पूरा दिन खुशनुमा रहेगा। अगर लंबे समय से किसी कर्ज में फंसे थे तो अब उससे भी छुटकारा मिल सकता है या कर्ज का भार कम हो सकता है। जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलने से आपको सुकून महसूस होगा।

कर्क : आर्थिक मामलों में होगा लाभ

आपका दिन आर्थिक मामलों में बेहतरीन रहने वाला है और उत्तम संपत्ति प्राप्त होने के योग भी बन रहे हैं। अगर लंबे वक्त से कहीं पैसा अटका हुआ था, तो वह अब वापस मिल सकता है। राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में भी आपको बड़ी सफलता हासिल हो सकती है। लेकिन इसके लिए प्रयास करते रहने होंगे। नए संबंध गहरे होते जाएंगे और प्रियजनों से मुलाकात होने की भी संभावना है।

सिंह : नए अधिकार होंगे प्राप्त

कार्यक्षेत्र में आपको कुछ नई जिम्मेदारी मिल सकती सकती है, जिसे आप बुद्धिमानी और समझदारी से पूरा कर लेंगे। वहीं, नौकरी करने वालों को भी कार्यस्थल पर कुछ नए अधिकार प्राप्त हो सकते हैं और रचनात्मक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। परिवार में संतान के विवाह के लिए रिश्ता तय हो सकता है। ऐसे में आप भविष्य के लिए कोई योजना बना सकते हैं।

कन्या : कार्यस्थल पर आएंगे नए परिवर्तन

आर्थिक मामलों में सावधान रहने की जरूरत होगी। किसी अनावश्यक वस्तु या मामले में धन अधिक खर्च हो सकता है। कार्यक्षेत्र में अपने आसपास का माहौल खुशनुमा बनाए रखने का प्रयास करना होगा। किसी भी प्रकार के विवाद और बहस से दूर रहना बेहतर रहेगा। नौकरी करने वालों को कार्यस्थल पर अचानक कोई नया परिवर्तन देखने को मिल सकता है। महिला सहकर्मी और अधिकारी से सहयोग मिलने की संभावना है।

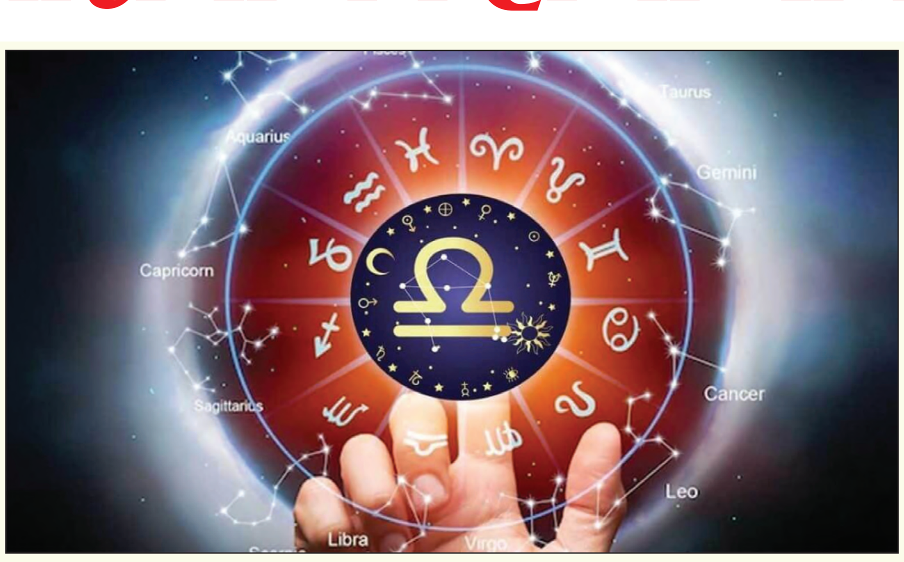

तुला : व्यापार में नए संपर्क से होगा लाभ

व्यापार के मामले में आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से हो सकती है, जिससे भविष्य में लाभ मिलने की संभावना है। अचानक कार्यक्षेत्र में बदलाव आने से मुनाफा कमा सकते हैं। वहीं, किसी नए कार्य में आपको तकनीकी पहलुओं पर अच्छी तरह विचार करना होगा। इससे आप किसी सही निर्णय पर पहुंच पाएंगे। कार्यस्थल पर अटके हुए कार्यों को पूरा करने का मौका भी मिल सकता है।

वृश्चिक : मान-सम्मान में होगी वृद्धि

आपका पूरा दिन खुशियों और उत्साह से भरा रहने वाला है। बिजनेस के मामले में कामधंधे को आगे बढ़ाने के लिए आपको किसी अनुभवी व्यक्ति सलाह लेनी पड़ सकती है। कार्यक्षेत्र में आप अपनी जिम्मेदारियों तो सफलता के साथ पूरा करेंगे, जिससे मान-सम्मान में भी वृद्धि होगी। वहीं, पुराने मित्र या प्रियजनों से मुलाकात होने से मन प्रसन्न रहेगा।

धनु : कार्यक्षेत्र में बढ़ेगा आपका प्रभाव

आर्थिक मामलों में अगर किसी पैसों के लेन-देन में फंसे थे तो अब आपको उससे छुटकारा मिल सकता है, जिससे तनाव भी कम होगा। कार्यक्षेत्र में किसी योजना या प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा हो सकती है, जिसमें आपके सुझावों को सभी गंभीरता से लेंगे और उन पर अमल भी कर सकते हैं। आपको कुछ आवश्यक चीजों की खरीदारी भी करनी पड़ सकती है। ऐसे में बजट बनाकर चलना जरूरी होगा।

मकर : व्यापार में यात्रा से होगा लाभ

व्यापार के मामले में आपको किसी यात्रा पर जाना पड़ सकता है, जो सुखदायक रहेगी और इससे आपको सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। आर्थिक मामलों में सावधान रहने की जरूरत होगी और किसी भी व्यक्ति को इस समय उधार देने से बचें। ऐसा करने से पैसा वापस मिलने की कम संभावना है। परिवार में किसी सदस्य के विवाह समारोह में शामिल होने का अवसर मिल सकता है।

कुंभ : राजनीतिक क्षेत्र में पाएंगे सफलता

आपका दिन अच्छा रहने वाला है और राजनीतिक क्षेत्र में बड़ी सफलता प्राप्त हो सकती है। आपके लिए सक्रिय राजनीति में भाग लेने के योग भी बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में भी आपका काम करने का तरीका प्रभावशाली रहेगा और अपने विरोधियों को भी आप पीछे छोड़ देंगे। आर्थिक मामलों में दिन शुभ रहने वाला है और लाभ कमाने के सुनहरे अवसर प्राप्त हो सकते हैं।

मीन : संपत्ति में वृद्धि होने के योग

आपकी संपत्ति में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं, जिससे मन प्रसन्न रहेगा और ननिहाल पक्ष से मान-सम्मान प्राप्त होगा। नौकरी करने वालों को कार्यस्थल पर विरोधियों से सावधान रहना होगा। वे आपके खिलाफ कोई योजना बना सकते हैं, जिससे परेशानी खड़ी होने की संभावना है। लेकिन जीवनसाथी का पूर्ण सहयोग मिलने से आपको सुकून महसूस होगा और धीरे-धीरे स्थिति बेहतर हो सकती है।

सनी देओल ने की शाहरुख खान के बेटे आर्यन की तारीफ, बोले

बेटा चक दे फट्टे

बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान की सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' बहुत जल्द नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। इसका पहला गाना 'बदली सी हवा' रिलीज हो चुका है, जिसकी क्लिप शाहरुख खान ने सोशल मीडिया पर साझा की, तो सनी देओल ने भी सीरीज का ट्रेलर शेयर कर आर्यन को 'फट्टे चकने' की सलाह दी!

देओल की प्रशंसा उन अफवाहों पर विराम लगाती है जो शाहरुख खान और सनी देओल को लेकर खूब उड़ी थीं। सनी देओल ने सीरीज का ट्रेलर शेयर करते हुए आर्यन की जमकर तारीफ भी की है। 'गदर' स्टार सनी देओल ने इंस्टाग्राम पर लिखा, प्यारे आर्यन खान, आपका शो बहुत ही शानदार है। बॉबी देओल की भी खूब तारीफ हुई, आपके पिता को आप पर बहुत नाज होगा। आप सभी को शुभकामनाएं, बेटा, चक दे फट्टे।

बैड्स ऑफ बॉलीवुड में फिल्म इंडस्ट्री पर व्यंग्य किया गया है। बताया जा रहा है कि इस सीरीज में फिल्म इंडस्ट्री की चमक-दमक, ग्लैमर और गपशप को लोगों के सामने पेश किया जाएगा। बॉलीवुड के किंग खान शाहरुख के बेटे आर्यन खान ने इस सीरीज को लिखा भी है।

सीरीज में बॉबी देओल, लक्ष्य, सहर बांबा, मनोज पाहवा, मोना सिंह, मनीष चौधरी, राघव जुएल, और गौतमी कपूर जैसे सितारे हैं। शो फिल्म इंडस्ट्री की स्याह हकीकत से दुनिया को रूबरू कराएगा। सीरीज में बॉबी देओल एक बड़े स्टार का रोल प्ले करते दिखेंगे। इसमें शाहरुख खान, सलमान खान, आमिर खान, रणबीर कपूर, रणवीर सिंह, करण जौहर और कई अन्य कलाकारों के भी कैमियो होंगे। कुछ दिनों पहले इसका प्रीव्यू मुंबई में एक भव्य इवेंट में लॉन्च किया गया था। इसके लिए शाहरुख खान होस्ट बने थे। यहां पर आर्यन खान ने इस सीरीज को प्रोड्यूस करने के लिए अपनी मां गौरी खान का आभार जताया था।

इस शो से आर्यन खान की कथित गर्लफ्रेंड लारिसा बोनेसी भी डेब्यू करने जा रही हैं। मेकर्स का दावा है कि ये धमाकेदार सीरीज 18 सितंबर को रिलीज होगी।

सुरभि चंदना का यूट्यूब चैनल हैक नया गीत फर्जी की रिलीज टली

टीवी की मशहूर अदाकारा सुरभि चंदना इन दिनों अपने म्यूजिक प्रोजेक्ट 'फील गुड ओरिजनल्स' को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में सुरभि ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा करते हुए बताया कि उनका आधिकारिक यूट्यूब और जीमेल अकाउंट हैक हो गया है। इस घटना ने न केवल टीम को बल्कि उनके फैंस को भी एक बड़ा झटका दिया है। इस हैकिंग की वजह से उनका नया गाना 'फर्जी' अब तय समय पर रिलीज नहीं हो पाएगा।

सुरभि ने अपने पोस्ट में लिखा कि उनका ट्रैक 'फर्जी' पूरी तरह तैयार था और उसे अपने दर्शकों के साथ साझा करने की पूरी योजना थी। लेकिन जैसे ही अकाउंट हैक हुआ, उन्हें मजबूरन गाने की रिलीज को टालना पड़ा। उन्होंने बताया कि वो यूट्यूब इंडिया और गूगल इंडिया की मदद से अपने अकाउंट को वापस पाने की कोशिश कर रही हैं और उम्मीद है कि जल्द ही सब कुछ फिर से सामान्य हो जाएगा।

अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, जिंदगी ने हमें बीती रात एक अनचाहा विराम दे दिया। हमारा 'फील गुड ओरिजनल्स' का आधिकारिक अकाउंट जीमेल और यूट्यूब हैक हो गया और हमने इन तक अपनी पहुंच खो दी। हमारा नया गाना 'फर्जी' आपके सामने पेश किया जाना था, लेकिन किस्मत ने अभी कुछ और ही सोच रखा है। सुरभि ने आगे कहा कि हर विराम एक मजबूत वापसी की तैयारी होती है। उनका मानना है कि कोई तूफान इतना ताकतवर नहीं होता कि संगीत को खामोश कर दे और कोई भी रुकावट इतनी बड़ी नहीं होती जो एक सपने को रोक सके। उन्होंने विश्वास जताया कि उनका गाना 'फर्जी' जरूर रिलीज होगा और जब वह आएगा तो सिर्फ एक गाना नहीं बल्कि एक 'जज्बात, संघर्ष और उम्मीद' का प्रतीक होगा। पोस्ट के आखिर में सुरभि ने अपने फैंस का आभार व्यक्त करते हुए लिखा, हमारे साथ खड़े रहने के लिए, हम पर विश्वास रखने के लिए आपका धन्यवाद। संगीत का सुर एक पल के लिए थम सकता है लेकिन जल्द ही, वह फिर गूंजेगा।

फिल्म उफ्फ ये सियाप्पा का पहला लुक जारी

अनोखे कॉन्सेप्ट और ए.आर. रहमान के संगीत ने बढ़ाई उत्सुकता

ग्लोबल स्टार नोरा फतेही ने अपनी आगामी फिल्म 'उफ्फ ये सियाप्पा' का पहला लुक आज सोशल मीडिया पर जारी किया। इस फिल्म में नोरा कामिनी के दमदार और आकर्षक किरदार में नज़र आएंगी। जो एक ऐसी फिल्म की नींव रखता है जो अनोखी और मनोरंजक होने का वादा करती है। यह फिल्म लव रंजन फिल्म्स के बैनर तले बनी है और इसे सोशल मीडिया पर इस कैप्शन के साथ साझा किया गया: मिलिए हमारे साइलेंट हीरोज़ से SiyapaaSquad। हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर इस प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए, नोरा ने अपनी उत्सुकता ज़ाहिर करते हुए कहा, मैं सुबह 'णत्रञ्ञ' की घोषणा देखकर उठी – एक ऐसी फिल्म जिस पर मैंने महामारी के अंत के समय काम किया था। काफ़ी वक़्त हो गया है। यह एक बहुत ही दिलचस्प फिल्म है। मैं यह देखने के लिए वाकई उत्साहित हूँ कि यह कैसी बनती है क्योंकि जब हमने इसे शूट किया था, तो हमने इसे बिना किसी डायलॉग के शूट किया था। तो यह एक बहुत ही भावपूर्ण फिल्म है। और यह बहुत ही अभिव्यक्तिपूर्ण फिल्म है। इसमें बेहतरीन कलाकारों की टीम है, कुछ शानदार अभिनेता हैं।

उन्होंने आगे कहा, मैंने इसकी शूटिंग के दौरान बहुत मज़ा किया। यह एक कॉमेडी फिल्म है – और आप जानते हैं, मुझे कॉमेडी बहुत पसंद है। इस फिल्म में मेरा किरदार भी बहुत कूल है। मैं इसे देखने के लिए बहुत उत्साहित हूं। क्या आपने तारीख़ नोट कर ली है?अभिनेत्री ने फिल्म की एक खास बात पर ज़ोर देते हुए कहा: मुझे एक बेहद महत्वपूर्ण और रोमांचक बात जरूर जोड़नी है – इस फिल्म का बैकग्राउंड स्कोर और संगीत ए.आर. रहमान ने तैयार किया है। वे एक दिग्गज हैं, एक आइकॉन हैं। उनकी धुनें ही फिल्म की कहानी और स्क्रीनप्ले को आगे ले जाएंगी। इसलिए मुझे लगता है कि यह बहुत ही शानदार होने वाला है। और हाँ, आप जानते ही हैं, वह इसमें अपना जादू ज़रूर बिखेरेंगे। जैसे-जैसे उफ्फ ये सियाप्पा रिलीज़ के करीब आ रही है, नौरा फतेही का करियर और भी ऊँचाइयों को छू रहा है। इसके पहले वह बहुप्रतीक्षित हॉरर-कॉमेडी फ्रेंचाइज़ी कंचना 4 में मुख्य भूमिका निभा रही हैं।

रेजिना ने फिल्म द वाइव्स का पहला शेड्यूल पूरा किया

वेब सीरीज 'रॉकेट बॉयज' और 'जाट' फिल्म में दमदार किरदार निभाकर सुर्खियों में आने वाली अभिनेत्री रेजिना कैसेंड्रा ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'द वाइव्स' का पहला शेड्यूल खत्म कर लिया है।

रेजिना ने हाल ही में सोशल मीडिया पर 'पर्दे के पीछे' की कुछ मजेदार तस्वीरें साझा कर इसकी जानकारी दी थी। तस्वीर में वह काले रंग के स्टाइलिश आउटफिट में नजर आईं, उनके हाथ में 'द वाइव्स' लिखा क्लैपरबोर्ड था।

रेजिना ने फिल्म की शूटिंग के बारे में आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'द वाइव्स' के शेड्यूल को पूरा करना मेरे लिए एक रोलर-कोस्टर जैसा था। पिछले एक महीने से मैं हिंदी और तमिल के बीच संतुलन बना रही हूं। एक सफल शेड्यूल से दूसरे शेड्यूल की ओर बढ़ रही हूं। जहां बॉलीवुड में मैं मधुर भंडारकर के साथ 'द वाइव्स' कर रही हूं, वहीं कोलिवुड (तमिल सिनेमा) में सुंदर. सी. के साथ 'मूकुथी अम्मन 2' की शूटिंग कर रही हूं। मुझे अलग-अलग दुनियाओं के बीच आना-जाना पसंद है। यही वो जिंदगी है जो मैंने अपने लिए चाही थी। मैं अपने सपने को जी रही हूं। बता दें, फिल्म 'द वाइव्स' का निर्देशन मधुर भंडारकर कर रहे हैं। यह फिल्म बॉलीवुड स्टार्स की पत्नियों की चमकदार लेकिन उतार-चढ़ाव भरी जिंदगी को दिखाती है। फिल्म में दिखाया जाएगा कि इन स्टार वाइव्स की जिंदगी के पीछे क्या-क्या छुपे हुए सच, बड़े विवाद और उनकी शाही लाइफस्टाइल होती है।

रेजिना के साथ इस फिल्म में मौनी रॉय, सोनाली कुलकर्णी और अन्य उम्दा कलाकार शामिल हैं। इस वजह से यह फिल्म मधुर भंडारकर की सबसे चर्चित और बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक बन गई है।

ड्रामा, सस्पेंस और रियलिज्म के शानदार मिश्रण से बनी इस फिल्म का पहला शेड्यूल पूरा हो चुका है। वहीं, इसका दूसरा शेड्यूल जल्दी ही शुरू होगा। इससे पहले रेजिना ने अपने 20 साल के फिल्मी सफर को याद करते हुए कहा था, मेरा सफर प्रेरणादायक और विनम्र अनुभवों से भरा रहा है। मुझे अलग-अलग भाषाओं में काम करने के कई अच्छे मौके मिले हैं, जिसके लिए मैं बहुत आभारी हूं। जब मैं आज अपने पुराने काम को देखती हूं तो मुझे खुशी होती है। हालांकि ये सफर आसान नहीं था। कई बार मुझे खुद पर शक हुआ, लगा कि मैं खुद की और दूसरों की उम्मीदों पर खरी नहीं उतर रही। जब मैंने शुरुआत की थी, तब मैं एक बच्ची थी और वो दौर बहुत अलग था।

रेजिना ने यह भी बताया कि लंबे समय तक उन्हें लगता था कि काश कोई मेंटर (मार्गदर्शक) होता। लेकिन फिर उन्होंने खुद ही सीखने और आगे बढ़ने की जिम्मेदारी ली, और अपने अनुभवों से सब कुछ सीखा।

हरियाणा में सीईटी नतीजों के बाद होगी 5600 पुलिसवालों की भर्ती

सीएम नायब सैनी का बड़ा ऐलान

चंडीगढ़, 24 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने पुलिस भर्तियों को लेकर छिड़ी अटकलों पर विराम लगा दिया है। मुख्यमंत्री ने शनिवार को कहा कि सीईटी के परिणाम के बाद 5600 पुलिसकर्मियों की भर्तियां होंगी, जो 17 अगस्त 2024 को शुरू की गई थी, लेकिन उसी समय हरियाणा में चुनाव भी होने थे। कांग्रेस के कुछ वरिष्ठ नेताओं ने चुनाव आयोग को शिकायत करते हुए भर्ती प्रक्रिया तुरंत रोकने की मांग की। चुनाव आयोग ने हरियाणा सरकार को भर्ती प्रक्रिया रोकने के निर्देश जारी कर दिए। 17 अक्टूबर को हरियाणा में तीसरी बार बीजेपी सरकार ने कार्यभार संभाला। सरकार की घोषणा के बावजूद अभी तक पुलिस कर्मियों की भर्ती प्रक्रिया शुरू नहीं हो सकी है। हरियाणा विधानसभा में कांग्रेस द्वारा कानून व्यवस्था के मुद्दे पर लाए गए काम रोको प्रस्ताव से पहले ही शनिवार को सरकार ने अपना जवाब दे दिया है।

कांग्रेस विधायक कुलदीप वत्स ने शनिवार को विधानसभा में यह मुद्दा उठाते हुए सरकार से पुलिस भर्तियों के मामले में जवाब मांगा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने इस भर्ती से पहले सीईटी की परीक्षा के आयोजन का फैसला लिया था। प्रदेश में 26 और 27 जुलाई को सीईटी की परीक्षा का आयोजन किया जा चुका है। आयोग की ओर से पहले सीईटी का परिणाम घोषित किया जाएगा। इसके बाद पुलिस भर्ती की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

कांग्रेस के काम रोको प्रस्ताव पर जहां 26 अगस्त को विधानसभा में चर्चा होगी सरकार ने कहा है कि प्रदेश में लॉ एंड ऑर्डर को मेंटेन करने के लिए 106 लॉ एंड ऑर्डर कंपनियां तैनात की गई हैं, इन कंपनियों को किसी भी कानून-व्यवस्था की स्थिति से निपटने के लिए स्पेशल ट्रेनिंग दी गई है। इसके साथ ही इन्हें हाईटेक दंगा-रोधी एक्यूपमेंट से भी पूरी तरह लैस किया गया है। हरियाणा में 2021 में आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली (डायल 112) की स्थापना की गई है। मास मैनेजमेंट के लिए ड्रोन और अन्य तकनीकों उपयोग किया जा रहा है। सभी जिलों में कुल 53 विशेष हथियार एवं रणनीति (स्वाट) टीमें तैनात की गई हैं। सरकार का दावा है कि प्रदेश में जहां साइबर अपराध की घटनाएं बढ़ रही है वहीं साइबर अपराधियों की गिरफ्तारी भी रोजाना पांच से बढ़कर 22 तक पहुंच गई है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि 2025 में 31 जुलाई तक राज्य में 530 हत्याएं, 2 हजार 316 अपहरण और फिरौती के लिए 12 अपहरण की घटनाएं हुई हैं। महिलाओं के विरुद्ध अपराध में राज्य में रेप के 779 मामले, अपहरण के 771 मामले, छेड़छाड़ के 662 और दहेज हत्या के 80 मामले दर्ज किए गए हैं।

सीएम सैनी का कांग्रेस पर तंज

संविधान खत्म नहीं हुआ, जनता ने कांग्रेस को ही खत्म कर दिया

चंडीगढ़, 24 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि विपक्ष ने संविधान को सिर पर उठाकर यह भ्रम फैलाया कि अगर नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने तो संविधान खत्म कर देंगे, लेकिन संविधान तो खत्म नहीं हुआ, बल्कि जनता ने देश से कांग्रेस को ही खत्म कर दिया। मुख्यमंत्री कुरुक्षेत्र के गांव पटाक माजरा में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अब विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है, इसलिए वे झूठ फैलाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव में हारने के बाद कांग्रेस ईवीएम पर दोष मढ़ती है, जबकि यह एक पारदर्शी व्यवस्था है।

पुलिस भर्ती जल्द, मेरिट पर मिलेगी नौकरी: मुख्यमंत्री ने युवाओं को खुशखबरी देते हुए घोषणा की कि हरियाणा में जल्द ही पुलिस विभाग में सिपाही के पदों पर भर्ती निकाली जाएगी। उन्होंने युवाओं से मेहनत करने का आह्वान करते हुए कहा कि सभी भर्तियां पूरी पारदर्शिता और मेरिट के आधार पर होंगी।

गांव के विकास के लिए 21 लाख की घोषणा: सीएम सैनी ने गांव पटाक माजरा के विकास के लिए 21 लाख रुपये देने की घोषणा की और ग्रामीणों द्वारा रखी गई सभी मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार का लक्ष्य केवल राजनीतिक दिखावा करना नहीं, बल्कि हर गांव और हर कस्बे तक विकास पहुंचाना है। सीएम ने सरकार की कई उपलब्धियां भी गिनाईं, जिनमें युवाओं को बिना पर्ची-खर्ची के नौकरी, सभी सरकारी अस्पतालों में मुफ्त डायलिसिस की सुविधा, पंचायती भूमि पर बने मकानों का मालिकाना हक, और किसानों को एमएसपी पर सभी फसलें खरीदने वाला पहला राज्य बनना शामिल है।

हर पात्र व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने में मददगार बनें कार्यकर्ता : प्रकाश धनखड़

झज्जर, 24 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र में मोदी सरकार और हरियाणा में नायब सरकार अंत्योदय की भावना से जनसेवा के उल्लेखनीय कार्य कर रही हैं। समाज के हर वर्ग की देश - प्रदेश के विकास में बराबर की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। सभी भाजपा कार्यकर्ताओं का दायित्व बनता है कि वह यह सुनिश्चित करें कि अपने अपने क्षेत्र में हर पात्र नागरिक को मोदी और नायब सरकार की योजनाओं का लाभ मिल रहा है। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़ ने एम आर हसनपुर स्कूल में आयोजित बादली विधानसभा मंडल कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते हुए यह आह्वान किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं को दिशा निर्देश देते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ता की पहचान देश और समाज सेवा से होती है। आप सभी यह निश्चय कर लें कि आगामी सेवा पखवाड़े में अपने अपने क्षेत्र में सरकार की योजनाओ के लाभ से वंचित रहे हर पात्र नागरिक को योजनाओं का लाभ दिलवाने में मददगार बनेंगे। पात्र नागरिक को योजना का लाभ मिलने से उसका विश्वास आपके प्रति , भाजपा के प्रति और भाजपा की मोदी नायब सरकार के प्रति और बढ़ेगा। नागरिकों के विश्वास से ही भाजपा संगठन और मजबूत होगा।

राष्ट्रीय सचिव धनखड़ ने बैठक में पार्टी के आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि अगला पखवाड़ा बहुत ही महत्वपूर्ण है, इसमें 17 सितंबर को माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का जन्म दिवस है, 25 सितंबर को पं.दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती और दो अक्टूबर को महात्मा गांधी जी की जयंती है। पार्टी इस पखवाड़े को सेवा पखवाड़े के रूप में मनाएगी। इस पखवाड़े के दौरान पार्टी कार्यकर्ता कार्यक्रमों को समारोह के रूप में आयोजित करेंगे । इस दौरान स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, खेल प्रतियोगिताएं, वोकल फॉर लोकल,खादी की खरीद, पात्र लोगों के आयुष्मान, हैप्पी कार्ड बनवाना सहित अलग अलग प्रकार की 14 गतिविधियां होंगी। सभी कार्यकर्ता इन आयोजनों में बढ़-चढक़र भागीदारी करेंगे। बैठक में पहुंचने पर भाजपा के राष्ट्रीय सचिव औमप्रकाश धनखड़ का जिला अध्यक्ष विकास वाल्मीकि की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने जोश और उत्साह के साथ स्वागत किया।

चंडीगढ़ में अब कचरे से बनेगी गैस, 10 एकड़ जमीन पर बायोगैस प्लांट बनाने की तैयारी

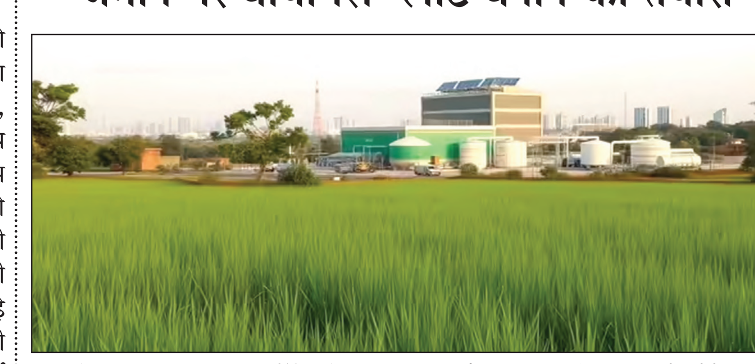

चंडीगढ़, 24 अगस्त (एजेंसियां)। सिटी ब्यूटीफुल चंडीगढ़ में कचरा प्रबंधन को टिकाऊ और पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है। नगर निगम इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड को शहर का पहला सेग्रिगेटेड ऑर्गेनिक म्युनिसिपल सॉलिड वेस्ट आधारित कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट स्थापित करने के लिए नामित करने जा रहा है। यह परियोजना भारत सरकार की एसएटीएटी योजना के तहत शुरू होगी, जिसके तहत ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को देशभर में सीबीजी प्लांट्स की स्थापना करनी है।

इस पहल के तहत आईओसीएल को चंडीगढ़ के लिए कार्यान्वयन एजेंसी बनाया गया है। प्रस्ताव मंगलवार को होने वाली निगम की सामान्य हाउस बैठक में चर्चा के लिए रखा जाएगा। स्वीकृति मिलने पर यह प्लांट माजरा कचरा डंपिंग साइट पर विकसित किया जाएगा, जो शहर को लैंडफिल पर निर्भरता घटाने और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने में मील का पत्थर साबित होगा।

परियोजना के लिए लगभग 10 एकड़ भूमि माजरा में चिन्हित की गई है। आईओसीएल इस प्लांट में पूंजीगत व्यय और परिचालन व्यय दोनों का निवेश करेगा। इसमें अवसंरचना का निर्माण, उपयोगिताओं की स्थापना और संचालन से जुड़े खर्च शामिल होंगे।

आगम साधु के नेत्र हैं समाज को धर्म के लिए संगठित होना जरूरी है : आचार्य श्री वर्धमान सागर

टोंक, 24 अगस्त (एजेंसियां)। आचार्य श्री वर्धमान सागर चातुर्मास हेतु संघ सहित टोंक विराजित है।आज उपदेश में बताया कि साधु के नेत्र आगम है साधु को आगम अनुसार चलना चाहिए ,साधु का लक्षण परिग्रह रहित , कषाय रहित होकर स्वाध्याय प्रेमी होना चाहिए। सभी का समाज को जोड़ना चाहिए यदि समाज जोड़ नहीं सके तो तोड़ना का कारण नहीं होना चाहिए। वर्तमान में समाज को संगठित होना बहुत जरूरी है। सभी को प्रेम ,वात्सल्य भाव रखकर समाज को संगठित करना चाहिए। संत वाद और पंथवाद के सन्दर्भ में बताया कि प्रथमाचार्य श्री शांतिसागर जी ,श्री वीरसागर के जीवन,उपदेश से तथा,श्री शिवसागर, श्री धर्मसागर श्री अजीतसागर, श्री श्रुतसागर महाराज के मंगल सानिध्य में यही शिक्षा ज्ञान ग्रहण किया कि हम अपनी छोड़ेगे नहीं,और आपकी बिगाड़ेंगे भी नहीं।यह सूत्र हमने जीवन में 57 वर्षों के संयम जीवन में अपनाया हैं और शिष्यों को भी यही प्रेरणा देते है। यह मंगल देशना प्रथमाचार्य श्री शांतिसागर महाराज आचार्य पद प्रतिष्ठापना शत-ाब्दी महोत्सव की दो दिवसीय गोष्ठी में आयोजित विद्वानों की सभा में प्रकट की। राजेश पंचोलिया के अनुसार आचार्य श्री ने आगे बताया कि हम किसी विद्वान के आलेख विचार पर टिप्पणी नहीं करेंगे आपकी अपनी ठेस बचाने के लिए आगम को ठेस नहीं लगना चाहिए। केवली भगवान द्वारा तीर्थंकरों और केवली भगवान की प्रतिपादित जिनवाणी आगम 400 वर्ष से भी अधिक पुरानी है। साधुओं विद्वानों ओर समाज को वर्तमान में प्राचीन परंपराओं को तोड़ा जाना या बदला जाना उचित नहीं है। प्राचीन आगम परंपरा में परिवर्तन बदलाव करने से समाज में विवाद और विघटन होता है। साधु का हमेशा उदासीन भाव रहना चाहिए। ट्रस्ट मंदिर संपति का निजी उपभोग हानिप्रद हैं।आचार्य श्री शांति सागर श्रमण साधु परम्परा कुल के पितामह थे हैं और रहेंगे ।आचार्यश्रीआत्म विद्या के महाज्ञानी थे उनमें आत्मज्ञान बहुत था ,आत्मा ही सर्वश्रेष्ठ है वह अनासक्ति के सर्वोच्च शिखर पर रहे गृहस्थ अवस्था से वह अनासक्ति और निष्प्रही रहे उनमें बचपन से वैराग्य और चारित्र ,अपने ज्ञान से सभी को वह स्वाध्याय की प्रेरणा देते थे। हम उनके जैसी तपस्या नहीं कर सकते किंतु समन्वय का गुण संघ परंपरा अनुसार आज भी विद्यमान हैं। आचार्य श्री के प्रवचन के पूर्व मुनि श्री हितेंद्र सागर ने प्रस्तुत आलेखों में विवेक पूर्वक भगवान को चंदन लगाना पुष्प चढ़ाएं जाने को आगम अनुकूल बताया। समाज प्रवक्ता पवन कंटान एवं विकास जागीरदार अनुसार विद्वत संगोष्ठी के पूर्व मंगलाचरण दीप प्रवज्जलन के बाद अतिथियों ने आचार्य श्री के चरण प्रक्षालन कर जिनवाणी भेंट की।चातुर्मास समिति ओर जैन समाज द्वारा आयोजित दो दिवसीय संगोष्ठी में संयोजक अनिल कंटान, सुमित दाखिया, सीटू आरटी व अम्मू छामुनिया ने बताया कि प्रस्तुत आलेखों के संकलन की पुस्तक का विमोचन आचार्य संघ सानिध्य में विद्वानों ने किया।सभी अतिथियों का श्रीफल माला शाल स्मृति चिन्ह से सम्मान किया गया। आचार्य पद प्रतिष्ठापना शताब्दी महोत्सव पंचम पट्टाधीश वात्सल्य वारिधी आचार्य श्री वर्धमान सागर की प्रेरणा से पूरे भारत में वर्ष 2024 से वर्ष 2025 तक मनाया जा रहा हैं 23 और 24 अगस्त को आचार्य श्री शांति सागर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर और जैन धर्म के अवदान सहित अनेक विषयों पर देश के ख्याति नाम अनेक आमंत्रित विद्वानों में डॉक्टर शीतलचंद जयपुर ,डॉक्टर श्रेयांश कुमार बड़ौत ,डॉक्टर फूलचंद प्रेमी वाराणसी, प्रोफेसर जयकुमार मुजफ्फरनगर, प्रोफेसर जयकुमार उपाध्याय दिल्ली , प्रतिष्ठाचार्य जयकुमार निशांत टीकमगढ़, डॉक्टर अनुपम जैन इंदौर ,राजेंद्र महावीर सनावद, डॉक्टर आनंद प्रकाश शास्त्री कोलकाता, पंडित सुरेश मारोरा इंदौर , आदि विद्वान आचार्य श्री वर्धमान सागर जी के विशाल संघ सानिध्य में आचार्य श्री शांति सागर के गृहस्थ अवस्था व्यापार में निस्पृहता, उपसर्ग, उपवास दीक्षाएं,जिनवाणी जैन संस्कृति दिगम्बर मंदिर संरक्षण समाधि ,आचार्य श्री शांति सागर की परंपरा सहित अनेक विषयों पर विचारात्मक आलेखों का वाचन किया ।

बीसलपुर बांध से पानी निकासी घटाई

टोंक, 24 अगस्त (एजेंसियां)। जिले में स्थित बीसलपुर बांध में पानी की आवक एक दिन बाद ही कम पड़ने से सभी 6 गेटों से पानी निकासी शनिवार के मुकाबले रविवार सुबह आधी कर दी है। रविवार सुबह 6 बजे सभी 6 गेटों को एक-एक मीटर खोलकर सभी गेटों से प्रति सेकेंड 36 हजार 60 क्यूसेक पानी की निकासी बनास नदी में की जा रही है।जबकि रविवार सुबह 6 बजे से इससे पहले इन सभी गेटों को शनिवार से ही दो-दो मीटर खोलकर प्रति सेकेंड 72 हजार 120 क्यूसेक पानी निकासी की जा रही थी।

बीसलपुर बांध परियोजना के दएछ मनीष बंसल ने बताया कि पानी की आवक गत दिनों से बांध में कम होती जा रही है। इसके चलते बांध का जल स्तर 315.50 मेंटेन कर बांध से काफी कम पानी निकासी की जा रही है। त्रिवेणी का गेज भी शनिवार के मुकाबले आज घट गया है। शनिवार को वह 4 मीटर के बहाव से बह रही रही। रविवार को वह 3.90 मीटर के बहाव से बह रही है। वहीं मौसम खुशनुमान बना हुआ है। हवा चल रही है, बादल छाये हुए है। कुछ जगह रिमझिम बारिश रुक रुक हो रही है। इसके साथ ही तापमान में भी गिरावट आई है।

जयपुर-दौसा में दो दिन स्कूल बंद भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित

जयपुर, 24 अगस्त (एजेंसियां)। जिले में लगातार हो रही भारी बारिश को देखते हुए जिला प्रशासन ने सोमवार 25 अगस्त और मंगलवार 26 अगस्त को जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों और राजकीय व गैर-राजकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए अवकाश घोषित कर दिया है। जिला कलक्टर एवं आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी ने आदेश जारी किए। इसी तरह दौसा जिले में भी दो दिन स्कूल बंद रखने के निर्देश मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा जारी किए गए हैं। प्री-प्राइमरी से लेकर कक्षा 12वीं तक विद्यार्थियों के लिए यह अवकाश रहेगा। पिछले 24 घंटों में दौसा जिले में अत्यंत भारी बारिश दर्ज की गई है। वहीं अलवर, जयपुर, करौली, सवाई माधोपुर, सीकर और टोंक जिलों में अतिभारी बारिश और उदयपुर, सिरोही, राजसमंद, प्रतापगढ़, भरतपुर, नागौर व अजमेर जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश रिकॉर्ड की गई। दौसा में सबसे अधिक 285MM वर्षा मापी गई है।

मौसम विभाग ने अलवर, झुंझुनू, नागौर, चूरू और बीकानेर जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन क्षेत्रों में मेघगर्जन के साथ एक-दो दौर भारी वर्षा और 30-40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से सतही हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, टोंक, सवाई माधोपुर, अलवर, जयपुर, सीकर, दौसा, भरतपुर, अजमेर, भीलवाड़ा, बूंदी, जोधपुर, पाली, धौलपुर और करौली जिलों में मेघगर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। इन जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। साथ ही, आकाशीय बिजली गिरने और 20-30 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की आशंका जताई गई है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन अच्छा रहेगा। आय के स्रोतों में वृद्धि में होगी, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। सकारात्मक सोच व आत्मविश्वास कार्यों में सफलता दिलाएगा। प्रॉपर्टी में निवेश से लाभ होगा। शेयर-सट्टे से दूर रहें। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजनों-मित्रों का भरपूर सहयोग मिलेगा, जिससे आपके अंदर एक नई ऊर्जा आएगी। सेहत का लेकर सावधानी बरतें। विद्यार्थियों को कठिन परिश्रम से अच्छा फल मिल सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। बुजुर्गों के आशीर्वाद से व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति बनेगी। नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे। कार्यभार की अधिकता रहेगी, लेकिन अपनी योग्यता और क्षमताओं का भरपूर लाभ उठायेंगे और कार्यों में सफलता प्राप्त करेंगे। आय के स्रोत बढ़ेंगे और आकस्मिक धनलाभ की संभावना रहेगी। मित्रों से सहयोग प्राप्त होगा। परिवार का माहौल आपके अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। अनावश्यक खर्च बढ़ने से चिंतित रहेंगे, जिससे क्रोध की अधिकता रहेगी। बिना सोचे किसी कार्य की शुरुआत न करें, अन्यथा नुकसान की संभावना रहेगी। सामाजिक और धार्मिक कार्यों के प्रति रुझान बढ़ेगा। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। परिवार का माहौल आनंदमय रहेगा और परिजनों का सहयोग मिलेगा। सेहत को लेकर सावधान रहें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज का दिन आर्थिक दृष्टि से काफी अच्छा रहेगा। कारोबार में धनलाभ की स्थिति रहेगी। आय के स्रोत बढ़ाने के प्रयास सफल होंगे। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी, लेकिन कड़ी मेहनत से कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। पुराने मित्रों से सुखद मिलन होगा। संतान के लिए कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेना पड़ सकता है। परिवार के साथ कुछ अच्छे पलों का आनंद उठा सकते हैं। सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय रहेगा। स्वास्थ्य भी आपके अनुकूल रहेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति रहेगी, लेकिन अनावश्यक खर्च की भी अधिकता रहेगी। सहयोगी कार्य में व्यवधान उत्पन्न कर सकते हैं, इसलिए संभलकर रहने की आ-वश्यकता है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता और भागदौड़ की स्थिति रहने से मानसिक एवं शारीरिक रूप से थकान का अनुभव कर सकते हैं। क्रोध पर नियंत्रण रखना होगा, वरना किसी से विवाद होने की संभावना रहेगी। सेहत सामान्य रहेगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार अच्छा चलेगा और धनलाभ रहेगा। कठिन परिश्रम से सभी कार्य समय पर पूरे होंगे, लेकिन अनावश्यक खर्च बढ़ने से आर्थिक स्थिति प्रतिकूल हो सकती है। लेन-देन में सावधानी बरतें। धर्म-कर्म के प्रति आस्था बढ़ेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा, लेकिन दोस्तों से अनबन हो सकती है। परिवारजनों के साथ रिश्ते मजबूत होंगे। संवेदनशील मामलों में संभलकर चलने की आवश्यकता है। सेहत का ध्यान रखें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी, लेकिन कार्यों की सफलता से धनलाभ की स्थिति रहेगी। व्यापारिक यात्रा के योग रहेंगे, जो लाभदायक रहेगी। विद्यार्थियों को अधिक परिश्रम करना होगा। वाहन या किसी तरह की संपत्ति भी खरीदने में रुचि ले सकते हैं। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजनों का भरपूर सहयोग मिलेगा। दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। नौकरी में स्थान बदल सकते हैं। खान-पान का ध्यान रखें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में छोटी-छोटी परेशानियां आ सकती हैं, लेकिन अपने प्रयासों और कड़ी मेहनत से कार्यों में सफल होंगे, जिससे मनोबल बढ़ेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। जरूरी कार्य समय पर पूरे होंगे। सामाजिक कार्यों के प्रति रूझान बढ़ेगा। स्वास्थ्य की अनदेखी न करें। मित्रों से मुलाकात प्रसन्नता देगी। आपका पारिवारिक जीवन थोड़ा संघर्षमय रह सकता है। किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जा निकल सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। कार्यक्षेत्र में आकस्मिक धनलाभ की प्राप्ति हो सकती है। प्रॉपर्टी और शेयर बाजार में निवेश लाभदायक रहेगा। बुजुर्गों के आशीर्वाद से कार्यों में सफलता मिलेगी और सुख-समृद्धि में वृद्धि होगी। परिवार का माहौल आनंदमय रहेगा। काम की अधिकता से थकान का अनुभव कर सकते हैं। क्रोध पर नियंत्रण रखें। किसी मांगलिक आयोजन में शामिल हो सकते हैं। घर की सजावट के लिए नई वस्तुओं की खरीदारी कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज का दिन अच्छा रहेगा। व्यवसाय-धंधे में लाभ की स्थिति रहेगी। किसी नये कार्य की शुरुआत कर सकते हैं। बेरोजगारों को नौकरी के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। परिवार में मंगल कार्यों का आयोजन हो सकता है। वाहन या किसी तरह की संपत्ति भी खरीदने के योग बन रहे हैं। घरेलू जीवन में प्रतिकूलता का सामना करना पड़ सकता है। परिवार में किसी सदस्य से अनबन हो सकती है। संबंधों में मधुरता बनाए रखने के लिए संयम रखना आवश्यक है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार में धन प्राप्ति के योग हैं। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और कुछ परेशानियां भी आ सकती हैं, लेकिन कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिल सकती है। परिवार के किसी उत्सव में खर्च की अधिकता रहेगी। परिवार में वाद-विवाद की स्थिति बन सकती है, इसलिए समझदारी का परिचय देते हुए परिवार समस्याओं को सुलझ-ाने का प्रयास करें। जीवनसाथी का पूरा सहयोग रहेगा। सेहत का ध्यान रखें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में दूसरों पर भरोसा न करें। अपनी मेहनत पर विश्वास करें और आगे बढ़ते रहें। अपने प्रयासों से कार्यों में सफलता मिलेगी। जीमन-जायदाद के सौदे करने से पहले बुजुर्गों की सलाह अवश्य लें। किसी नवीन कार्य की शुरुआत कर सकते हैं। धर्म-कर्म के प्रति आस्था बढ़ेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। मित्रों से संबंध काफी अच्छे रह सकते हैं। स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 25 अगस्त 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : भाद्रपद, शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वितीया दोपहर 12:36 तक
नक्षत्र : उत्तराफाल्गुनी रात्रि 03:50 तक
योग : सिद्ध दोपहर 12:06 तक
करण : कौलव दोपहर 12:36 तक
चन्द्रराशि : सिंह प्रातः 08:29 तक
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:35 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:35 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:28 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:25 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :- बाबा रामदेव जी बीज

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

बिहार की सियासत में बड़ा उलटफेर

पूर्व मंत्री रामाधार सिंह ने छोड़ी भाजपा, बनाया मगध विकास मोर्चा

औरंगाबाद (एजेंसियां)।

बिहार की राजनीति में बड़ा धमाका करते हुए पूर्व सहकारिता मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता रहे रामाधार सिंह ने पार्टी से बगावत कर दी है। उन्होंने रविवार को साफ ऐलान किया कि वह अब भाजपा में नहीं रहेंगे और मगध विकास मोर्चा नामक नया राजनीतिक संगठन बनाकर आगामी विधानसभा चुनाव में मगध प्रमंडल की कई सीटों पर उम्मीदवार उतारेंगे।

रामाधार सिंह ने बताया कि उन्होंने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल को फोन कर सीधे कह दिया है – अब इस पार्टी में नहीं रहना है। उन्होंने कहा कि सोमवार को औपचारिक रूप से मगध विकास मोर्चा की घो–षणा करेंगे। पूर्व मंत्री ने कहा कि वे औरंगाबाद विधानसभा सीट से खुद चुनाव मैदान में उतरेंगे। साथ ही, नबीनगर से धर्मेंद्र कुमार, कुटुम्बा (सुरक्षित) से अजय भुईया, गया के इमामगंज (सुरक्षित) से सतीश भारती, वजीरगंज से अभय सिंह गहौना और जहानाबाद से गोपाल सिंह को उम्मीदवार घोषित किया है।

रामाधार सिंह ने कहा कि मगध विकास मोर्चा का घोषणा पत्र 'भूमि सर्वेक्षण तत्काल बंद करने' और 'भाजपा में आए दलबदलू नेताओं को बाहर करने' जैसे मुद्दों पर केंद्रित होगा। इसके अलावा किसानों को हर खेत तक पानी पहुँचाने को लेकर कई वादे किए गए हैं।

पूर्व मंत्री ने तंज कसते हुए कहा – भाजपा को बनाने के लिए हमने 30 बीघा जमीन बेची थी, अब इसे बिगाड़ने के लिए 50 बीघा जमीन बेचेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे खुद चुनाव लड़ेंगे और अपने उम्मीदवारों को भी चुनाव लड़वाएंगे।

सिंह ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल को भ्रष्ट बताते हुए कहा कि वे जन प्रतिनिधि नहीं बल्कि धर प्रतिनिधि हैं। साथ ही दावा किया कि जब वे सहकारिता मंत्री थे तो पीएम मोदी के कहने पर उन्होंने ही जायसवाल को एक बोर्ड का चेयरमैन बनाया था।

गौरतलब है कि रामाधार सिंह पिछले दो विधानसभा चुनाव हार चुके हैं और पार्टी से उपेक्षित महसूस कर रहे थे। इस बार भी वे औरंगाबाद सीट से भाजपा टिकट के प्रबल दावेदार थे, लेकिन टिकट न मिलने की संभावना को देखते हुए उन्होंने नया मोर्चा बना लिया। रामाधार सिंह की गिनती भाजपा के दिग्गज नेताओं में होती रही है। उन्होंने औरंगाबाद में पार्टी को खड़ा करने में अहम भूमिका निभाई थी। अब उनके अलग मोर्चा बनाने से भाजपा और एनडीए उम्मीदवारों के समीकरण बिगड़ सकते हैं, क्योंकि मगध प्रमंडल में उनका खासा प्रभाव माना जाता है।

तेजस्वी यादव ने एनडीए सरकार को दी चुनौती, कहा–

हिम्मत है तो देश के हर थाने में मेरे ऊपर केस दर्ज करवाओ

पटना (एजेंसियां)।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर महाराष्ट्र में प्राथमिकी दर्ज होने के मामले पर सियासत जारी है। अब तेजस्वी यादव राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन वाली सरकार को बड़ी चुनौती दे दी है। उन्होंने कहा कि जुमलों की दुकान कहने पर एफआईआर करने वालों मेरी बात सुन लो। यह दुकान ही नहीं बल्कि झूठ बोलने की फैक्ट्री, मैन्युफैक्चरर, होलसेलर, डिस्ट्रीब्यूटर और सुपर बाजार है। उन्होंने कहा कि तेजस्वी बिहार का लाल है। मैं आपकी गीदड़ भभकियों से डरने वाला नहीं हूं। अगर हिम्मत है तो देश के हरेक राज्य के हरेक थाने में केस दर्ज करवाओ। आप लोग सबको अपने जैसा डरपोक समझते हो, हम बिहारी हैं बिहारी, ठेठ बिहारी।

तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि यह लोग वोट चोर चुनाव में वोट चुरा सरकार बना लेते है। 20 वर्षों से सत्ता का मजा ले रहे भ्रष्टाचारियों को गणतंत्र की जननी बिहार से गणतंत्र को खत्म नहीं होने देंगे। इस बार लडेंगे भी, रोकेंगे भी और जीतेंगे भी। उन्होंने दावा किया गया कि हमारे संग समूचा बिहार खड़ा है। हमलोग किसी वोट का अधिकार नहीं छीनने देंगे।

बता दें कि महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में शुक्रवार को पूर्व बिहार उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के खिलाफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आपत्तिजनक पोस्ट ट्वीट करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई थी। शिकायत गढ़चिरौली के भाजपा विधायक मिलिंद नारोटे ने दर्ज कराई थी। तेजस्वी यादव पर भारतीय न्याय संहिता की धाराएं 196 (विभिन्न समूहों में दुश्मनी फैलाना), 356 (मानहानि), 352 (जानबूझकर अपमान कर शांति भंग करने का इरादा) और 353 (जनता में उपद्रव फैलाने वाले बयान) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पटना में हवाई फायरिंग से मचा हड़कंप गंगा स्नान को जा रहे श्रद्धालुओं में भगदड़

पटना (एजेंसियां)।

पटना जिले के फतुहा नगर क्षेत्र में शनिवार को उस समय अफरा–तफरी मच गई जब अज्ञात बदमाशों ने बीच बाजार में कई राउंड हवाई फायरिंग कर दी। घटना के समय बड़ी संख्या में लोग बाजार में मौजूद थे और गंगा स्नान के लिए श्रद्धालु घाट की ओर जा रहे थे। अचानक हुई फायरिंग से श्रद्धालुओं और आम लोगों में भगदड़ की स्थिति बन गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, चार से पांच बदमाश फतुहा बाजार स्थित केनरा बैंक के पास पहुंचे और पिस्तौल निकालकर हवा में ताबड़तोड़ फायरिंग करने लगे। इसके बाद सभी बदमाश फोरलेन की ओर भाग निकले। घटना से पूरे बाजार में दहशत का माहौल बन गया। दुकानदारों ने आनन–फानन में अपनी दुकानें बंद कर दीं।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है ताकि बदमाशों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जा सके।

फतुहा एसडीपीओ अवधेश प्रसाद ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि बदमाश दो की संख्या में थे, जिन्होंने बाजार में पहुंचकर 4–5 राउंड फायरिंग की। पुलिस टीम लगातार छानबीन कर रही है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

नियमित अमीनों की वरीयता सूची बनाने की प्रक्रिया तेज, विभाग ने जिलों से रिपोर्ट तलब की

पटना (एजेंसियां)।

बिहार में नियमित अमीनों की वरीयता सूची तैयार करने की दिशा में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने कदम तेज कर दिए हैं। विभाग के अपर सचिव डॉ. महेन्द्र पाल ने इस संबंध में सभी समाहर्ताओं, भू–अभिलेख एवं परिमाप निदेशालय, भू–अर्जन निदेशालय और चकबंदी निद–ेशालय के निदेशकों को पत्र भेजकर शीघ्र रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।

हाल ही में बिहार अमीन संवर्ग नियमावली, 2025 का गठन किया गया है। इसके प्रावधानों के अनुसार जिला, भू–अर्जन, चकबंदी और भू–अभिलेख एवं परिमाप निदेशालय में कार्यरत नियमित अमीनों का एकीकृत संवर्ग बनाया जाना है। इसके साथ ही विभागीय स्तर पर उनकी वरीयता सूची का संधारण भी अनिवार्य है। विभाग ने 6 अगस्त को ही सभी अधिकारियों को विहित प्रपत्र में आवश्यक प्रतिवेदन भेजने का निर्देश दिया था, लेकिन अब तक कई जिलों से यह जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई है। इसे गंभीरता से लेते हुए विभाग ने दोबारा तत्काल रिपोर्ट भेजने का आग्रह किया है।

अपर सचिव ने कहा कि वरीयता सूची का निर्धारण समय पर करने के लिए नियमित अमीनों से संबंधित प्रतिवेदन तुरंत भेजना होगा। उन्होंने इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया है। जानकारी के अनुसार, अमीनों की पदोन्नति और सेवा व्यवस्था इसी वरीयता सूची पर आधारित होगी। संवर्ग के एकीकरण से सेवा व्यवस्था में पारदर्शिता और एकरूपता सुनिश्चित की जाएगी।

नवादा में साइबर ठगी विवाद में किशोर की अपहरण कर हत्या, पांच आरोपी फरीदाबाद से गिरफ्तार

पटना (एजेंसियां)।

नवादा जिले के वारिसलीगंज थाना क्षेत्र के फतहा गांव में साइबर ठगी के पुराने विवाद को लेकर 14 वर्षीय किशोर सूरज कुमार उर्फ सुंदरम की बेरहमी से हत्या कर दी गई। आरोपियों ने 19 अगस्त को उसका अपहरण किया था। अगले दिन 20 अगस्त को परिजनों को 30 लाख रुपये फिरौती की मांग का कॉल आया। चार दिन बाद मृतक का शव बागीबरडीहा स्थित बालू स्टॉक के पास से बरामद हुआ।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने एसडीप–ीओ पकरीबरावां के नेतृत्व में एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित की। टीम ने फरीदाबाद पुलिस और यूपी एसटीएफ की मदद से कार्रवाई करते हुए हरियाणा के फरीदाबाद जिले के पल्ला इलाके से पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सूरज कुमार, शिवम कुमार, कन्हैया कुमार, सुमन कुमार और एक अन्य शिवम कुमार के रूप में हुई है।

सभी आरोपी नवादा जिले के नरहट थाना क्षेत्र के खनवाँ गांव निवासी हैं। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि मृतक से उनका साइबर ठगी के पैसों को लेकर पुराना विवाद था।

आरोपियों ने बताया कि 19 अगस्त को सूरज का अपहरण कर उसकी पिटाई की गई और फिर मुंह में गमछा ठूंसकर उसकी हत्या कर दी गई। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि मृतक सूरज पर साइबर थाना नवादा में पहले से एक मामला दर्ज था।

पुलिस ने मृतक का मोबाइल फोन और आरोपियों के फोन जब्त कर लिए हैं। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद वारिसलीगंज थाना लाया जा रहा है। इस दिल दहला देने वाली घटना से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। वहीं, स्थानीय लोगों ने प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत

पटना (एजेंसियां)।

बिहटा–सरमेरा मुख्य सड़क (एसएच–78) पर अनियंत्रित होकर एक क्रेटा कार गहरे गड्ढे में जा गिरी। हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना से पूरे इलाके में मातम का माहौल है। घटना अहले सुबह भेंडा और सोसंदी गांव के बीच स्थित टर्निंग पर घटी। बताया जाता है कि क्रेटा कार तेज रफ्तार में थी और अचानक अनियंत्रित होकर करीब 20 फीट नीचे पानी भरे गड्ढे में पलट गई। कार में सवार चार लोगों में से तीन की मौत पानी में डूबने से हो गई, जबकि एक को ग्रामीणों ने किसी तरह बाहर निकाला। सुबह शौच के लिए जा रहे ग्रामीणों की नजर गड्ढे में पलटी कार पर पड़ी। उन्होंने शोर मचाकर अन्य लोगों को बुलाया और तुरंत पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही रहुई थाना पुलिस दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से तीनों शवों को बाहर निकाला गया। घायल व्यक्ति को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, रहुई भेजा गया, जहां उसका इलाज जारी है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए बिहारशरीफ सदर अस्पताल भेज दिया है।

हादसे में जिन तीन लोगों की मौत हुई है, उनकी पहचान हो चुकी है। मृतकों में नालंदा जिले के सरमेरा थाना क्षेत्र के महब्बतपुर गांव निवासी पैरू यादव का 28 वर्षीय बेटा पवन कुमार उर्फ पाजो यादव, सरमेरा थाना क्षेत्र के मोती बिगहा गांव निवासी जितेंद्र पासवान का 25 वर्षीय बेटा अरविंद पासवान और शेखपुरा जिले के शेखोपुरसराय थाना क्षेत्र के अस्थना गांव निवासी स्व. रंजीत प्रसाद का 25 वर्षीय बेटा समीर राज शामिल हैं। हादसे की खबर मिलते ही घटनास्थल पर भारी संख्या में लोग एकत्र हो गए। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि इस खतरनाक मोड़ को सुरक्षित बनाया जाए और जर्जर सड़क की मरम्मत कराई जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

सासाराम में मुठभेड़, दो अपराधी को पुलिस ने मारी गोली, सात गिरफ्तार

अपहृत शिक्षक सकुशल बरामद

सासाराम (एजेंसियां)।

सासाराम में बढ़ैया बाग मोहल्ले में पुलिस और अपराधियों के बीच हुई मुठभेड़ में बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने अपहृत शिक्षक को सकुशल बरामद कर लिया है, जबकि दो अपराधियों के पैर में गोली लगी है और सात अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। घायल अपराधियों की पहचान कैमूर जिले के बिलोरी गांव निवासी प्रभात कुमार उर्फ सोनू गुप्ता और मुजान गांव निवासी सुरेश राम के रूप में हुई है। दोनों को पुलिस अभिरक्षा में सदर अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। मुठभेड़ में इंदल राम और रामाशीष शर्मा भी घायल हुए हैं।

पुलिस ने कार्रवाई के दौरान सात अपराधियों को गिरफ्तार किया। उनके पास से दो देसी कट्टा और 15 जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। गिरफ्तार अपराधियों से नगर थाने में पूछताछ की जा रही है और उनके आपराधिक इतिहास की जांच की जा रही है। इस पूरे ऑपरेशन में डीआईजी सत्य प्रकाश, एसपी रोशन कुमार, डीएसपी दिलीप कुमार और कुमार वैभव भारी पुलिस बल के साथ मौजूद रहे।

यह पूरा मामला कपसियां मध्य विद्यालय के शिक्षक दिलीप कुमार के अपहरण से जुड़ा हुआ है। शुक्रवार शाम वे अपनी बाइक से स्कूल से लौट रहे थे, तभी अपराधियों ने उनका अपहरण कर लिया। देर रात अपहर्ताओं ने शिक्षक के मोबाइल से ही परिजनों को कॉल कर 5 लाख रुपये फिरौती की मांग की। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू की और बलथरी के पास से शिक्षक की बाइक लावारिस हालत में बरामद की। तकनीकी जांच के बाद पुलिस को पता चला कि अपहृत शिक्षक को तकिया बाजार स्थित एक अधनिर्मित मकान में रखा गया है।

छापेमारी के दौरान अपराधियों ने पुलिस पर हमला कर दिया। जवाबी फायरिंग में प्रभात उर्फ सोनू गुप्ता और सुरेश राम के पैरों में गोली लगी। पुलिस ने मौके से सात अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया और अधनिर्मित मकान से शिक्षक को सकुशल बरामद किया।

सीएम ने किया कच्ची दरगाह बिदुपुर सिक्स लेन का उद्घाटन

पटना (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज दीदारगंज में कच्ची दरगाह बिदुपुर सिक्स लेन गंगा पुल परियोजना के पटना अप रैम्प का फीता काटकर लोकार्पण किया। इसके बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नवनिर्मित पटना अप रैम्प का जाजया लिया। इस दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को नवनिर्मित पटना अप रैम्प से होने वाली रोड कनेक्टिविटी के संबंध में जानकारी दी। सीएम नीतीश कुमार ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि यहां के सर्विस रोड को भी ठीक ढंग से दुरूस्त करायें ताकि वाहनों का सुचारू रूप से परिचालन हो सके।

कच्ची दरगाह बिदुपुर सिक्स लेन गंगा पुल परियोजना का पटना अप रैम्प एक सम्पर्क पथ के रूप में निर्मित है, जो जेपी गंगा पथ के अंतिम बिन्दु दीदारगंज से प्रारंभ होकर नवनिर्मित 6 लेन न्यू गंगा ब्रिज तक जाता है। इस संपर्क पथ के माध्यम से पटना शहर की तरफ से जेपी गंगा पथ होते हुए वाहनों का आवागमन सीधे नवनिर्मित 6 लेन न्यू गंगा ब्रिज तक होगा। इससे शहर के अंदर वाहनों का दबाव कम होगा तथा जाम की समस्या से लो–गों को निजात मिलेगी। इसकी लागत राशि लगभग 44 करोड़ रुपये है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कच्ची दरगाह–बिदुपुर 6 लेन न्यू गंगा ब्रिज के पटना–राघोपुर खण्ड के उद्घाटन के समय इस अप–रैम्प को शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया। अब इस अप–रैम्प का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है, जिसका आज लोकार्पण हुआ है। इस अवसर पर बिहार विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव, पूर्व विधायक सतीश कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, पथ निर्माण विभाग के सचिव संदीप पुडकलकट्टी, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, आयुक्त, पटना प्रमण्डल डॉ0 चन्द्रशेखर सिंह, बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक शीर्षत कपिल अशोक, जिलाधिकारी डॉ0 त्यागराजन एस0एम0, वरीय पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय के0 शर्मा सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

कर्मनाशा नदी का जलस्तर अचानक बढ़ा, सैकड़ों एकड़ फसल डूबी, दहशत में ग्रामीण

पटना (एजेंसियां)।

कैमूर जिले के दुर्गावती थाना क्षेत्र अंतर्गत उत्तर प्रदेश–बिहार सीमा से सटी कर्मनाशा नदी का जलस्तर अचानक बढ़ जाने से लोगों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि कल तक नदी बिल्कुल सूखी थी, लेकिन रातों–रात पानी आने से बाढ़ जैसी स्थिति बन गई।

नदी से सटे जमुरनी, लरमा, करारी, बिंदपुरवा, निपरान सहित कई गांवों में सैकड़ों एकड़ धान की फसल जलमग्न हो चुकी है। छाता गांव निवासी अजय कुमार सिंह ने बताया कि अचानक जलस्तर बढ़ने से करीब 100 एकड़ फसल पूरी तरह डूब चुकी है और पानी लगातार बढ़ रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि पहाड़ी क्षेत्रों में हो रही लगातार बारिश के कारण मूसा खाड़ बांध सहित कई अन्य बांधों में क्षमता से अधिक पानी भर गया। बांध पर दबाव कम करने के लिए अधिकारियों ने मूसा खाड़ डैम के कुछ गेट खोल दिए। इसके बाद पानी लतीफ शाह बियर से होते हुए सीधे कर्मनाशा नदी में गिरा, जिससे नदी अचानक उफान पर आ गई। कृषि भूमि डूबने से किसानों में भारी चिंता है और लोग प्रशासन से मदद की गुहार लगा रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को–ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल–मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए–23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य–500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040–29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com